हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● शनिवार ● 18.10.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 84 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

घाटशिला उपचुनाव : झामुमो के सोमेश और भाजपा के बाबूलाल ने किया नामांकन

विरोधी दल के एक दर्जन सीएम डेरा डाले हैं, दो दर्जन भी आएंगे तो झारखंड का सीएम उन पर भारी पड़ेगा : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : घाटशिला विधानसभा सीट पर चल रहे उपचुनाव के तहत शुक्रवार को महागठबंधन समर्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन भी उपस्थित रहे। घाटशिला सीट पूर्व मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद खाली हुई थी। उनके निधन के बाद ही इस सीट पर उपचुनाव की घोषणा हुई और अब यहां राजनीतिक सरगर्मी चरम पर है। सोमेश सोरेन, जो अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने के इरादे से चुनावी मैदान में उतरे हैं, इस बार पहली बार चुनावी मुकाबले में उतरे हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान घाटशिला के दाहीगोड़ा सर्कस मैदान में चुनावी सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, राज्य के कई मंत्री एवं झामुमो के स्टार प्रचारक मौजूद

रहे। इस उपचुनाव में सोमेश सोरेन का मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन से होगा, जो पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के पुत्र हैं। यह उपचुनाव दोनों राजनीतिक परिवारों के बीच विरासत और लोकप्रियता की जंग के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस उपचुनाव का नतीजा न केवल स्थानीय समीकरणों बल्कि राज्य की राजनीतिक दिशा पर भी असर डाल सकता है।

हेमन्त सोरेन ने घाटशिला के सर्कस मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने दो टूक कहा कि ऐसा वोट करें कि विरोधी दल की जमानत जब्त हो जाए। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में घाटशिला की जनता ने झामुमो उम्मीदवार रामदास सोरेन को भारी मतों से विजयी बनाया था। इस पर भी ध्यान देना है। वोट नहीं बंटना चाहिए। भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि मुझे जानकारी मिली है कि देश के कई राज्यों के एक दर्जन सीएम डेरा डाले हुए हैं। अगर दो दर्जन भी आ जाएं तो आपका सीएम उनपर भारी पड़ेगा। विपक्ष के लोग आग का गोला छोड़ने वाले हैं। लेकिन हम छक्का छुड़ाने को तैयार हैं। ऐसा छक्का छुड़ाएंगे कि जहां से गोला आएगा, वह वहां से दूर चला जाएगा। सीएम ने रामदास सोरेन को याद करते हुए कहा कि क्या संयोग था कि गुरुजी के निधन के कुछ ही दिन बाद रामदास जी का भी निधन हो गया। दोनों का निधन दिल्ली में हुआ। सीएम ने अपना भाषण संथाली में दिया।

भाजपा के बाबूलाल सोरेन ने दाखिल किया नामांकन

पूर्वी सिंहभूम : जिले की राजनीति शुक्रवार को उस समय पूरे उफान पर आ गई, जब घाटशिला (अजजा) विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा के प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। घाटशिला अनुमंडल कार्यालय स्थित निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष उन्होंने औपचारिक रूप से पर्चा भरा। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिससे पूरा क्षेत्र चुनावी जोश में सराबोर हो गया। नामांकन के दौरान राज्य और क्षेत्रीय राजनीति के कई दिग्गज नेता बाबूलाल सोरेन के समर्थन में एकजुट नजर आए। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक सरयू राय और पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस मौजूद थे। नेताओं ने एक स्वर में दावा किया कि इस बार घाटशिला की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और भाजपा प्रत्याशी को भारी बहुमत से विजयी बनाएगी। उल्लेखनीय है कि घाटशिला विधानसभा सीट पूर्व शिक्षा मंत्री और झामुमो विधायक रामदास सोरेन के निधन के कारण खाली हुई है। भाजपा ने एक बार फिर बाबूलाल सोरेन पर भरोसा जताते हुए उन्हें मैदान में उतारा है। दिलचस्प बात यह है कि झामुमो ने भी इस बार रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन को प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में मुकाबला सोरेन बनाम सोरेन हो गया है, जिससे यह उपचुनाव राज्य की राजनीति का केंद्र बन गया है। नामांकन दाखिल करने के बाद बाबूलाल सोरेन ने मीडिया से कहा कि जनता हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार से पूरी तरह निराश है और इस उपचुनाव में घाटशिला की जनता इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास, शिक्षा, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं के लिए वे लगातार संघर्ष करते आए हैं और जनता अब बदलाव चाहती है। घाटशिला उपचुनाव में भाजपा ने जहां संगठन की पूरी ताकत झोंक दी है, वहीं झामुमो अपने परंपरागत वोट बैंक को बचाने की कोशिश में जुटा है।

एक नजर

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मिस्र के विदेश मंत्री

नयी दिल्ली : भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता के लिए दिल्ली आए मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलती ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आधिकारिक आवास सात लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा शांति समझौते में मिस्र की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सिसी का आभार जताया और आशा व्यक्त की कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित होगी। विदेश मंत्री अब्देलत्ती ने प्रधानमंत्री को उनकी यात्रा के दौरान आयोजित होने वाली पहली भारत-मिस्र सामरिक वार्ता के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा और लोगों के बीच संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अब्देलती से मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलती का स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता हुई। गाजा शांति समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अपने मित्र राष्ट्रपति सिसी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। भारत-मिस्र रणनीतिक साझेदारी हमारे लोगों, हमारे साझा क्षेत्र और मानवता के लाभ के लिए निरंतर मजबूत होती जा रही है।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

नयी दिल्ली : श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। डॉ. हरिनी अमरसूर्या का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी यात्रा ऐतिहासिक और बहुआयामी भारत-श्रीलंका संबंधों को नई गति प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष अप्रैल में श्रीलंका की अपनी राजकीय यात्रा को याद किया, जिसके दौरान उन्होंने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका के साथ सहयोग के सभी क्षेत्रों पर उपयोगी चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार विकास सहयोग और हमारे मछुआरों के कल्याण सहित अनेक क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। भारत और श्रीलंका के बीच विशेष संबंधों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने दोनों देशों की साझा विकास यात्रा में मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

चुनाव से ठीक पहले टूटने के कगार पर पहुंचा महागठबंधन! सीटों के बंटवारे पर गहराया संकट

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन का आज आखिरी दिन है। लेकिन महागठबंधन अपनी सीट बंटवारे की व्यवस्था को लेकर संघर्ष कर रहा है, जिससे इसकी एकता और समन्वय पर गंभीर संदेह पैदा हो रहा है। ऐसा लग रहा है कि महागठबंधन टूटने के कगार पर पहुंच गया है।

कांग्रेस का 70 सीटों पर चुनाव लड़ने पर जोर देना मुख्य बाधा एकजुटता के बार-बार दावों के बावजूद, राजद, कांग्रेस, भाकपा-माले, भाकपा, माकपा और वीआईपी वाला यह गठबंधन केवल कागजों पर ही दिखाई देता है, जिसमें प्रत्येक दल अपने हितों को प्राथमिकता दे रहा है। हालांकि कई दलों ने पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और नामांकन के लिए चुनाव चिन्ह वितरित कर दिए हैं, लेकिन सीटों के सटीक

बंटवारे को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है, जिससे कार्यकर्ता और समर्थक असमंजस में हैं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस का 70 सीटों पर चुनाव लड़ने पर जोर देना मुख्य बाधा बन गया है। 2020 के विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस ने इतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन 27 प्रतिशत के स्ट्राइक रेट के साथ केवल 19 सीटें ही जीत पाई थी। इस प्रदर्शन को व्यापक रूप से गठबंधन के सरकार बनाने के लिए आवश्यक 122 सीटों के बहुमत के आंकड़े से चूकने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। इस बार, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव कथित तौर पर वही गलती दोहराने को तैयार नहीं हैं। वह चाहते हैं कि कांग्रेस कम सीटों पर चुनाव लड़े, जबकि यह सबसे पुरानी पार्टी 70 सीटों के अपने दावे पर अड़ी हुई है।

महागठबंधन के प्रमुख नेताओं- तेजस्वी यादव, दीपांकर भट्टाचार्य और मुकेश सहनी ने सीट बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली में कांग्रेस नेताओं के साथ कई दौर की बातचीत की। हालांकि, कई दिनों की चर्चा के बाद भी कोई सहमति नहीं बन पाई।

गुजरात कैबिनेट : भूपेंद्र सरकार में 19 नए चेहरे शामिल संघवी बने डिप्टी सीएम, जडेजा की पत्नी की नई पारी

एजेंसी

अहमदाबाद : गुजरात में नए मंत्रिपरिषद का शुक्रवार को शपथ ग्रहण समारोह हुआ। हर्ष सांघवी को राज्य का नया डिप्टी सीएम बनाया गया है। हर्ष सांघवी तीन बार के विधायक हैं और फिलहाल मजुरा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 25 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई, जिसके बाद सीएम भूपेंद्र पटेल को मिलाकर मंत्रीपरिषद में 26 मंत्री हो गए हैं। पिछले साल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए विधायक अर्जुन मोढवाडिया को भी मंत्री बनाया गया है। विसनगर विधायक रुशीकेश पटेल, प्रफुल पनशेरिया, कुंवरजी बावलिया को फिर से मंत्रीपरिषद में शामिल किया गया है।

इन विधायकों को मिली मंत्रिपरिषद में जगह

कनुभाई देसाई, पुरषोत्तम सोलंकी,

नरेश पटेल, अहमदाबाद की पूर्व डिप्टी मेयर दर्शना वाघेला, गुजरात भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व प्रमुख प्रद्युमन वाजा, मोरबी विधायक कांतिलाल अमरुतिया और वडोदरा विधायक मनीषा वाकिल को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है। गुरुवार को गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़कर मंत्रिपरिषद के अन्य सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था। गुजरात भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और भावनगर से विधायक जीतू वाघाणी, अमरेली से विधायक और भाजपा के डिप्टी चीफ व्हिप कौशिक वेकारिया, स्वरूपजी ठाकोर, टीकाराम छंगा, जयराम गमित, जामनगर उत्तर विधायक रिवाबा जडेजा, पीसी बारांदा, दाहोद विधायक रमेश कटारा, अंकलेशअवर विधायक इश्वरसिहं पटेल, दीसा विधायक प्रवीण माली, बारसोड विधायक रमनभाई सोलंकी, पेटलाद विधायक कमलेश पटेल, महुधा विधायक संजय सिंह महिदा को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है।

2027 विधानसभा चुनाव के लिहाज से अहम है ये फेरबदल

गुजरात सरकार के मंत्रिपरिषद में यह फेरबदल भाजपा के मिशन 2027 के लिहाज से अहम माना जा रहा है। पार्टी आगामी निकाय चुनाव में नए सामाजिक समीकरणों को परखने की तैयारी कर रही है। पार्टी का मानना है, युवा विधायकों को मंत्रिपरिषद में शामिल करने से युवा नेताओं का हौसला और सरकार में ओबीसी-पाटीदार प्रतिनिधित्व बढ़ा है। आगामी चुनाव में भाजपा को इसका फायदा मिल सकता है।

विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय जनता पार्टी गुजरात में सुनिश्चित करना चाहती है कि पाटीदार समुदाय के साथ ओबीसी और शहरी वर्ग का संतुलन बना रहे।

विश्लेषक मानते हैं कि चेहरे बदलकर भाजपा राज्य में लंबे समय से चल रही सरकार के प्रति होने वाली एंटी इनकंबेंसी को खत्म कर रही है।

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में 210 इनामी नक्सली कैडर मुख्यधारा में लौटे, 153 हथियार सौंपे

एजेंसी

जगदलपुर : छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अरुण देव गौतम के समक्ष उपस्थित होकर 210 इनामी नक्सली कैडर मुख्यधारा में लौटे और अपने 153 हथियार पुलिस को सौंपे। आत्मसमर्पित करने वाले नक्सली कैडरों में एक करोड़ से पांच लाख तक के इनामी शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति तथा पुलिस, सुरक्षाबलों, स्थानीय प्रशासन और अन्य हितधारकों के प्रयासों की ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत आज अधिकारिक तौर पर दण्डकारण्य क्षेत्र के कुल 210 इनामी नक्सली कैडर जिनमें एक सेंट्रल कमेटी सदस्य, 4 डीकेएसजेडसी सदस्य

21 डिविजनल कमेटी सदस्य तथा अन्य वरिष्ठ नक्सली कैडर शामिल हैं। उन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा में वापसी की। इस निर्णायक और ऐतिहासिक घटनाक्रम से क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में नक्सली कैडरों के सबसे बड़े सामूहिक पुनर्समावेशन के रूप में दर्ज होगी। शीर्ष नक्सली कैडर सीसीएम रूपेश उर्फ सतीश, डीकेएसजेडसी भास्कर उर्फ राजमन मांडवी, डीकेएसजेडस रनीता, डीकेएसजेडस राजू सलाम, डीकेएसजेडस धन्नू वेत्ती उर्फ संतू, आरसीएम रतन एलम समेत कुल 210 इनामी नक्सली कैडर मुख्यधारा में लौट आए हैं।

नक्सली कैडरों ने कुल 153 हथियार समर्पित कर हिंसा और हथियारबंद संघर्ष से अपने जुड़ाव का प्रतीकात्मक अंत किया है। यह शांति और मुख्यधारा की ओर उनके नए सफर की ऐतिहासिक शुरूआत है। नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में नक्सली कैडरों ने सामूहिक रूप से अपने हथियार समर्पित किए हैं। वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में शांति, विकास और विश्वास परिवर्तन की नींव बने हैं। यह ऐतिहासिक आत्मसमर्पण केंद्र एवं राज्य सरकार के मार्गदर्शन में पुलिस, सुरक्षा बलों, स्थानीय प्रशासन तथा सजग एवं जागरूक समाज के समन्वित और सतत प्रयासों का परिणाम है।

टीपीसी नक्सली संगठन के एरिया कमांडर कुणाल व रोहिणी गंझू ने किया सरेंडर

चतरा : झारखंड पुलिस को नक्सल के खिलाफ क्षेत्र में एक सफलता हाथ लगी है। शुक्रवार को नक्सली संगठन टीपीसी के दो सक्रिय एरिया कमांडर कुणाल उर्फ कुलदीप गंझू और रोहिणी गंझू ने बोकारो जोनल आईजी सुनील भास्कर, एसपी और सीआरपीएफ के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली कुणाल उर्फ कुलदीप पर चतरा और पलामू जिले के विभिन्न थानों में 16 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। वहीं, रोहिणी गंझू के विरुद्ध भी 10 से अधिक मामले दर्ज हैं। चतरा स्थित समाहरणालय सभाकक्ष में आईजी सुनील भास्कर और एसपी सुमित कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में मुख्यधारा में लौटने का फैसला करते हुए अपने हथियार डाल दिए।

डीआईजी हरचरण भुल्लर की कोठी से मिला 7.5 करोड़ कैश और ढाई किलो सोना

एजेंसी

चंडीगढ़ : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर वीरवार को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया था। शुक्रवार को डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और बिचौलिए को चंडीगढ़ जिला अदालत में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। जहां से दोनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। सीबीआई ने डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और बिलौलिए पंजाब के नाभा निवासी कृष्णू को फतेहगढ़ साहिब के एक स्क्रैप डीलर से 8 लाख रुपये रिश्वत लेने के मामले में मोहाली से गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर से जुड़े रिश्वत मामले

की जांच के तहत पंजाब और चंडीगढ़ में कई स्थानों पर व्यापक छापेमारी भी की है। इस दौरान सीबीआई को भारी मात्रा में नकदी, सोना, लग्जरी घड़ियां और संपत्ति से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। जांच एजेंसी की छापेमारी में उनके घर और फार्म हाउस से भी सामान मिला है वह बेशकिमती है। उनके फार्महाउस से महंगी शराब और हथियार मिले हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को महंगी शराब और हथियारों का शौक है। सीबीआई के अनुसार, पंजाब पुलिस के रूपनगर रेंज के डीआईजी और उनके कथित बिचौलिए को आज चंडीगढ़ स्थित सीबीआई अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जांच एजेंसी ने कहा कि बरामद दस्तावेजों और संपत्तियों की जांच जारी है और मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना है।

कुंडमी समाज की एसटी में शामिल होने की मांग पर बवाल, आदिवासी समाज ने किया राज्यव्यापी शक्ति प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकाकाना (रामगढ़) : कुंडमी जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल किए जाने व कुडमाली भाषा को संविधान के आठवीं सूची में शामिल किए जाने का मांग कुंडमी समाज के लोगों द्वारा किया जा रहा है। जिसे लेकर पिछले दिनों रेल टेका डहर छेका के तहत विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर धरना देकर रेल परिचालन को बाधित कर दिया गया था। जबकि आदिवासी समाज के लोगों द्वारा कुडमी को एसटी वर्ग में शामिल किए जाने की मांग को गलत बताया। आदिवासी समाज के लोगों द्वारा रामगढ़ में शक्ति प्रदर्शन किया गया था। जिसमें आदिवासी समाज के लोगों द्वारा

सिद्धू कान्हू फुटबॉल मैदान से पैदल मार्च करते हुए रामगढ़ उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सोपा गया था। जिसके बाद से ही दोनों समाज के कुछ लोगों द्वारा विवादित ब्यान दिया जाने लगा। जिससे कई लोगों पर राज्य के विभिन्न स्थान में मामला दर्ज किया गया। इसके बावजूद विवादित ब्यान देने का दौरा थमने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों समाज के लोगों द्वारा समय-समय पर विभिन्न स्थानों में धरना प्रदर्शन कर शक्ति प्रदर्शन किया जा रहा है। आदिवासी समाज के लोगों द्वारा शक्ति प्रदर्शन किए जाने को लेकर शुक्रवार को राज्य के विभिन्न क्षेत्र से रांची में जुटने का आह्वान किया गया। आदिवासी समाज द्वारा आहूत शक्ति प्रदर्शन में शामिल होने के लिए बरकाकाना, पाहनबेड़ा, उरलुंग, लाइनपार सहित अन्य गांव से भारी संख्या में महिला व पुरुष रांची के लिए रवाना हुए। आदिवासी समाज के लोगों द्वारा बताया गया कि कुर्मी समाज द्वारा किए जा रहे हैं मांग गलत व निराधार है। जिसका आदिवासी समाज पुरजोर विरोध करेगी। दो भागों में बांटने के कगार पर पहुंचा कुर्मी व आदिवासी समाज कुडमी समाज द्वारा एसटी वर्ग में शामिल किए जाने की मांग को लेकर लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके विरोध में आदिवासी समाज के लोगों द्वारा सोशल मीडिया, अखबार व अन्य संसाधनों से लगातार विरोध किया जा रहा है। समाज के दोनों वर्ग अपनी अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हैं। जिस कारण समाज दो भागों में बांटने के कगार पर पहुंच चुका है। जिस गांव में दोनों समाज के लोग आपसी भाईचारगी के साथ रहा करते थे। अब उन गांव में दोनों समाज के लोग बट चुके हैं। समय रहते मामला का निष्पादन नहीं होता है तो दोनों समाज के लोगों द्वारा किया जा रहा धरना प्रदर्शन कभी भी विस्फोटक रूप धारण कर सकता है।

एक नजर

17 दिन बाद मिला रामचंद्र पासवान का शव, हुआ अंतिम संस्कार

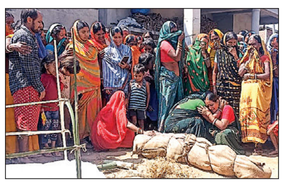

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत भंडारो पंचायत के बैरिसाल निवासी रामचंद्र पासवान उम्र 64 वर्ष का शव 17 वें दिन बैरिसाल नदी से बरामद हुआ। 1 अक्टूबर बुधवार दोपहर को वे मवेशी चराने गए थे। तभी जोरदार बारिश हुई। नदी किनारे चर रहे मवेशियों को बचाने में वे खुद नदी के तेज बहाव में बह गए। नदी में उनके बह जाने के बाद उनके परिवार और गांव वाले लगातार उनकी खोजबीन करते रहे लेकिन कहीं उनका पता नहीं चला। इस बीच तिलैया डैम से पानी छोड़े जाने के कारण नदी में तेज बहाव भी था। नदी के दोनों किनारों पर खोजबीन करने के बाद भी जब रामचंद्र पासवान का शव नहीं मिला तो घरवाले निराश हो गए थे और शव मिलने की उम्मीद भी छोड़ चुके थे। इसी बीच आज सुबह यानी शुक्रवार को नदी में कुछ मछुआरे मछली पकड़ने गए थे। इसी दौरान मछुवारों के जाल में रामचंद्र पासवान का शव फंस गया और 17 दिन बाद उनका शव बरामद हो गया। मछुआरों ने शव बरामद होने की जानकारी गांव वालों को दी। जिसके बाद परिजनों ने रामचंद्र पासवान के शव को अंतिम संस्कार कर दिया। इधर मृतक के परिजनों का रो – रो कर बुरा हाल है।

बरही प्राचीन छठ घाट की साफ - सफाई शुरू, सीओ ने घाट का लिया जायजा

बरही : छठ पूजा कमेटी के नेतृत्व में बरहीडीह छठ नदी घाट की साफ सफाई शुरू हो गई है। छठ पूजा कमेटी के अध्यक्ष राज सिंह चौहान ने बताया कि छठ पूजा घाट, व्रतियों के लिए चेंजिंग रूम, श्रद्धालुओं के लिए आने जाने का मार्ग बनाने का कार्य जोर शोर से किया जा रहा है। घाट की साफ–सफाई, साज सज्जा, घाट मार्ग पर रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। वहीं बरही अंचलाधिकारी चंद्रशेखर कुणाल ने भी प्राचीन छठ घाट पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पूजा कमेटी को साफ – सफाई को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साफ सफाई कराने वालों में राज सिंह चौहान, मुखिया शमशेर आलम, कैलाशपति सिंह, पंसस जीतू ठाकुर, अशोक सिंह, पूर्व मुखिया रमेश ठाकुर, नागेश्वर प्रसाद केशरी, कृपाल राणा, भोली पासवान, छोटी ठाकुर, विजय सिंह, पिंटू सिंह, संजय कुमार, सुरेश राम समेत ग्रामीण शामिल थे।

मदरसा की जमीन को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, दर्जनों घायल, पुलिस ने शुरू की जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कटकमदाग थाना क्षेत्र के बनहा गांव स्थित मदरसा मजहरुल उलूम और जामा मस्जिद की जमीन को लेकर शुक्रवार सुबह दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। जमीन पर कथित कब्जा करने के प्रयास को लेकर शुरू हुए विवाद ने देखते ही देखते खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दोनों ओर से लाठी-डंडे और पत्थरबाजी हुई, जिसमें दर्जनों लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में जारी है। मदरसा पक्ष की ओर से मो. नोजाम ने कटकमदाग थाना में दर्ज शिकायत में बताया कि 14 अक्टूबर की सुबह करीब 7:15 बजे उन्हें सूचना मिली कि मदरसा की जमीन पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। इसके बाद वे अंजुमन के सदर मो. मुतुर्जा, सचिव मो. अख्तर, मो. बाबर और मो. मिनहाज के साथ मौके पर पहुंचे। मदरसा पक्ष का आरोप है कि जब उन्होंने मो. हामिम और उसके परिवार से पूछताछ की, तो बहस शुरू हो गई। जल्द ही मामला हिंसक हो गया और मो. हामिम के सहयोगियों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में अंजुमन के सदर मो. मुतुर्जा गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। बचाव में आए अन्य लोगों पर भी पथराव किया गया, जिससे कई ग्रामीण भी घायल हुए।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत विधानसभा सम्मेलन का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : भारतीय जनता पार्टी की बरही इकाई की ओर से शुक्रवार को आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत नगर भवन में विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह एवं संचालन पश्चिमी मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी ने किया। सम्मलेन में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद और विशिष्ट के रूप में स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव एवं जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह शामिल हुए। सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी के पितृपुरुष डॉ

श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर की गई। साथ ही सम्मलेन में आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को साकार करने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य अतिथि राकेश प्रसाद ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान केवल आर्थिक सशक्तिकरण का प्रतीक नहीं, बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक स्वाभिमान से जुड़ा हुआ एक जन आंदोलन है। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की और अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर का रास्ता गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं से होकर गुजरता है।

रोटरी रांची ने मनाया इको-फ्रेंडली दीपावली मिलन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रोटरी क्लब रांची द्वारा शनिवार को कांके रोड स्थित शाहदेव हाउस में भव्य दीवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। दीपों की जगमग रोशनी और रंगोली की सुंदर सजावट से सजे इस आयोजन में सदस्यों और उनके परिवार के लोगों ने उल्लास व आपसी सौहार्द के साथ त्योहार की खुशियां मनाई। समारोह की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद गीत-संगीत, नृत्य और मनोरंजक खेलों की झड़ी लग गई। बच्चों ने पारंपरिक खेलों से माहौल को जीवंत बना दिया, वहीं बड़ों ने सुरों और ताल पर थिरककर आनंद को और बढ़ा दिया। तंबोला और लक्की ड्रा कार्यक्रमों ने समारोह में उत्साह का रंग भर दिया। तंबोला का संचालन रविन्द्र सिंह चड्ढा डिंपी ने किया। बंपर हौजी ड्रॉ की विजेता सुषमा साबू रहीं, जबकि लक्की ड्रा का पुरस्कार गिरीश अग्रवाल ने जीता। इस मौके पर इको-फ्रेंडली दीपावली का संदेश भी दिया गया। सदस्यों ने अपील की कि दीपों का त्योहार सुरक्षित, संयमित व स्वच्छ तरीके से मनाएं। क्लब अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि दीपावली केवल रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि यह समाजसेवा और सकारात्मकता का भी प्रतीक है। हमें जरूरतमंदों के जीवन में भी रोशनी फैलाने का संकल्प लेना चाहिए। क्लब की सचिव भावना तनेजा ने कहा कि दीपावली हमें खुशियों के साथ-साथ स्वच्छता और पर्यावरण-संरक्षण का संदेश भी देती है। उन्होंने आग्रह किया कि हर व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को प्राथमिकता बनाए। समारोह के दौरान बनाई गई रंग-बिरंगी रंगोलियों और पारंपरिक सजावट ने सभी का मन मोह लिया। उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर और शुभकामनाएँ देकर दीपावली की उमंग को और बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हुए सभी ने मिलजुलकर सामूहिक सौहार्द का परिचय दिया। कार्यक्रम में अजय छाबड़ा, जोगेश गंभीर, अनिल सिंह, रजत बहल, परमजीत कौर, आस्था बहल, हितेश भगत, आकांक्षा भगत समेत अनेक सदस्य मौजूद थे।

पुलिस लाइन में ब्लड डोनेशन कैंप का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पुलिस लाइन में आज ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन हुआ। इस ब्लड डोनेशन कैंप में जिले के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के साथ जिले के तमाम पुलिस पदाधिकारी उपस्थित हुए। मौके पर पुलिस अधीक्षक ने अपना हेल्थ चेकअप करवाया और 21 पुलिस पदाधिकारी ने ब्लड डोनेट कर दूसरे लोगों को भी जागरूक किया। मौके पर रामगढ़ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि आज आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में हमारे पुलिस पदाधिकारी के द्वारा ब्लड डोनेशन किया गया है जिसमें 21 पुलिसकर्मी शामिल हुए साथ मे सभी पुलिस कर्मियों का हेल्थ भी चेकअप किया गया और पुलिसकर्मियों की स्वास्थ्य में सुधार के लिए उन्हें जागरूक भी किया गया।मौके पर ब्लड डोनेशन करने वाले एक पुलिस पदाधिकारी

ने कहा कि मैं खुद ब्लड डोनेट किया और अन्य पुलिसकर्मियों को भी ब्लड डोनेशन के प्रति जागरूक किया। मौके पर ब्लड डोनेशन कैंप के आयोजनकर्ता सदर अस्पताल प्रमुख डॉक्टर उदय श्रीवास्तव ने कहा कि सदर अस्पताल के द्वारा समय-समय पर ऐसे ब्लड डोनेशन कैंप एवं हेल्थ चेकअप का आयोजन किया जाता है ताकि लोग जागरुक होकर ब्लड डोनेशन के प्रति अपनी सजकता दिखाएं।

धनतेरस पर बाजार सजकर तैयार, अच्छी बिक्री की उम्मीद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड मुख्यालय, करियातपुर सहित अन्य क्षेत्र के बाजार धनतेरस को लेकर सजकर तैयार है। दुकानदार भी नए-नए ऑफर तथा सामान लाकर ग्राहकों को लुभाने के प्रयास में हैं। दूसरी तरफ जीएसटी में भी कटौती होने के कारण अच्छी बिक्री की उम्मीद जतायी जा रही है। आभूषण व इलेक्ट्रॉनिक दुकानदारों की मानें तो पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बिक्री अधिक होने की उम्मीद है।करियातपुर के कुछ इलेक्ट्रॉनिक, मोबाइल ,टीवी फ्रिज, अलमीरा एवं बर्तन दुकानदारों ने बताया कि जीएसटी में कटौती के कारण इस धनतेरस में बिक्री बढने की संभावनाएं बढ़ी है। बताया कि इस वर्ष इलेक्ट्रॉनिक सामानों के दामों में गिरावट होने के कारण लोगों का झुकाव ज्यादा बढ़ा है। बताया कि लोग इलेक्ट्रॉनिक सामान, मोबाइल फोन की बुकिंग अधिक करा रहे हैं। वहीं कुछ आभूषण दुकानदारों ने बताया कि सोने-चांदी के दामों में लगातार वृद्धि होने के कारण लग रहा था कि इस बार बिक्री कम होगी लेकिन पिछले वर्ष की तुलना में इस कुछ अधिक बिक्री होने की संभावना है। लोगों ने बताया कि लोग सोने-चांदी की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उनका मानना है कि सोने-चांदी में निवेश करना उनके लिए अच्छा होगा. शायद इसलिए भी बुकिंग का प्रतिशत बढ़ा है। आभूषण दुकानदार संजीत सोनी ने बताया कि इस बार आभूषणों की बिक्री की उम्मीद है। दामों की बढ़ोतरी होने के कारण लोग सोना-चांदी के सामान को निवेश के रूप में देख रहे हैं। इधर, रेडियो विजन इलेक्ट्रॉनिक दुकान के मालिक रोहित केशरी ने बताया कि जीएसटी में कटौती के कारण लोगों का झुकाव इलेक्ट्रॉनिक सामानों की ओर बढ़ रहा है।

लगातार 9वें वर्ष हजारीबाग में शहीदों को समर्पित कार्यक्रम "आपका एक दिया शहीदों के नाम" आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : दीपावली पूर्व गुरुवार की शाम को स्थानीय परिसदन के समक्ष अवस्थित शहीद स्मारक स्थल में लगातर 9वें वर्ष हर्षोल्लास के साथ ₹आपका एक दिया शहीदों के नाम₹ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस भव्य कार्यक्रम से पूर्व यहां प्रति वर्ष की भांति वर्तमान वर्ष भी पहले लगातर दो दिनों तक पूरे स्मारक स्थल को साफ- सफाई कर स्वच्छ बनाया गया, तत्पश्चात शाम ढलते ही हजारों दीयों की दीपमालाओं से इसे रौशन किया गया और शहीदों की शहादत को याद किया गया। आस्था के साथ शहीदों की याद में जब एक साथ हजारों दीये जगमगाए तो चहुंओर शौर्य और उजास छा गया। दीपों से प्रस्फुटित होती रोशनी प्रत्येक चेहरे पर गर्व की अनुभूति करा रही थी। सभी के दिलों में शहीदों के प्रति अपार सम्मान व कृतज्ञता का भाव झलक रहा था।

शहीद स्मारक परिसर को उनकी यादों में रोशन किया गया, जिनके बलिदान को कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता । मौके पर विशेषरुप से शहीद सुभाष सौरव बारला की मां पूनम बारला, शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी के पिता अजिंदर सिंह बक्शी और शहीद संदीप पाल के पिता जयनंदन कुमार पाल और भाई मनीष पाल सहित बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनोज कुमार यादव, सदर एसडीपीओ अमित आनंद, समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट एसोसिएशन के केंद्रीय अध्यक्ष अरविंद ओझा, सांसद सुपुत्र करण जायसवाल, वरिष्ठ समाजसेवी बटेश्वर प्रसाद मेहता, यूथ विंग के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन, भैया अभिमन्यु प्रसाद, आनंद देव, मैंगो मेन मनोज गुप्ता, केपी ओझा, सुदेश चंद्रवंशी, दिनेश सिंह राठौड़, हरीश श्रीवास्तव, अनिल मिश्रा, अर्जुन साव, मुनींद्र शर्मा, सत्येंद्र नारायण सिंह, खोखा सिंह, जुगनू सिंह, रवि भूषण सिन्हा सहित कई अन्य गणमान्य लोग और हजारीबाग के हर उम्र के लोग उपस्थित हुए और आयोजकों का हौसलाअफजाई किया। शहीदों के परिजनों ने खुद शहीद स्मारक पर घी के दिए जलाएं और दीपावली पूर्व संध्या अपने-अपने घरों में एक दिया शहीदों के नाम जलाने का अपील समस्त हजारीबाग वासियों से किया। शहीद सुभाष सौरव बारला की मां पूनम बारला ने कहा कि जवान देश के लिए शहीद होता है और जब उनके याद में ऐसा कार्यक्रम आयोजित हो तो दिल प्रफुल्लित हो जाता है। उन्होंने खुद को शहीद की मां बताते हुए फर्क होने की बात कही। बरही विधायक मनोज यादव ने आयोजन की सराहना की और कहा कि रंजन चौधरी और उनकी पूरी टीम ऐसे राष्ट्रभक्ति के कार्यक्रम आयोजन के लिए बधाई के पात्र है।

संक्षिप्त खबरें

केवाल बिरहोर टोला के 10 वर्षीय गुलर बिरहोर को है बेहतर इलाज की दरकार

बरही : बरही प्रखंड के खोड़ाहार पंचायत अंतर्गत केवाल बिरहोर टोला निवासी अग्ना बिरहोर के 10 वर्षीय पुत्र गुलर बिरहोर को बेहतर इलाज की दरकार है। शुक्रवार को उन्हें बीमार अवस्था में भीख मांगते बरही में देखा गया। उसको देखने से ही साफ पता चल रहा है कि वह कुपोषित बच्चा है। उन्हें बेहतर इलाज के साथ साथ पौष्टिक भोजन की भी जरूरत है। वह बिना चप्पल का ही दुकान दुकान जाकर भीख रहा था। उस पर अपेम वेलफेयर फाउंडेशन के निदेशक मुकेश मद्धेशिया जी की नजर उन पर पड़ी। उनकी हालत देखकर उन्हें चप्पल उपलब्ध कराया साथ ही यथा संभव सहयोग किया। लेकिन उन्हें फिलहाल बेहतर इलाज की जरूरत है। मुकेश मद्धेशिया ने बताया कि आजादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी अब तक बिरहोरो की सामाजिक, आर्थिक तथा ज्ञान का विकास नहीं हुआ है। बिरहोर समुदाय के विकास के लिए सरकार लाख दावा करे , लेकिन असलियत कुछ और ही है। पौष्टिक भोजन नहीं मिलने से गुलर बिरहोर जैसे कई बिरहोर बच्चे का शारीरिक विकास नहीं हो पा रहा है। जिस पर सरकार के साथ साथ सभ्य समाज को भी सोचने को जरूरत है। उन्हें मुख्य धारा से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास के लिए पहल की जरूरत है। गौरतलब हो कि कुछ दिन पहले हो चौपारण के जमुनियातरी बिरहोर टोला में इलाज के अभाव में सरस्वती कुमारी एक बिरहोरिन की मौत हो जाने से पूरा प्रशासनिक अमला सकते में है। ऐसे में गुलूर बिरहोर के साथ लापरवाही खतरनाक हो सकता है। मुकेश मद्धेशिया ने कहा है कि बिरहोर समुदाय को संरक्षित करना, उनका सर्वांगीण विकास करना हम सबका दायित्व है। अपेम वेलफेयर फाउंडेशन इस मामले में अपना दायित्व का निर्वहन करेगा।

इलाज हेतु अंबा प्रसाद ने उपलब्ध कराई 50 हजार की सरकारी मदद

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के ग्राम हरली निवासी लगभग 60 वर्षीय रामविलास ठाकुर किडनी के गंभीर रोग से ग्रसित हैं। इलाज में अत्यधिक खर्च होने के कारण परिवारजन गरीबी के चलते सही इलाज नहीं करवा पा रहे थे। जिसकी सूचना बड़कागांव के पूर्व विधायक अंबा प्रसाद को दी गई । अंबा प्रसाद ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाज में सहयोग हेतु सरकारी मदद उपलब्ध कराते हुए 50 हजार रुपए का चेक प्रदान किया। पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा प्रेस विभक्ति जारी कर जानकारी दी गई।

गोपीडीह में तीन घरों में बीती रात हुई चोरी

चलकुशा (हजारीबाग) : थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोपीडीह में बीती रात तीन घरों में अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर बक्शा का ताला तोड़कर नकदी, जेवरात एवं लाखों रुपए नगदी चुरा लिए पीड़ित परिवार गंगाधर यादव पिता स्वर्गीय प्रयाग यादव किशोरी यादव पिता स्वर्गीय उत्तम महतो ,रामचंद्र सिंह पिता स्वर्गीय सोमर सिंह तीनों के घर में चोरी हुई जिसमें गंगाधर यादव ने बताया की मेरे घर से नकदी 10 हजार रुपए एवं सोा लगभग लाखों की चोरी हुई है। किशोरी यादव ने बताया की 20 हजार रुपए नकद एवं लगभग 50 हजार का जेवरात चोरी हुई है। वहीं रामचंद्र सिंह ने बताया कि 5000 रुपए नकदी,चोरी हुई है जिसकी सूचना मिलते ही चलकुशा थाना प्रभारी सूर्यकांत कुमार अपने दल बल के साथ पहुंचकर जांच पड़ताल करने लगे। मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह एसआई मलिक मुर्मू पसंस प्रतिनिधि उमेश कुमार साव वार्ड सदस्य सिकंदर यादव, इंद्रदेव यादव एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

बरही में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न

बरही : बरही प्रखण्ड मैदान में आयोजित नमो फुटबॉल टूनार्मेंट 2025 का समापन हो गया। रोमांचक मुकाबले में देवचन्दा की टीम ने गंझूडीह को पेनाल्टी शूटआउट में 4 – 3 से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। बतौर मुख्य अतिथि विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि लोकप्रिय सांसद मनीष जायसवाल जी के दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को उचित मंच मिल रहा है। खेल के माध्यम से खिलाड़ी शारीरिक व मानशिक रूप से फिट हो रहे है। मौके विधायक मनोज कुमार यादव, भाजपा नेता पूर्व जिप सदस्य अर्जुन साव, जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, जिला भाजपा उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर के द्वारा विजेता एवं उप विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। मौके पर जीप उपाध्यक्ष किसुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव, रवि यादव, इन्द्रदेव ठाकुर बंटी तिवारी आदि आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष बलराम केशरी, सचिव मुन्ना यादव, कोषाध्यक्ष संजय दुबे, पम्पम कुमार, रंजीत कुमार, रौशन राणा, सचिन यादव, नागेश्वर रजक, पिंटू ठाकुर आदि लोग मौजूद थे।

एक नजर

थैलेसीमिया पीड़ितों की बैठक 25 को

रांची : थैलेसीमिया पीड़ितों और उनके परिजन के साथ 25 अक्टूबर को विधानसभा सभागार में लहू बोलेगा संगठन की ओर से बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संगठन के बीते कार्यों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में सिविल सर्जन को भी आमंत्रित किया गया है। संगठन के नदीम खान ने शुक्रवार को बताया कि इस दौरान दीपावली मिलन समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

विनय सिंह की याचिका खारिज, उनका रांची हजारीबाग और गुमला शो रुम नहीं खुलेगा

रांची : हजारीबाग में वन भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री और उसका म्यूटेशन कराने के आरोपी ऑटोमोबाइल शो रुम के मालिक विनय सिंह का रांची, गुमला और हजारीबाग स्थित उनका शो रुम का ताला बंद ही रहेगा। विनय सिंह ने गुमला के आलावा रांची के डिबडीह स्थित मोटोजेन और हजारीबाग स्थित नेक्सजेन महिंद्रा के शोरूम को सील मुक्त करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका दोनों शो-रुम एसीबी ने पिछले दिनों सील कर दिया था। हाईकोर्ट में जस्टिस दीपक रौशन की अदालत ने विनय सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए आज एसीबी की दलीलों के बाद उसे खारिज कर दिया। वन भूमि घोटाले के आरोप में विनय सिंह फिलहाल जेल में बंद हैं। मालूम हो कि कोर्ट ने पिछले दिनों विनय सिंह के दोनों शो रुम का ताला खोलने का आदेश दिया था। लेकिन आज सुनवाई के दौरान एसीबी के वकील सुमित गाड़ोदिया ने शो रुम खोले जाने का विरोध किया।

अपर मुख्य सचिव ने 108 एम्बुलेंस कर्मचारियों के मुद्दों के समाधान का दिया आश्वासन

रांची : झारखंड प्रदेश एम्बुलेंस कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने आज अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग, अजय कुमार सिंह से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी और भारतीय मजदूर संघ, रांची जिला मंत्री सुबोध कुमार यादव शामिल रहे। बैठक में 108 एम्बुलेंस कर्मचारियों की लंबित समस्याओं और कंपनी द्वारा की जा रही अनियमितताओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। संघ ने सभी आवश्यक दस्तावेज और प्रमाण प्रस्तुत किए और बताया कि 30 जुलाई 2025 को हड़ताल समाप्ति के समय हुए समझौते के बिंदुओं का कंपनी द्वारा पालन नहीं किया गया है। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि 15 नवंबर 2025 तक एक उच्चस्तरीय समिति गठित कर सभी मुद्दों का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

कारोबारी राधेश्याम साहू पर फायरिंग मामले में आधा दर्जन संदिग्ध हिरासत में

रांची : सीमेंट और छड़ व्यवसाय से जुड़े राधेश्याम साहू पर हुई फायरिंग की घटना को लेकर रांची पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इस मामले में पुलिस ने करीब आधा दर्जन लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया है, जिनमें दो बिल्डर और जमीन कारोबारी भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक हिरासत में लिए गए संदिग्धों में रांची के पुंदाग क्षेत्र से जुड़े दो बिल्डर और जमीन कारोबारी शामिल हैं। पुलिस की कई टीमें इस मामले के उद्भेदन में जुटी हुई हैं और हिरासत में लिए गए लोगों से लगातार पूछताछ की जा रही है। हालांकि, फिलहाल पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है। इस बीच, पुलिस की एक टीम आसपास के जिलों में शूटरों की तलाश में भी भेजी गई है, ताकि हमले में शामिल अपराधियों तक पहुंचा जा सके।

20वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट-2025 के समापन समारोह में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री

चुनौती के इस दौर में पुलिस को दक्ष होना जरूरी : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज जैप-1 ग्राउंड डोरंडा रांची में आयोजित 20वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट- 2025 के समापन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस विभाग किसी भी राज्य का रीढ़ होती है। पुलिस विभाग की जिम्मेवारी वर्तमान समय में चुनौतियों से भरा है। राज्य में जैसे-जैसे विकास के आयाम आगे बढ़ते हैं पुलिस की चुनौतियां भी बढ़ती चली जाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तकनीकी युग में हमारे पुलिस के जवान किस प्रकार अधिक से अधिक दक्षता हासिल करें यह अत्यंत जरूरी है। आज हमारी सरकार राज्य के पुलिस महकमें को ज्यादा से ज्यादा दक्ष बनाने की जिम्मेदारी को पूरा करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं उन सभी प्रतिभागियों एवं टीमों को बधाई देता हूं जिन्होंने इस प्रतियोगिता में अपने-अपने क्षेत्र में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए हैं। साथ ही उन्हें भी मेरी हार्दिक बधाई जिन्होंने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में भाग लेकर ईमानदारी पूर्वक प्रयास करना सबसे बड़ी बात है, इसके अतिरिक्त तीन उत्कृष्ट अनुसंधानकर्ताओं को भी पुरस्कृत किया गया है उन्हें भी मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि 20वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट-2025 के प्रतिभागियों से अपेक्षा है कि प्रतियोगिता में भाग लेकर आपने जो भी ज्ञानार्जन किया है, उसका प्रयोग अपने-अपने कार्यक्षेत्र में जाकर करेंगे। साथ ही मुझे उन चयनित प्रतिभागियों से पूर्ण आशा है कि वे अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025 में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेकर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड प्रदेश को गौरवान्वित करेंगे। इस अवसर पर डीजीपी अनुराग गुप्ता, अपर पुलिस महानिदेशक एऽसीऽबीऽ प्रिया दुबे, पुलिस महानिरीक्षक अपराध अनुसंधान मनोज कौशिक, पुलिस विभाग के वरीय एवं कनीय पदाधिकारीगण सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

छठ पर 25 से अधिक घाटों पर निगम लगा रहा हाई मास्ट लाइटें

रांची : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर रांची नगर निगम की तैयारियां जोरों पर हैं। निगम प्रशासन इस बार श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छ माहौल प्रदान करने के लिए विशेष पहल कर रहा है। नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव के निर्देशानुसार शहर के सभी प्रमुख छठ घाटों और तालाबों पर विशेष प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है ताकि संध्या अर्घ्य और प्रातः अर्घ्य के समय श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। रांची नगर निगम द्वारा जेआरईडीए के सहयोग से 25 से अधिक प्रमुख स्थलों पर हाई मास्ट लाइट लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित टाइगर सफारी प्रोजेक्ट का देखा प्रेजेंटेशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में लातेहार जिला में प्रस्तावित टाइगर सफारी प्रोजेक्ट का प्रेजेंटेशन देखा। मौके पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के समक्ष अधिकारियों ने टाइगर सफारी प्रोजेक्ट से संबंधित विस्तृत जानकारी रखी। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि यह प्रोजेक्ट झारखंड का पहला टाइगर सफारी प्रोजेक्ट होगा। लातेहार जिला के पुटुवागढ़ क्षेत्र में इसका निर्माण किया जाना प्रस्तावित है जो पलामू टाइगर रिजर्व से बाहर का क्षेत्र है। इस निमित्त विभाग द्वारा भूमि चिन्हित कर ली गई है। टाइगर सफारी प्रोजेक्ट बेतला नेशनल पार्क के नजदीक क्षेत्र में बनाए जाने की योजना है। टाइगर सफारी प्रोजेक्ट बनने से डाल्टनगंज, बरवाडीह, मंडल डैम क्षेत्र के स्थानीय ग्रामीणों को आजीविका का बेहतर साधन मिलेगा। मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी कि इस प्रोजेक्ट के बनने से पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) क्षेत्र के इको टूरिज्म सर्किट, जो नेतरहाट-बेतला-केचकी से लेकर मंडल डैम तक विस्तारित है, इसके विकास में यह प्रोजेक्ट एक महत्वपूर्ण कड़ी बनेगी। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि टाइगर सफारी परियोजना की स्थापना निर्धारित सभी मानकों का अनुपालन करते हुए की जायेगी। टाइगर सफारी बनने से इस क्षेत्र के समुचित विकास को पूरी संभावना है। इस योजना के विस्तार से टूरिज्म क्षेत्र में पर्यटकों के लिए बाघों और अन्य वन्यजीवों को करीब से देखने का एक आकर्षक और नया मौका होगा। यह झारखंड का पहला टाइगर सफारी होगा, जिसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने टाइगर सफारी प्रोजेक्ट से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी ली तथा अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए। मौके पर मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक कल्पना सोरेन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वाइल्डलाइफ परितोष उपाध्याय, उप निदेशक पलामू टाइगर रिजर्व प्रजेश जेना, कंसल्टेंट अशफाक अहमद सहित अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त ने दीवाली, काली पूजा व छठ की तैयारी को लेकर की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में आने वाले दिवाली, काली पूजा और छठ पर्व की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में एक अहम बैठक हुई। बैठक में नगर निगम, पुलिस, बिजली, जलापूर्ति, स्वास्थ्य, परिवहन, अग्निशमन, आपदा प्रबंधन समेत सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे। उपायुक्त ने कहा कि सभी पर्व शांति और सौहार्द के माहौल में मनाए जाएं। उन्होंने साफ कहा कि छठ घाटों की सुरक्षा, सफाई और रोशनी की व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी।

सुरक्षा व्यवस्था : हर घाट पर पर्याप्त पुलिस बल और महिला पुलिस की तैनाती हो।

सफाई: नगर निगम समय पर सभी घाटों की सफाई, चूना छिड़काव और अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था करे।

स्वास्थ्य सुविधा: हर बड़े घाट पर हेल्थ कैंप और प्राथमिक उपचार केंद्र लगाया जाए।

बिजली-पानी: बिजली विभाग निर्बाध सप्लाई दे और जल विभाग घाटों पर पर्याप्त पानी की व्यवस्था रखे।

ट्रैफिक: ट्रैफिक पुलिस घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर खास यातायात योजना बनाए।

आपदा प्रबंधनः एनडीआरएफ/एसडीआरएफ की टीम को अलर्ट मोड में रखा जाए।

सुरक्षा बैरिकेडिंग: सभी तालाबों और घाटों में सुरक्षित गहराई तक बैरिकेडिंग की जाए।

चेंजिंग रूमः घाटों पर अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए जाएं।

वालंटियरः स्थानीय वालंटियर भी सक्रिय रूप से सहयोग करें।

फोन रिस्पॉन्सः बिजली विभाग के सभी अधिकारी अपने फोन समय पर उठाएं ताकि कोई दिक्कत न हो।

सीसीटीवीः सभी प्रमुख जगहों पर कैमरे लगाए जाएं।

पुलिस पेट्रोलिंगः असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए लगातार पेट्रोलिंग की जाए।

साफ-सफाईः सभी काली पूजा पंडालों और छठ घाटों की सफाई की जाए।

समिति समन्वयः छठ और काली पूजा समितियों के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए ताकि समन्वय बना रहे।

श्री जगन्नाथ हॉस्पिटल में दीपावली के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : दीपावली के पावन अवसर पर श्री जगन्नाथ अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में रंगोली एवं दीया सजावट प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस प्रतियोगिता में अस्पताल के सभी विभागों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी रचनात्मकता व टीम भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था 'सेवा ही परम धर्म' थीम पर बनी रंगोली, जिसे ऑपरेशन थियेटर टीम ने तैयार किया और प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान आईपीडी वार्ड टीम को तथा तृतीय स्थान लैब विभाग को मिला। पुरस्कार वितरण डॉ. वंदना प्रसाद (निदेशक), डॉ. एस. पी. मिश्रा (एम.एस.), डॉ. विनीता वर्मा तथा डॉ. सुरुचि पल्लवी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रशांत कुमार (एच.आर. मैनेजर), ममता कुमार (क्वालिटी एग्जीक्यूटिव), रिया कुजूर (असिस्टेंट आई.सी.एन.) तथा रजनीश प्रजापति का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. वंदना प्रसाद तथा श्री जगन्नाथ अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र की पूरी टीम ने सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और संदेश दिया- दीपावली का असली प्रकाश सेवा, करुणा और मानवता के दीप जलाने में है।

कुड़मी को एसटी नहीं बनने देंगे, आदिवासी समाज ने भरी हुंकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कुड़मी समाज की एसटी मांग के विरोध में शुक्रवार को धुर्वा के प्रभात तारा मैदान में आदिवासी हुंकार रैली का आयोजन हुआ। यह आदिवासी हुंकार रैली आदिवासी बचाओ द्वारा आयोजित था। रैली में 32 जनजातीय समुदाय के लोग पहुंचे। सभी अपने पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। रैली में बंगाल और महाराष्ट्र से भी लोग पहुंचे थे। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि यह रैली आदिवासी अस्मिता की आवाज सरना स्थल से निकलकर आई है। यह राज्य, यह जमीन हमारे पूर्वजों की है, लेकिन आज हमें अपने ही राज्य में अपने हक के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कुड़मी समाज ने कभी खुद को आदिवासी नहीं माना। कुड़मी समाज के नेता राजनीतिक लाभ के लिए एसटी में शामिल होने की मांग कर रहे हैं। यह आदिवासी पहचान पर हमला है। किसी भी कीमत पर इस मांग को स्वीकार नहीं किया जाएगा। आदिवासी नेताओं ने कहा कि यह धरती हमारी है, हक कोई नहीं छीन सकता। राज्य सरकार से कुड़मी को एसटी में सूचीबद्ध नहीं करने की लिखित गारंटी लेनी होगी- लक्खी यादव आदिवासी हुंकार रैली में महाराष्ट्र से अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के अध्यक्ष लक्खी यादव भी पहुंचे थे। सभा को संबोधित किया, कहा कि देश में आरक्षण की राजनीति चल रही है। महाराष्ट्र में बांग्लादेश मूल के बंजारा समुदाय ने एसटी दर्जे की मांग की थी, लेकिन महाराष्ट्र के आदिवासी समुदायों ने जोरदार आंदोलन कर महाराष्ट्र सरकार से बांजारा को एसटी सूची में शामिल न करने का लिखित आश्वासन लिया था। लक्खी यादव ने कहा कि ठीक उसी तरह झारखंड के आदिवासी समाज को भी राज्य सरकार से कुड़मी को एसटी में सूचीबद्ध नहीं करने की लिखित गारंटी लेनी होगी। यह हमारी अस्मिता और अस्तित्व की लड़ाई है। अब संविधान और आरक्षण बचाने की लड़ाई लड़ेंगे। कुड़मी ब्राह्मण वंशज हैं, वे हिंदू हैं। आदिवासियों के हक में दखल देना बंद करो, नहीं तो ऐसा इतिहास लिखा जाएगा जिसे पढ़ना मुश्किल होगा। पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव ने कहा कि कुड़मी आदिवासी नहीं थे और ना ही रहेंगे। उनकी मांग को टीआरआई ने नकारा है। बावजूद इसके जबरदस्ती एसटी की मांग कर रहे है। पूर्व मंत्री देवकुमार धान ने कहा कि आदिवासी समाज के धार्मिक सांस्कृतिक और रैयतों की जमीन लूट बढ़ी है। इसे बचाने के लिए, सभी आदिवासी समाज को एकजुट होकर बचाने की जरूरत है। टीएसी सदस्य नारायण उरांव ने कहा कि पूरखो ने विरासत खड़ा किया है। कुड़मी समाज ने आदिवासी घरों में घुसकर आदिवासी समाज को निकालने का प्रयास कर रहा है। आदिवासी समाज का अपना संस्कृति परंपरा है। पूर्व मंत्री देवकुमार धान ने कहा कि आदिवासी हुंकार रैली के आदिवासियों की जमीन लूट से बचाने की जरूरत है। आदिवासी हुंकार रैली के संयोजक प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज के हक अधिकार को कुड़मी को छीनने का नहीं देंगे। उनकी मांग असंवैधानिक है।

संक्षिप्त खबरें

रामरेखा महोत्सव में शामिल होने के लिए सिमडेगा डीसी कंचन सिंह ने मुख्यमंत्री को दिया निमंत्रण

रांची : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर आगामी 4, 5 और 6 नवंबर को आयोजित होने वाले रामरेखा महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर इसका शुभारंभ करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री से हुई भेंट के दौरान उपायुक्त ने बताया कि रामरेखा धाम, सिमडेगा जिले का एक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाला स्थल है, जहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इस महोत्सव को राज्य स्तर पर विशेष पहचान दिलाई जाए और उनकी उपस्थिति से आयोजन को नई ऊंचाई मिले। महोत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी और आमजन की भागीदारी से जुड़े विविध आयोजन प्रस्तावित हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस पहल की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

सतरंगी लाइट से जगमगाया श्याम मंदिर

रांची : हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शुक्रवार को कार्तिक कृष्ण पक्ष की रंभा एकादशी के अवसर पर मंदिर में भक्तों की लंबी लाइन देखने को मिली। 5:30 बजे की मंगला आरती में नियमित दर्शन करने वाले दर्शनार्थियों के अलावा ग्यारस में आने वाले श्याम भक्तों की भी काफी संख्या में उपस्थित थी। आरती के बाद मंदिर के पर्दे लगाकर बाबा श्याम का अनुपम दिव्य श्रृंगार किया गया। अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में मंदिर के आचार्य ने मिलकर बाबा को कोलकाता बेंगलुरु से मंगाए गए तुलसीदल लाल मुरुगन फूल व्हाइट क्रिस्टमन पीले क्रिस्टमन की मोटी मोटी मालाओं से सजाया। ग्यारस का दिन श्याम भक्तों के लिए विशेष दिन होता है और हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में दिन प्रतिदिन भक्तों की आस्था और मान्यता बढ़ती जा रही है। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में भक्त अपनी अर्जी लेकर अपने आराध्य देव से अपनी अरदास लगाते हैं। एकादशी संकीर्तन का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से प्रारंभ हुआ। पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू कल्पना मारू ने अपने परिवार के साथ बाबा श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित की। अखंड ज्योति में केसरिया पेडा पंचमेवा फल गिरीगोला रबड़ी एवं मगही पान का भोग लगाकर परिवार ने अपनी खुशहाली की प्रार्थना की। संकीर्तन कार्यक्रम गणेश वंदना से प्रारंभ हुआ। मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया ने गणेश वंदना श्याम सुंदर शर्मा ने गुरु वंदना राजेश चौधरी ने हनुमान जी की वंदना प्रवीण अग्रवाल ने भोलेनाथ जी की वंदना सजल अग्रवाल ने रानी सती दादी जी की वंदना एवं बाबा श्याम की वंदना महामंत्री गौरव अग्रवाल ने कि। इसके बाद मंदिर के अन्य श्याम भक्तों ने बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई।

आईसीएआई शाखा ने मनाया दीपावली मिलन समारोह

रांची : दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की रांची शाखा की ओर से शुक्रवार को चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और उनके परिवारजनों के लिए दिवाली मिलन समारोह का आयोजन हर्ष और उत्साह के साथ किया गया। यह आयोजन आपसी सौहार्द, एकता और पारिवारिक सद्भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ में रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया ने कहा कि दिवाली जैसे त्योहार समाज में प्रकाश, सकारात्मकता और एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और संगठनात्मक सहयोग की भावना को बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर रांची शाखा के सचिव सीए भुवनेश ठाकुर, कोषाध्यक्ष सीए विवेक खोवाल, सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन, रांची के अध्यक्ष सीए दिलीप कुमार, कार्यकारिणी सदस्य सीए निशांत मोदी और अन्य वरिष्ठ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एवं उनके परिवारजनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पारिवारिक खेल, संगीत और रंगारंग मनोरंजन का आयोजन किया गया।

एस्कॉर्ट इंटरनेशनल स्कूल में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी, बच्चों में दिखा उत्साह

रांची : भारत माता चौक स्थित एस्कॉर्ट इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न नवाचारी मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी का उद्घाटन स्कूल के प्रिंसिपल शादान आलम, डायरेक्टर कुणाल कश्यप, सचिव अनुज हेंब्रम तथा हिमांशु दुबे द्वारा किया गया। उन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी एक उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं, और यह प्रदर्शनी उनकी कल्पना शक्ति का सुंदर उदाहरण है। कार्यक्रम में अभिभावकों की भी सक्रिय भागीदारी रही। उन्होंने बच्चों के कार्यों को देखकर गर्व और प्रसन्नता व्यक्त की। प्रदर्शनी में प्रस्तुत किए गए मॉडलों में 'विंड ट्री बेस मॉडल' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस मॉडल के माध्यम से घरों में लगे पौधों पर उपकरण लगाकर हवा की शक्ति से बिजली उत्पन्न करने की तकनीक प्रदर्शित की गई। विद्यार्थियों ने बताया कि यह उपकरण वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले महंगे विकल्पों का एक सस्ता और प्रभावी विकल्प हो सकता है। इसके अलावा स्मार्ट इरिगेशन मॉडल, एडिनो ब्लूटूथ डिवाइस से संचालित कार, तथा सेंसर युक्त चश्मा जैसे अन्य मॉडलों को भी खूब सराहा गया।

एक नजर

धनबाद के तीलाटांड में नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

धनबाद: धनबाद में उत्पाद विभाग को दीपावली से पहले एक बड़ी सफलता मिली है। विभाग की टीम ने तेतुलमारी थाना क्षेत्र के तीलाटांड में चल रही अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। सोनारडीह स्थित सुरज महतो नामक व्यक्ति के आवास से भी करीब 50 पेटी नकली शराब जब्त की गई है। उत्पाद विभाग के अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि तीलाटांड और सोनारडीह इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का निर्माण और बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर दोनों जगह छापामारी की गई। छापेमारी के दौरान तीलाटांड स्थित दिनेश टुडू के घर पर संचालित मिनी फैक्ट्री से करीब 800 लीटर कच्चा स्प्रिट, पंचिंग मशीन, नकली रैपर, खाली बोतल, ढक्कन, टंकी सहित कई अन्य सामग्री जब्त की गई। अवैध फैक्ट्री में रॉयल स्टैग, ब्लेंडर्स प्राइड, सिग्नेचर और मैकडॉनल्ड जैसे नामी ब्रांड की नकली शराब तैयार की जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि यह शराब धनबाद के विभिन्न इलाकों में खपाने की योजना थी। जब्त की गई नकली शराब और कच्चे माल का बाजार मूल्य करीब 25 लाख रुपये आंका गया है। उत्पाद विभाग ने बताया कि दीपावली और छठ पर्व को देखते हुए शराब माफियाओं के खिलाफ अभियान तेज किया गया है। इस कार्रवाई से उत्पाद विभाग को बड़ी सफलता मिली है और नकली शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

डकैती में शामिल दो अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह: जिले के बरकट्टा ओपी क्षेत्र में चीताखारो में पिछले दिन ग्राहक सेवा केंद्र संचालक संजय वर्मा के घर डकैती कांड के दो अपराधियों को पुलिस पकड़ने मे सफल रही है। पुलिस को मिली सफलता के बाद एसपी डॉक्टर विमल कुमार और एसडीपीओ धनंजय राम ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार अपराधी गांडेय थाना इलाके के चौरा गांव निवासी कारू कुमार और दहुआटांड गांव निवासी रितेश यादव है। पुलिस ने इनके पास से एक बड़ा एसएलआर वीडियो कैमरा के साथ एक छोटा कैमरा, डकैती में इस्तेमाल किया जाने वाला बाइक और एक मोबाइल बरामद किया है। पूछताछ के दौरान दोनों ने कबूला की उन दोनों के अलावा छह अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया था। इसमें एक बरकट्टा ओपी के ही पंद्रमनिया गांव निवासी मोहित मंडल शामिल है। एसपी ने बताया कि ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक के घर डकैती की घटना को अंजाम देने से पहले तीन अपराधियों ने रेकी कर लिया था। अपराधियों को सूचना दिया गया था कि संजय वर्मा के घर 10 लाख रुपए रखा हुआ है। इसके बाद प्लानिंग कर घटना को अंजाम दिया गया।

जल संसाधन विभाग ने कार्यशाला किया आयोजित

खूंटी: जल संसाधन विभाग की ओर से शुक्रवार को डीआरडीए सभागार में सातवीं लघु सिंचाई गणना, द्वितीय जल निकाय गणना तथा प्रथम स्प्रिंग गणना के सफल संचालन के लिए एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ उप विकास आयुक्त आलोक कुमार ने कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई श्रीकेश शिंकू, सहायक अभियंता रूपांकन डिविजन रांची राजकुमार नोनिया सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से किया। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, जनसेवक, पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवकों को गणना कार्य से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को बताया गया कि ग्राम स्तर तक सर्वेक्षण कर लघु सिंचाई, जल निकाय एवं स्प्रिंग से संबंधित डेटा का संकलन कैसे किया जाएगा।

धनतेरस आज : बर्तन व सराफा दुकानों में बढ़ी रौनक, वाहनों की भी हो रही जबरदस्त बुकिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : धनतेरस को लेकर बोकारो में बर्तन व सराफा बाजार पूरी तरह सज-धज कर तैयार है। दीपावली एवं धनतेरस की धूम से शहर में स्थित तमाम दुकानों में रौनक बढ़ गई है। इस बार कांसा, पीतल, तांबा और स्टेनलेस स्टील के नए व आधुनिक बर्तनों की कई वेरायटी बाजार में लाई गई है। पिछले दो वर्षों से धनतेरस पर पीतल और कांसे के बर्तन की मांग को देखते हुए इस बार भी ऐसे बर्तनों से दुकानों सजी हुई हैं। वहीं, इस तीन परत वाले स्टेनलेस स्टील के बर्तनों की भी मांग देखी जा रही है। क्योंकि ये टिकाऊ और आकर्षक होते हैं। धनतेरस पर पूजा-पाठ के लिए पीतल और कांसे के बर्तनों की भी खूब बिक्री होती है। इस बार सरकार द्वारा जीएसटी दर में कटौती के कारण बर्तनों के दाम पिछले साल की तुलना में कम हो गए हैं। ग्राहकों को कीमत में 10-15% तक की राहत मिल रही है। जिसका फायदा ग्राहक एवं दुकानदार दोनों को ही मिल सकता है।बर्तन कारोबारियों ने बताया कि धनतेरस के मौके पर पारंपरिक धातुओं की खरीदारी शुभ मानी जाती है। इसलिए इस बार पीतल, कांसा और तांबे के बर्तनों की विशेष रेंज स्टॉक में रखी गई है। कारोबारियों भी इस बार बाजार में रौनक से उत्साह देखा जा रहा है। वहीं, सराफा बाजार में सोना-चांदी की बढ़ी हुई कीमत के वाबजूद रौनक देखने को मिल रही है। शुक्रवार को सोना 123250 रुपए प्रति 10 ग्राम (22 केरेट), और चांदी की कीमत 1 लाख 66 हजार 370रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। बीते एक सप्ताह में सोने - चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है।वाबजूद इसके ग्राहकों में उत्साह देखा जा रहा है। धनतेरस के मौके पर लोग चांदी के सिक्कों की भी जमकर खरीददारी करते हैं। चांदी सिक्के की कीमत 1900-2200 तक पहुंच गई है। जबकि इन सिक्कों की कीमत पिछले साल 900 से 1200 तक रही थी। ज्वेलरी दुकानदारों का कहना है कि सोना चांदी की कीमत बढ़ने से मांग कम नहीं हो रही है, लेकिन हल्के जेवरातों की डिमांड अधिक हो रही है। दुकानदार बताते हैं कि धनतेरस को लेकर बुकिंग हो रही है।

धनतेरस पर कार और बाईक के साथ साथ स्कूटी की जबरदस्त बुकिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों की भी है मांग

पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व की शुरूआत 18 अक्टूबर को धनतेरस पर्व के साथ ही शुरू हो जाएगी।

वहीं 20 अक्टूबर को दीपावली मनाया जाएगा। धनतेरस को लेकर शहर के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी दो पहिया इलेक्ट्रिक वाहन की डिमांड इस बार अधिक है। जबकि जीएस टी में आई कमी से इस बार कार की बुकिंग में भी इजाफा हुआ है। बताते हैं कि इस बार धनतेरस पर मारूति की जहां लगभग 150 से से अधिक कार वहीं टाटा मोटर्स और हुंडई सहित किया व हॉडा और टोयटा की 700 से अधिक कारों की बुकिंग हो चुकी है।

डीएवी सेक्टर-4 में रंगोली निर्माण प्रतियोगिता के साथ रोशनी पर्व का स्वागत-सत्कार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं की विपुल विरासत को संजोना एवं संवर्धित करना डीएवी विद्यालयों की विशेषताएं है। आज डीएवी सेक्टर-4 में अंतरसदनीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी इसी परंपरा की ओर एक और प्रखर कदम है। अंतरसदनीय रंगोली निर्माण प्रतियोगिता में वर्ग नवम एवं दशम के विद्यार्थियों ने भाग लिया। दयानंद, विवेकानंद विरजानंद और श्रद्धानंद हर हाउस से 10 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में सहभागिता की। रंगोली निर्माण हेतु फूलों की पंखुड़ियां ,दालों ,अनाजों, रंगोली निर्माण हेतु प्रयुक्त पारंपरिक सामग्री, आटा, चॉक पाउडर, रंगीन बालू, शॉ डस्ट आदि सामग्रियों का उपयोग किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी पूरी रचनात्मकता, कला कौशल, कल्पनाशीलता और समूह समन्वयता का प्रदर्शन करते हुए पूरे उत्साह ,जोश, खुशी और जुनून के साथ रंग-बिरंगे, शानदार, सुंदर और आकर्षक रंगोली तैयार किए जिसे देखकर सहज विश्वास नहीं होता की इन बच्चों में इतनी विलक्षण प्रतिभा,रंग संयोजन ,कौशल और सृजनशीलता समाहित है जो रंगोली के माध्यम से परिलक्षित हो रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्रा ने कहा कि बच्चों में क्षमताओं का भंडार होता हैं जो उन्हें स्वयं मालूम नहीं होता है।

ओएनजीसी ने झारखंड में प्रकृतिक गैस की खोज और उत्पादन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है : नायर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ओएनजीसी के परिसंपति प्रबंधक उन्नीकृष्ण नायर ने गुरूवार को देर शाम सेक्टर वन स्थित हंस मंडप में आयोजित मीडिया मीट को संबोधित करते हुए कहा। कहा कि पिछले 28 वर्षों में ओएनजीसी ने झारखंड में प्रकृतिक गैस की खोज और उत्पादन के क्षेत्र में लगातार प्रयास किये हैं। बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड से गैस का उद्पादन कर पूर्जे बिंगा पाइपलाइन के माध्यम से बिक्री प्रारंभ किया गया है। इस परियोजना से अब तक लगभग 260 करोड़ का राजस्व अर्जित किया चुका है जिसमें 13.5 करोड़ रूपए की राजस्व झारखंड सरकार को दिया जा चुका है जो राज्य के लोगों के विकास के लिए उपयोग की जाएगी। इसके अतिरिक्त झरिया ब्लॉक और हजारीबाग जिले से भी गैस का कैसकेट बेसिस पर बिक्री प्रारंभ की गई है। विशेष रूप से हजारीबाग से इस वर्ष के शुरूआत से हम अब तक करीब 3.5 करोड का राजस्व प्राप्त हुआ है। जिसमें 25 लाख रॉयल्टी सरकार को दी गई है। आने वाले दो वर्षो में इस यहां का उत्पादन को बढ़ाकर 5 लाख क्यूबिक मीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य है।उन्नीकृष्णन ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में ओएनजीसी ने बोकारो, हाजारीबाग, रामगढ, गुमला और खंटी के साथ रॉची और धनबाद में सीएसआर के तहत कई योजनाओं पर काम किया है। अंत में उन्नीकृष्णन ने मिडिया को धन्यवाद दिया और सभी को दिवाली व छठ की शुभकामनाएं प्रषित की। कार्यक्रम में एके दास-पीआरओ चीफ, आलोक दास -प्रमुख सब सर्फेस टीम, विपिन प्रसाद-भूतल दल प्रमुख, मानस कुमार रॉय-प्रमुख इंजीनियरिंग सर्विसेज, दिलीप कुमार-प्रमुख कूप सेवाएं सहित अन्य उपस्थित रहे।

जलवायु परिवर्तन और आजीविका के नवाचार पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जलवायु परिवर्तन और आजीविका के नवाचार विषय पर एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन सारथी नेटवर्क बोकारो और प्रदान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जैनमोड़ स्थित आर्यन होटल में किया गया। इस गोष्ठी में वक्ताओं ने झारखंड में कोयला आधारित आजीविका से जस्ट ट्रांजिशन न्यायसंगत परिवर्तन की दिशा में पहल और पारंपरिक कृषि में नवाचार के महत्व पर अपने विचार रखे। जस्ट ट्रांजिशन पर सार्थक चर्चा कार्यक्रम में दामोदर बचाओ आंदोलन के गुलाब चंद्र ने बोकारो सहित पूरे झारखंड में कोयला आधारित आजीविका से उत्पन्न सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जस्ट ट्रांजिशन की अवधारणा को समझाते हुए बताया कि यह परिवर्तन केवल ऊर्जा के क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समुदाय, आजीविका और पारिस्थितिकी के संतुलन की प्रक्रिया है। अंजनी कुमार सिन्हा ने पारंपरिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए खेती में नवाचार और पोषण-संतुलित भोजन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषि में नवाचार जलवायु परिवर्तन के दौर में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त कर सकता है। जस्ट ट्रांजिशन जागरूकता यात्रा की जानकारी देते हुए सहयोगिनी संस्था के गौतम सागर ने बताया कि झारखंड में जस्ट ट्रांजिशन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए आगामी 5 से 12 नवंबर तक एक जागरूकता यात्रा आयोजित की जाएगी। यह यात्रा सिद्धू-कान्हू के जन्मस्थल भोगनाडीह से शुरू होकर भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थल उलिहातु तक जाएगी। प्रदान संस्था की नवाचारी पहलें प्रदान संस्था के पीयूषमय और जुबा ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखते हुए आजीविका के क्षेत्र में संस्था द्वारा की जा रही नवाचारी पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिश्रित खेती और पुनजीर्वी खेती को बोकारो जिले के नावाडीह, गोमिया, कसमार, पेटरवार, बेरमो और चास प्रखंडों में जस्ट ट्रांजिशन की दिशा में एक विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है।

चास एसडीओ के साथ बोकारो चैंबर की बैठक, जनसमस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की एक अहम बैठक आज चास अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री प्रांजल ढांडा के कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में बोकारो शहरी क्षेत्र और चास नगर निगम से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई और कई महत्वपूर्ण सुझाव अधिकारीगण के समक्ष रखे गए। चेंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने दीपावली और छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए चास चेक पोस्ट से बाईपास रोड, जोधाडीह मोड़ और आईटीआई मोड़ तक यातायात व्यवस्था को बेहतर और सुचारू बनाने की जरूरत बताई। विशेष तौर पर जोधाडीह मोड़ पर लगने वाले लगातार जाम को जल्दी दूर करने का आग्रह किया गया।संरक्षक संजय बैद ने चास बाजार में उचित पार्किंग स्थल चिन्हित करने और बस पड़ाव को विकसित कर सभी बसों का एक ही जगह से संचालन सुनिश्चित करने की मांग की। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने चास-बोकारो शहरी क्षेत्र में रिंग बस सेवा शुरू करने, सब्जी बाजार को चिन्हित स्थान पर स्थानांतरित करने तथा ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने का प्रस्ताव रखा।इसके अलावा शहरी क्षेत्र में ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगाने, सिटी सेंटर और सेक्टर 5 हटिया में पार्किंग स्थल चिन्हित करने, पार्किंग में सीसीटीवी कैमरे एवं डिजिटल टिकटिंग लागू कर शुल्क वसूली प्रारंभ करने के सुझाव दिए गए।भूमि संबंधित मामलों में, चास क्षेत्र की गैर मजरूआ खास जमीन का दाखिल-खारिज शीघ्र शुरू करने, आईटीआई मोड़ से बंगाल बॉर्डर तक फोरलेन सड़क निर्माण एवं जोधाडीह मोड़ से महुदा मोड़ की फोरलेन सड़क में गड्ढों की मरम्मत जल्द कराने की मांग की गई।

ईमानदारी और परिश्रम के दीपों से फैलाएं सफलता का उजियारा : डॉ. गंगवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दीपावली एवं छठ के उपलक्ष्य में डीपीएस बोकारो में शुक्रवार को विशेष एसेंबली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रंग-बिरंगे परिधानों में सजे छात्र-छात्राओं ने मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से प्रकाश-पर्व दीपावली व आस्था के महापर्व छठ की सतरंगी छटा बिखेरी। सीनियर इकाई के लिए विद्यालय के अश्वघोष कला क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत भक्ति गीत - जग का व्यापक अंधकार हर निज प्रकाश भर दो, ज्योतिर्मय कर दो... के सामूहिक गान से हुई। इसके पश्चात कक्षा 9 के विद्यार्थी रतन शालीन ने सुविचार एवं 11वीं की छात्रा अद्रिजा मंत्री ने स्थानीय व देश-विदेश के मुख्य समाचारों से अवगत कराया। 10वीं की अन्वी राय ने छठ की महत्ता बताती एक सुंदर कविता प्रस्तुत कर देश की समृद्ध सांस्कृतिक व पारंपरिक विरासत को रेखांकित किया।

इसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की कड़ी में विद्यार्थियों की टोली ने उग हो सुरुज देव अर्घ्य के बेला भइल दी ना अभय वरदान..., केलवा के पात पर... आदि छठ गीतों के सुमधुर सामूहिक गायन से कार्यक्रम में भक्ति, आस्था और पवित्रता का रस घोल दिया। तदुपरांत विद्यार्थियों ने केसर तिलक लगाओ दिवाली जश्न मनाओ... गीत पर नृत्य से दीपावली की खुशियों को जीवंत कर दिया। इस क्रम में छठ-पूजन सामग्रियों और जगमगाते दीयों की रोशनी की साज-सज्जा ने कार्यक्रम की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए। इधर, विद्यालय की प्राइमरी इकाई में बच्चों ने अपनी मनोरम सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से संस्कृति, कला, भक्ति का अनुपम समन्वयन प्रस्तुत किया। दिवाली और छठ पर सुमधुर गीत से उन्होंने अंधकार पर प्रकाश की विजय को दशार्या और पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने के लिए सूर्य देव के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इसके उपरांत मनमोहक दिवाली नृत्य की प्रस्तुति में भावपूर्ण मुद्राओं से बच्चों ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस क्रम में विद्यालय के गंगा सदन द्वारा तैयार द्वैमासिक बाल समाचार-पत्र डीपीएस बोकारो क्रॉनिकल्स के नए संस्करण का विमोचन भी किया गया। साथ ही, हैप्पीनेस क्लास में बच्चों ने दीपावली से संबंधित आकर्षक कलाकृतियां तैयार कीं और अपने प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार को स्वनिर्मित शुभकामना-पत्र भी भेंट किए। बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए प्राचार्य डॉ. गंगवार ने सभी को दीपावली एवं छठ की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्ञान का प्रकाश फैलाने तथा अपनी परंपरा व संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। कहा कि जिस प्रकार दीए का प्रकाश अंधकार को हर लेता है, उसी तरह ईमानदारी और परिश्रम का दीया सदैव जलाते रहें और सफलता उजियारा फैलाएं।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो में अवैध बालू खनन पर छापेमारी ट्रैक्टर जब्त

बोकारो: उपायुक्त बोकारो के निर्देश पर आज जिले में अवैध खनन के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया। पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के जाला के समीप चलाए गए इस अभियान में अधिकारियों ने अवैध बालू खनन करने वाले एक ट्रैक्टर को रंगे हाथों पकड़ा।अभियान के दौरान पाया गया कि बिना लाइसेंस के बालू का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा था। तत्काल कार्रवाई करते हुए टीम ने ट्रैक्टर को जब्त कर पिंडराजोरा थाने के हवाले कर दिया।इस छापेमारी में खान निरीक्षक सीताराम टुडू, खान निरीक्षक अजय कुमार महतो, पिंडराजोरा थाना प्रभारी और पुलिस बल शामिल रहे।अधिकारियों ने बताया कि अवैध खनन रोकने के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाए जाते रहेंगे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकेंट हॉस्पिटल पर लापरवाही का आरोप, बजरंग सेना प्रदेश अध्यक्ष शशि सम्राट ने की जांच की मांग

बोकारो : पूर्वी झारखंड के सबसे बड़े निजी अस्पतालों में शामिल मेडिकेंट हॉस्पिटल एक बार फिर विवादों में है। हाल में इलाज के दौरान हुई एक आदिवासी महिला की मौत पर परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बजरंग सेना झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह भाजपा युवा नेता शशि सम्राट ने कहा कि मेडिकेंट हॉस्पिटल आधुनिक सुविधाओं और अनुभवी डॉक्टरों की उपलब्धता के दावे के साथ खोला गया था, लेकिन लगातार मरीजों की मौत यह साबित करती है कि अस्पताल इलाज से ज्यादा पैसे उगाही का केंद्र बन गया है।उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर को भी एक महिला की मौत के बाद बवाल हुआ था, लेकिन इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन ने अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं किया। शशि सम्राट ने सवाल उठाया कि जब मरीज की हालत संभालने लायक नहीं होती, तो उसे दूसरे अस्पताल में रेफर क्यों नहीं किया जाता।उन्होंने बोकारो उपायुक्त से मामले की जांच कर अस्पताल प्रबंधन पर उचित कार्रवाई की मांग की है।

डॉ राजेन्द्र प्रसाद स्कूल के प्राचार्य को मिला इमर्जिंग एजुकेटर हीरो अवार्ड

बोकारो : डॉ राजेन्द्र प्रसाद स्कूल सेक्टर 9 रानीपोखर के प्राचार्य मुकेश कुमार को इमर्जिंग एजुकेटर हीरो अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें रांची में आयोजित ईजीएन एजुकेशन लीडरशीप समिति के कार्यक्रम में प्रदान की गई । उन्हें यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य , कुशल नेतृत्व, प्रबंधन ,शैक्षिक विकास में उल्लेखनीय योगदान, अनुशासनप्रिय व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में किए जा रहे कार्यों के लिए दिए गए ' इस कार्यक्रम के पैनल ग्रुप में देशभर से प्रख्यात शिक्षाविद विभिन्न विद्यालयों से लगभग 175 प्राचार्य शामिल हुए। बहुमुखी प्रतिभा के धनी मुकेश कुमार ईमानदार,कर्तव्यनिष्ठ, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, परिश्रमी प्राचार्य है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। पुरस्कार मिलने पर विद्यालय के सभी शिक्षक -शिक्षिकाओं ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा यह सम्मान सिर्फ मेरा ही नहीं बल्कि मेरे विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों की मेहनत व समर्पण, मेरे माता पिता द्वारा दिए संस्कार और आशीर्वाद का परिणाम है। उन्होंने कहा इस सम्मान का मिलना मेरे लिए बड़े ही गौरव की बात है। मौके पर एकेडमिक इंचार्ज बिंदु सिंह व बीणा कुमारी ने उन्हें सम्मानित किया।

सेंट जेवियर्स विद्यालय में कला और शिल्प सह विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

बोकारो : सेक्टर 1/3 स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल, बोकारो स्टील सिटी के परिसर में शुक्रवार दिनांक 17 अक्टूबर को कला और शिल्प सह विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोकारो स्टील प्लांट, सेल के मुख्य महाप्रबंधक श्री कुन्दन कुमार रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज , एस.जे. ने मुख्य अतिथि के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का श्री गणेश किया। साथ-ही विद्यार्थियों ने मधुर प्रार्थना गीत की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने संबोधन में बताया कि यह विद्यार्थियों के दूरदर्शिता एवं सोच को दशार्ता है। फादर अरुण ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति जागरूक करेगा और उनको विज्ञान के प्रति मानसिक तौर पर और सुदृढ़ करने में मदद करेगा। कार्यक्रम का आरंभिक मंच संचालन हर्षित और समृद्धि द्वारा किया गया। यह विज्ञान प्रदर्शनी मिडिल स्कूल, हाई स्कूल एवं प्लस टू के विद्यार्थियों के दूरदर्शिता एवं विज्ञान के प्रति आधुनिक सोच को दशार्ता है। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए भिन्न-भिन्न प्रकार के परियोजनां जैसे आयरा जो कि महिलाओं के मुश्किल दिनों को अनियमिताओं को पता लगने में मदद करता है। 2-डी वेव्स परियोजना जो कि भौतिक विज्ञान से लिया गया विषय है जो आवाज के विशेषताओं को दशार्ता है। जोहार झारखंड को झारखंड के जल, जंगल और जमीन के बारे में मुख्य रूप से आधारित रहा। प्राइमरी के बच्चों ने शिल्प एवं कला प्रदर्शिनी में नाना प्रकार के वस्तुं को प्रदर्शित किया जैसे लकड़ी का जिराफ, बैल गाड़ी, गुड़िया इत्यादि। समापन समारोह के मुख्य अतिथि होली क्रॉस प्राचार्या सिस्टर डॉ० कीर्ति किरण रही। उन्होंने अपने भाषण संबोधन में कहा कि यहाँ बच्चों ने अपने बुद्धिमत्ता और सजगता को अपने-अपने परियोजनाओं के जरिए दशार्या है। आज के परिणाम कुछ इस प्रकार रहे - हिंदी मीडियम में प्रथम स्थान आर्ट & क्राफ्ट , द्वितीय स्थान यातायात के साधन।

एक नजर

1 हजार वोल्ट बिजली के झटके से ड्राइवर घायल

सरिया : सरिया-राजधनवार रोड के नावाडीह के समीप ट्रक से सामान उतारने के क्रम में शुक्रवार की सुबह एक ट्रक का चालक 11 हजार वोल्ट बिजली तार की चपेट में आकर बुरी तरह से घायल हो गया। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार उक्त चालक बिहार के मुजफ्फरपुर से मुर्गी का चारा लोड करके सरिया के नावाडीह आया था। इसी बीच वह गाड़ी सड़क के किनारे खड़ा कर ट्रक के ऊपर चढ़ कर तिरपाल खोल रहा था। इसी बीच गाड़ी के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आकर ट्रक से नीचे गिर गया और चोटिल हो गया .घायल चालक की पहचान पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा निवासी अभिजीत साह के रूप में हुआ .जिसका इलाज स्थानीय स्तर पर किया जा रहा है।

नेतरहाट की वादियों में गूंजा उत्साह सिंगबोंगा मैराथन में युवाओं ने दिखाया जोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : जिले के पर्वतीय अंचल में आज सिंगबोंगा मैराथन दौड़ का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें नेतरहाट की मनमोहक वादियों से आरंभ होकर जतरा ताना भगत स्मारक, चिंगरी तक लगभग 30 किलोमीटर की दूरी तय की गई। यह आयोजन युवा कौशल विकास महोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसमें जिले के सैकड़ों युवाओं और छात्राओं ने भाग लेकर अदम्य साहस, ऊर्जा और एकता का परिचय दिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूनम सिंह, जिला परिषद अध्यक्षा, लातेहार ने की। उन्होंने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि यह मैराथन युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ समाज के निर्माण में उनकी भागीदारी को सशक्त करेगी। आने वाले समय में यही युवा देश के निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाएंगे। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री अशोक भगत, सचिव - विकास भारती बिशुनपुर ने कहा कि सिंगबोंगा मैराथन केवल खेल नहीं, बल्कि यह झारखण्ड की सांस्कृतिक चेतना और अनुशासन का प्रतीक है। यह हमें संघर्ष, सामूहिकता और आत्मनिर्भरता की राह पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे जीवन में लक्ष्य तय कर दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें। नेतरहाट विद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष पाठक ने युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार ने प्राप्त किया, द्वितीय स्थान ऊषा कुमारी और तृतीय स्थान रूपा कुमारी ने हासिल किया। अन्य प्रतिभागियों में ममता कुमारी, देवंती कुमारी, कौशल्या उरांव, फूल कुमारी, रोशनी कुमारी, फूल कुमारी एवं सबनम कुमारी के साथ 378 बालिकाएं सम्मिलित रहीं। वहीं बालक वर्ग में प्रथम स्थान अनुराय उरांव को मिला। द्वितीय स्थान अमर उरांव और तृतीय स्थान रामबिलास पासवान को प्राप्त हुआ। अन्य प्रतिभागियों में सुदर्शन उरांव, बुद्धेश्वर उरांव, सुशील उरांव, अभिनय उरांव, छंदू मुंडा, अनीश उरांव ,अश्विन टेटे के साथ 566 बालक सम्लित रहे। मैराथन के समापन अवसर पर विजेताओं को प्रमाणपत्र, मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में विकास भारती बिशुनपुर के कार्यकताओं, नेतरहाट विद्यालय प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में लातेहार एवं गुमला जिले के ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में पद्मश्री अशोक भगत ने कहा कि सिंगबोंगा मैराथन झारखण्ड की एकता, साहस और सामाजिक जागरूकता का प्रतीक बन चुकी है। यह आयोजन हर वर्ष युवाओं में नई ऊर्जा का संचार करेगा। इस प्रकार नेतरहाट से चिंगरी तक 28 किलोमीटर की सिंगबोंगा मैराथन दौड़ पर्वतीय घाटियों में जयघोष, तिरंगे और उल्लास के बीच सम्पन्न होकर एक ऐतिहासिक आयोजन बन गई, जिसने खेल, समाज और संस्कृति – तीनों क्षेत्रों में नई मिसाल कायम की। साथ ही चिंगरी में युवा संगम में पूरे लातेहार जिले से 100 फुटबॉल टीम के 1500 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

संक्षिप्त खबरें

उत्क्रमित मध्य विद्यालय तलसवार के विद्यार्थियों के बीच रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय तलसवार में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कक्षाओं की विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छात्रों ने पारंपरिक डिजाइनों से लेकर आधुनिक थीम्स तक रंगोली सजाईं। आयोजन का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना था। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं सभी शिक्षकों ने कार्यक्रम में छात्रों को उत्साह को बढ़ाते हुए कहा कि रंगोली केवल कला नहीं, बल्कि भावनाओं के संप्रेषण का प्रतीक है।यह आयोजन आपकी प्रतिभा को निखारने का माध्यम बनेगा। उनके प्रेरक शब्दों ने छात्रों का उत्साह दोगुना कर दिया। उपस्थित सभी शिक्षकों ने छात्रों को रंगोली बनाने की तकनीक सिखाईं और हर चरण पर मार्गदर्शन करते रहें।

कार्यालय उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, राँची
(जिला प्रबंधक, झारखण्ड राज्य खाद्य निगम शाखा)
पंचम तल्ला, कमरा संख्या–504, ब्लॉक–बी,
समाहरणालय भवन, रांची–834001

सूचना

सरकार के संयुक्त सचिव, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड रांची के पत्रांक 2586 दिनांक 24.09.2025 द्वारा प्राप्त निदेश के आलोक में खरीफ विपणन मौसम वर्ष 2025–26 में धान अधिप्राप्ति का कार्य 1 दिसम्बर'2025 से प्रारंभ किया जाना संभावित है। धान अधिप्राप्ति का कार्य प्रारंभ होने के पूर्व अधिप्राप्ति केन्द्रों का चयन एवं राईस मिलरों का निबंधन तथा अधिप्राप्ति केन्द्रों के साथ सम्बद्वता का कार्य आवश्यक है।

उपरोक्त पत्र के आलोक में राँची जिला में अवस्थित सभी राईस मिलरों को राजस्व जिला रांची के अधिप्राप्त धान का मिलिंग कार्य करने हेतु जिला प्रबंधक, झारखण्ड राज्य खाद्य निगम, रांची के कार्यालय (पंचम तल्ला, कमरा संख्या–504, ब्लॉक–बी, समाहरणालय भवन) में विहित प्रपत्र में निबंधन फार्म अपने लेटर हेड में पूर्णतः भरा हुआ दिनांक 30.10.2025 को अपराह्न 03:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

निबंधन हेतु विहित प्रपत्र

▪ राईस मिल का नाम :–	
▪ मिल मालिक का नाम :–	
▪ मिल मालिक का मोबाईल नम्बर एवं ई–मेल आई०डी० :–	
▪ मिलर की मिलिंग क्षमता (मे०टन/घंटा)	
▪ मिलर की भण्डारण क्षमता (मे०टन में)	
▪ भण्डारण क्षमता की भौतिक स्थिति (अच्छा/खराब)	
▪ मिल चालू अवस्था में है। (हाँ/नहीं)	
▪ मिल के मुख्य द्वार पर सी०सी०टी०वी० कैमरा लगा एवं चालू अवस्था में है। (हाँ/नहीं)	
▪ सी०सी०टी०वी० कैमरा में एक माह का विडियो रिकॉर्डिंग का डी०वी०आर० लगा है। (हाँ/नहीं)	
▪ मिल पर कोई बकाया नहीं है। (हाँ/नहीं)	
▪ मिल सी०एम०आर० के रूप में फोर्टिफाईड चावल सुपूर्द करने में सक्षम है अथवा नहीं।	
▪ मिल में ब्लेंडिंग मशीन अधिष्ठापित है अथवा नहीं।	

जिला प्रबंधक,
झारखण्ड राज्य खाद्य निगम,
राँची।

मिल मालिक का हस्ताक्षर एवं स्टॉम्प

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी,
राँची।

PR 364382 (Ranchi)25-26*D

पुल के नीचे बालू का अवैध खनन जारी, पुल को उत्पन्न हो रहा खतरा,खनन विभाग मौन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : लगातार श्याम नगर क्षेत्र में झाबरी राढ़ू पुल के नीचे बहने वाली राढ़ू नदी क्षेत्र से बालू का अवैध उत्खनन और परिवहन हो रहा है। ज्ञात हो कि यह घाट बालू उत्खनन के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है बावजूद इसके बालू के अवैध धंधे से बालू माफिया नदी क्षेत्र की पुल के पीलर से 200 मीटर दूरी सटाकर बालू का उत्खनन कर रहे हैं। पुल के पूर्वी दिशा में पीलर समीप से पांच सौ मीटर के अंदर दायरे तक में बड़े पैमाने पर बालू का उत्खनन किया जा चुका है। परंतु उत्खनन दिन के उजाले में पुल से दिखने के बावजूद खनन विभाग कार्रवाई को लेकर संवेदनहीन बना है। बालू के अवैध कारोबार करने वाले प्रतिदिन शाम से ही प्रतिबंधित घाट से अवैध तरीके से बालू उत्खनन कर सरकार को महीने में लाखों रुपए का चूना लगाया रहा है। साथ ही नदी तल से अत्यधिक बालू के उत्खनन से प्राकृतिक संतुलन पे बुरा असर दिख रहा है। जलीय पौधे का खतरा बढ़ रहा है जिससे जीवों के विलुप्त होने की संभावना बढ़ गई है। मगर इसके रोकथाम की जवाबदेही से प्रशासन को जैसे कोई लेना देना ही नही रह गया है। ऐसे में खनन विभाग की चुप्पी पर अब सवाल खड़ा होने लगा है। नियमानुसार किसी भी नदी के ऊपर बने पुल से पांच सौ मीटर के दायरे तक प्रतिबंधित क्षेत्र निर्धारित है और इस क्षेत्र में बालू उत्खनन पर पूरी तरह से रोक है अगर बालू उत्खनन का कार्य किया जाता है तो यह पूरी तरह से गैर कानूनी है।

ग्रामीणों ने कहा कि घाट का अबकी बार बंदोबस्ती नही किया गया है बावजूद धड़ल्ले से खनन जारी है।

धनतेरस आज,सज गई दुकानें, बाजारों में बढ़ी चहल-पहल

सरिया : धनतेरस तथा दीपावली को लेकर सरिया बाजार की दुकानें सज गई हैं। स्वर्ण आभूषणों की दुकान, बर्तन,कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक समान की दुकानें,लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों की दुकानें सहित बाइक शोरूम की दुकानों को ग्राहकों को लुभाने के लिए आकर्षक ढंग से सजाया गया है। त्योहार को लेकर बाजार में काफी रौनक देखने को मिल रही है .ग्राहकों की भीड़ से चहल-पहल का माहौल बन चुका है। दीपावली पर्व को लेकर मिट्टी से बने भगवान श्री गणेश लक्ष्मी की मूर्तियों की खूब बिक्री हो रही है। वहीं दीपावली को लेकर ग्रामीण क्षेत्र से कपड़े,गहने,बर्तन आदि आवश्यक वस्तुओं को खरीदने के लिए बड़ी संख्या में बाजार पहुंच रहे हैं। लोगों की मानें तो धनतेरस पर बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। बर्तन की दुकानों पर लोग तांबा, पीतल,कांसा, स्टील के बर्तन इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि खरीदते हैं। इस संबंध में एक गृहिणी टुंपा देवी बताती हैं कि आज के समय में लोग इंडक्शन, मिक्सर,कुकर,मोबाइल, कूलर फ्रिज जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिक सामानों की खरीदी ज्यादातर करते हैं।

कुकड़ू साप्ताहिक बाजार में दीपावली की रौनक, खरीदारी को उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के कुकड़ु प्रखंड क्षेत्र के कोल्हान का सबसे बड़ा कुकड़ू सप्ताहिक बाजार में शुक्रवार को दीपावली व धनतेरस को लेकर लोगों ने जमकर खरीदारी किया। मिट्टी के दीया, वर्तन एवं बकरों का दुकानों में काफी भीड़-भाड़ रहा। लोग गोवर्धन पूजा व गौ माता की पूजा के लिए भी सिंदुर एवं रंग बिरंगी रंगों और साजो समानों का खरीदारी किया। काली पूजा को लेकर बकरों का बिक्री पांच हजार से लेकर 15 हजार रुपए तक हुई। सप्ताहिक पशु व कृषि बाजार में अन्य सप्ताह के तुलना में काफी भीड़-भाड़ रहा। बाइक और चार पहिया वाहन रखने का तक जगह कम पड़ रहा था। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि धनतेरस,काली पूजा एवं बांदना पर्व को लेकर मीट्टी का दीया, वर्तन,बांस के टोकरी ,झाड़ू ,सुप एवं पशु धनों के लिए साजो सामान का खरीदारी किया गया। मालूम हो कि कुकड़ू सप्ताहिक पशु व कृषि बाजार में झारखंड के अलावा बंगाल और बिहार के भी पशु व्यवसायिक , कपड़े व्यापारी आदि पहुंचते हैं। दीपावली को लेकर लोगों में खास उत्साह देखा गया।

एसबीयू में फोटोग्राफी कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आज फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में आई-नेक्स्ट समाचार पत्र, रांची के वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट पिंटू दुबे ने विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक जानकारी दी। कार्यशाला में विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान फोटोग्राफी की तकनीकी बारीकियों और कलात्मक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और विद्यार्थियों की जिज्ञासा का समाधान प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही परिसर में एक प्रायोगिक सत्र का भी आयोजन किया गया। सत्र में विद्यार्थियों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्राप्त किया। सरला बिरला विश्वविद्यालय का पत्रकारिता विभाग समय-समय पर इस तरह के सत्र आयोजित करता रहता है ताकी छात्रो को पत्रकारिता से जुड़े विषयों की व्यवहारिक जानकारी मिल सके। पत्रकारिता जगत के कई प्रमुख नाम विश्वविद्यालय के छात्रो का मार्गदर्शन कर चुके है। इस अवसर पर विभाग के डीन अजय कुमार, विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार, डॉ. नंदिनी सिन्हा एवं अजय कुकरेती उपस्थित रहे। शिक्षकगणों ने विषय से संबंधित रचनात्मकता एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों को इस तरह की कार्यशालाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यशाला के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया है।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

ई– अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– **RDSPL/SD/HZB/12/2025-26**

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः

ग्रुप सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	RDSPL/SD/HZB/12/2025-26	सदर	बलिका प्राथमिक विद्यालय, लाखे हजारीबाग में दो अतिरिक्त कमरे का निर्माण एवं उन्नयन कार्य।	9059300.00	181200.00	10000.00	08 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 31.10.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 31.10.2025 से दिनांक 08.11.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –10.11.2025 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430154806
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
हजारीबाग

PR 364389 (Rural Development) 25-26 (D)

पूर्णिमा साहू ने छठ पर्व को लेकर प्रशासन से की पुख्ता तैयारी की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन से आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में शुक्रवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी को पत्र लिखकर स्वर्णरेखा नदी के किनारे स्थित विभिन्न छठ घाटों एवं जलाशयों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा, यातायात और चिकित्सा सुविधाओं को समय पर पूरा करने का आग्रह किया है। पत्र भेजने के पश्चात उन्होंने स्वयं फोन पर उपायुक्त से बातचीत कर इस विषय पर उनका ध्यान आकृष्ट कराया है। विधायक पूर्णिमा साहू ने पत्र में कहा कि छठ पर्व के दौरान पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु और व्रती स्वर्णरेखा नदी के किनारे स्थित घाटों पर एकत्रित होते हैं। ऐसे में घाटों की साफ-सफाई, समतलीकरण, कचरा प्रबंधन और अप्रोच रोड की मरम्मति तत्काल कराई जाए। साथ ही घाटों, पहुंच मार्गों और पार्किंग स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश की निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने श्रद्धालुओं, विशेषकर महिला व्रतियों की सुविधा के लिए शुद्ध पेयजल, चलंत शौचालय और चेंजिंग रूम की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से उन्होंने डेंजर जोन पर विशेष सतर्कता बरतने, भीड़ प्रबंधन हेतु पुलिस बल, महिला सुरक्षा कर्मी, होमगार्ड तथा एनडीआरएफ/एसडीआरएफ के गोताखोरों की तैनाती की मांग की है। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि छठ पर्व के दौरान यातायात को सुगम बनाने के लिए उचित ट्रैफिक एवं पार्किंग प्रबंधन की योजना बनाकर उसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। इसके साथ ही संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रत्येक घाट पर प्राथमिक उपचार केंद्र और एम्बुलेंस की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया गया है। पत्र में पूर्णिमा साहू ने क्षेत्र के प्रमुख छठ घाटों जैसे पांडे घाट ,कल्याण नगर मुर्गा पारा, झरना घाट बाबूडीह, बारा घाट लालभट्ठा, डोंगा घाट बागुनहातु, बिहारी बस्ती घाट, सूखा तालाब घाट, तिलक नगर घाट, जिला स्कूल घाट, भोजपुर कॉलोनी घाट, निराला पथ घाट, सीटू तालाब टेल्को और हुडको डैम छठ घाट पर समुचित तैयारी सुनिश्चित करने की मांग की है। कृत्रिम छठ घाट पर व्यवस्था को लेकर उप नगर आयुक्त को लिखा पत्रः लोक आस्था के महापर्व छठ को ध्यान में रखते हुए विधायक पूर्णिमा साहू ने विधानसभा क्षेत्र में बने कृत्रिम छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के उप नगर आयुक्त को पत्र लिखकर साफ-सफाई, जलापूर्ति, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया है। विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि छठ पर्व के दौरान क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु कृत्रिम घाटों पर पूजा-अर्चना के लिए एकत्रित होते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की आस्था और सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाटों की संपूर्ण साफ-सफाई, जमीनी समतलीकरण और टैंकरों के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ जल की आपूर्ति ससमय सुनिश्चित की जाए।

भू–अर्जन वाद सं०–34/2024–25
झारखण्ड सरकार
राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग
(जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची)

प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम–30/2013 की धारा–11 (1) के अधीन)
''बन्ता–राहे बुण्डू पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य परियोजना''

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है मौजा–बुण्डू, थाना संख्या–28, अंचल–बुण्डू, जिला–राँची में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना **''बन्ता–राहे बुण्डू पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य परियोजना''** हेतु अपेक्षित है, प्रभावित परिवारों के पुर्नवासन एवं पुर्नव्यस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रुप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम/मौजा–बुण्डू, थाना संख्या–28, अंचल–बुण्डू, जिला–राँची में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश कुल रकबा–**1.827** एकड़ भूमि मानक माप का भू–खण्ड, जिसका विस्तृत विवरणी निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है :–

मौजा–बुण्डू

क्र० सं०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	भूमि का वर्गीकरण	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं०) उ०	द०	पू०	प०
01	1123	222	परती कदीम	0.075	–	रास्ता	221	222	224
02	1218	205	परती कदीम	0.033	–	रास्ता	209	204	215
03	1218	215	टाड़ दो	0.038	–	रास्ता	212	205	216
04	1218	216	टाड़ दो	0.021	–	रास्ता	215	215	217
05	1218	217	टाड़ दो	0.040	–	रास्ता	215	216	217
06	1245	134	दोन दो	0.016	–	रास्ता	133	134	172
07	1247	195	टाड़ दो	0.041	–	रास्ता	199	188	203
08	1248	203	टाड़ दो	0.025	–	रास्ता	202	195	204
09	1251	187	टाड़ एक	0.003	–	रास्ता	190	186	188
10	1251	188	टाड़ एक	0.020	–	रास्ता	193	187	195
11	1256	172	दोन तीन	0.062	–	रास्ता	135	134	173
12	1256	186	मकान सहन	0.005	–	रास्ता	185	185	187
13	1265	224	टाड़ दो	0.105	–	रास्ता	225	222	224
14	NA	206	रैयती	0.003	–	रास्ता	209	205	203
15	NA	204	रास्ता	0.883	–	रास्ता	रास्ता	रास्ता	रास्ता
16	NA	223	रास्ता	0.458	–	रास्ता	रास्ता	रास्ता	रास्ता
			कुल	**1.827**					

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुर्नवास और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा–11(1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।
भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथा विनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नही करेगा या ऐसा कोई अंतरण नही करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नही उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60 दिनों) के अन्तर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियाँ हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

ह०/–
उपायुक्त,राँची

PR 364412 (Land Reforms)25-26*D

सुख-समृद्धि का एहसास कराता है धनतेरस

धनतेरस का त्योहार दीपावाली पर्व के प्रारम्भ को दर्शाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने वाला माना जाता है इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदें। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है। धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते हैं। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर, एक दीया तुलसी महारानी के लिए, एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं। धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है। यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मरण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्तानें होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते हैं। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक में रंगोली बनाकर सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाह्न किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है। धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं।

खुशियों की दीपावली : मन का अंधियारा दूर करने का समय

डॉ प्रियंका सौरभ

दीपावली वर्ष का वह पर्व है जो केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के तमस को मिटाकर आत्मिक प्रकाश जगाने का संदेश देता है। यह वह दिन है जब लोग घरों को सजाते हैं, दीपक जलाते हैं, नए वस्त्र पहनते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं। परंतु क्या हमने कभी ठहर कर सोचा है कि असली दीपावली क्या केवल घर की सफाई और रोशनी से पूरी हो जाती है? क्या वास्तव में वह अंधकार, जिसके नाश के लिए यह पर्व मनाया जाता है, केवल दीवारों और आँगन में होता है या हमारे मन और व्यवहार में भी कहीं छिपा है?

आज का समाज बाहरी चमक में इतना उलझ गया है कि भीतर की रोशनी मद्धम पड़ती जा रही है। दीपावली अब अक्सर दिखावे, खर्च और प्रतिस्पर्धा का उत्सव बनती जा रही है। लोग इस दिन अपने घर को हजारों लाइटों से सजा देते हैं, लेकिन अपने मन के कोनों में बसे अंधकार- ईर्ष्या, अहंकार, असंतोष और असहनशीलता को नजरअंदाज कर देते हैं। त्योहार का असली उद्देश्य यही था कि हम अपने भीतर झाँकें, संबंधों को सहेजें और अपने चारों ओर स्नेह की रोशनी फैलाएं। मगर आज यह भावना बाजार और भौतिकता के शोर में खोती जा रही है।

दीपावली केवल लक्ष्मी के आगमन का नहीं बल्कि आत्ममंथन का भी समय है। जब हम घर के हर कोने की धूल झाड़ते हैं, तो दरअसल हमें अपने मन की धूल भी झाड़नी चाहिए- पुरानी शिकायतें, मतभेद, कटुता और तनाव। हर दीपक यह याद दिलाता है कि अंधकार मिटाने के लिए केवल एक दीप ही काफी होता है, बशर्ते वह सच्चे मन से जलाया गया हो। परिवार में एक छोटी सी मुस्कान, एक क्षमा का भाव, एक प्रेमपूर्ण संवाद- यही वे दीप हैं जो रिश्तों के कोनों को रोशन करते हैं।

आज के दौर में यह पर्व मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी बहुत मायने रखता है। तेज भागदौड़, सामाजिक दबाव, कामकाजी तनाव और डिजिटल दुनिया की भागमभाग में इंसान भीतर से खाली होता जा रहा है। त्यौहारों को भी हमने एक 'इवेंट' बना दिया है- फोटोशूट, सोशल मीडिया पोस्ट और महंगे तोहफों की परंपरा ने उसकी आत्मा को कमजोर कर दिया है। हमें यह याद रखना होगा कि दीपावली का आनंद केवल बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि उस मानसिक सुकून में है जो हमें अपनेपन, संवाद और आत्मीयता से मिलता है।

आजकल के बच्चे और युवा पटाखों की चमक में खुशियाँ ढूंढते हैं। लेकिन क्या हमें यह अधिकार है कि अपनी खुशी के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करें? धुएं और शोर से भरी हवा में सांस लेता हर जीव, हर बच्चा और हर बुजुर्ग इस खुशी की कीमत चुका रहा है। असली आनंद तो तब है जब हमारे दीपक किसी को कष्ट न दें। जब हम धरती माँ के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हों जितने अपने घर के प्रति। पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाना अब केवल विकल्प नहीं, जिम्मेदारी बन चुकी है। मिट्टी के दीप, प्राकृतिक रंगों की सजावट और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके भी हम इस पर्व को सुंदर बना सकते हैं – और यह सौंदर्य कृत्रिम रोशनी से कहीं अधिक स्थायी है।

दीपावली के अवसर पर एक और अंधकार मिटाने की आवश्यकता है- वह है अकेलेपन और मानसिक बेचैनी का अंधकार। त्योहार का मौसम बहुतों के लिए उत्सव का होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह यादों और उदासी का समय भी होता है। जिनके अपने दूर हैं, जो किसी प्रिय को खो चुके हैं, या जो आर्थिक और सामाजिक संघर्षों से जूझ रहे हैं- उनके लिए यह रोशनी कई बार चुभन का कारण बनती है। ऐसे में समाज का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के ऐसे लोगों को भी इस रोशनी में शामिल करे।

दीपावली का असली अर्थ तभी पूर्ण होगा जब किसी के घर का अंधकार भी हमारे दीप से दूर हो। हमारे शास्त्र कहते हैं- तमसो मा ज्योतिर्गमय- यानी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाना चाहिए। यह प्रकाश केवल दीपक का नहीं बल्कि ज्ञान, विवेक और करुणा का है। जब मन में करुणा का प्रकाश जलता है, तो वह हजारों दीपकों से अधिक उजाला फैलाता है। दीपावली हमें यही सिखाती है कि जीवन में प्रकाश फैलाना केवल दिए जलाने का नहीं, बल्कि दया, सत्य और प्रेम की राह पर चलने का प्रतीक है।

त्योहारों का मकसद केवल परंपरा निभाना नहीं होता। वे हमें रुककर सोचने का अवसर देते हैं कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। दीपावली हमें याद दिलाती है कि जो प्रकाश बाहर है, वह तभी स्थायी होगा जब भीतर भी उजाला हो। जब हम अपने भीतर के राम को जगाते हैं और रावण रूपी अहंकार, द्वेष और लालच को जलाते हैं, तभी सच्ची दीपावली मनती है।

आज के समय में यह भी जरूरी है कि हम दीपावली को 'समावेशिता का पर्व' बनाएं। समाज में विभाजन की दीवारें, जाति-धर्म के मतभेद, आर्थिक असमानता – ये सब हमारे युग के अंधकार हैं। अगर हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ा सा प्रकाश फैला सके- किसी गरीब को भोजन दे दे, किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करे, किसी बीमार को सहारा दे- तो वही दीपावली सबसे उज्ज्वल होगी। असली लक्ष्मी वही है जो करुणा, दया और सेवा के रूप में घर में प्रवेश करे।

दीपावली व्यापार का भी पर्व मानी जाती है। यह समय होता है जब बाजारों में रौनक रहती है, कारोबारियों की आशाएं बढ़ती हैं। लेकिन व्यापारी समुदाय को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्चा लाभ केवल आर्थिक नहीं, नैतिक भी होता है। ईमानदारी, पारदर्शिता और ग्राहक के प्रति सम्मान ही वह पूंजी है जो लंबे समय तक टिकती है। जब बाजार में विश्वास का दीप जलेगा, तभी समाज समृद्ध होगा।

हमारी संस्कृति में यह भी कहा गया है कि 'दीपावली केवल संपन्नता का नहीं, संयम का भी प्रतीक है।' इसलिए अत्यधिक उपभोग, दिखावा और प्रतिस्पर्धा से बचना ही सच्ची श्रद्धा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि 'थोड़े में भी बहुत' कैसे पाया जा सकता है। जिस घर में प्रेम, संतोष और एकता है, वहाँ हर दिन दीपावली है।

आज जरूरत है कि हम दीपावली को एक आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन के रूप में देखें। हर व्यक्ति अपने जीवन में एक संकल्प लें कि वह किसी न किसी रूप में प्रकाश फैलाएगा। कोई ज्ञान के दीप जलाएगा, कोई सहायता का, कोई प्रेम का। जब हर व्यक्ति एक दीप बनेगा, तो समाज में ऐसा उजाला फैलेगा जिसे कोई अंधकार मिटा नहीं सकेगा।

कभी-कभी यह भी आवश्यक है कि हम इस पर्व को कुछ पल की शांति के साथ मनाएँ। आत्मचिंतन के कुछ क्षण, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना, और अपनी उपलब्धियों व कमियों पर विचार करना भी दीपावली का हिस्सा होना चाहिए। जब हम अपने भीतर के दीप से मार्ग रोशन करते हैं, तो जीवन में दिशा स्पष्ट होती है।

दीपावली का अर्थ केवल 'दीप' नहीं, 'आवली' अर्थात् श्रृंखला भी है। यह श्रृंखला बताती है कि प्रकाश एक से दूसरे तक पहुँचता है। यही मानवता का मूल संदेश है -एक दीप दूसरे को जलाए, एक दिल दूसरे को रोशन करे। तभी यह संसार अंधकार से मुक्त हो सकेगा।

अंततः, इस दीपावली पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि अपने विचारों, व्यवहारों और समाज को भी प्रकाशित करेंगे। शोर और प्रदूषण से दूर, सरलता और स्नेह से भरी दीपावली ही सच्चे अर्थों में 'खुशियों और सुकून की दीपावली' होगी। यही दीपक भारत की संस्कृति का प्रतीक बनेगा- जहाँ रोशनी केवल बिजली से नहीं, बल्कि इंसानियत से फैलती है।

पांच त्यौहारों का पर्व दीपावली, आज धनतेरस से होगी शुरूआत

संजय सक्सेना

अक्टूबर के उतरते हुए दिनों में पूरी सृष्टि मानो दीपों के प्रकाश में निहाल होने की तैयारी में जुट गई है। हर गली, हर मोहल्ला और हर घर का कोना-कोना अब दीपावली की रौनक में सराबोर है। दुकानों में नई साज-सज्जा, मिठाइयों की खुशबू और दीपकों की झिलमिल रोशनी सब मिलकर एक ही संदेश दे रहे हैं कि खुशियों का महापर्व आ रहा है। कल से शुरू हो रहे धनतेरस के साथ 'पांच दिनों का यह पर्व' पूरे देश को उत्सव की लहर में डुबो देगा। दीपावली पर्व की शुरूआत 'धनतेरस' से होती है। यह दिन स्वास्थ्य, समृद्धि और आयु के देवता धन्वंतरि की पूजा को समर्पित है। मान्यता है कि इसी दिन समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इस अवसर पर घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में नए बर्तन, चांदी के सिक्के और सोने के आभूषण खरीदे जाते हैं। धनतेरस व्यापारियों के लिए अत्यंत शुभ दिन माना जाता है, क्योंकि माना जाता है कि इस दिन किया गया कोई भी नया आरंभ दीर्घकालिक सफलता लाता है। शाम को दीप प्रज्ज्वलित कर यमराज की पूजा भी की जाती है, जिसे यमदीपदान कहा जाता है।

नरक चतुर्दशी अंधकार से प्रकाश की ओर

धनतेरस के अगले दिन 'नरक चतुर्दशी' या 'छोटी दीपावली' मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन भगवान कृष्ण ने नरकासुर राक्षस का संहार कर संसार को भयमुक्त किया था। इसी कारण यह दिन बुराई पर अच्छाई की विजय और अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का प्रतीक है।सुबह लोग स्नान कर विशेष तेल का उपयोग करते हैं और मिट्टी के दीपक जलाकर घरों को प्रकाशमय करते हैं। यह दिन सफाई, पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है।

दीपावली प्रकाश का महोत्सव

तीसरा दिन सबसे महत्वपूर्ण है दीपावली यह वह दिन है जब पूरी धरती प्रकाश से नहा उठती है। लोग सुबह से ही देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की तैयारी में जुट जाते हैं। बाजारों में भीड़ उमड़ पड़ती है, हर घर में रंगोली बनती है और दीप जलाए जाते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, अयोध्या वासी इसी दिन श्री राम के चौदह वर्ष के वनवास समाप्त कर अयोध्या लौटने पर दीप प्रज्वलित कर स्वागत करते हैं। इसलिए दीपावली को प्रकाश और आशा का पर्व कहा जाता है।लक्ष्मी पूजन की बेला पर घरों में सुंदर दीप आरती होती है और परिवार एकत्र होकर समृद्धि एवं सौभाग्य की कामना करते हैं। इस दिन धन की देवी लक्ष्मी और विघ्नहर्ता गणेश की पूजा का विशेष महत्व है। मिठाइयाँ बाँटना, उपहार देना और पटाखे चलाना इस पर्व को उमंग व उत्साह से भर देते हैं, हालांकि हाल के वर्षों में पर्यावरणीय जागरूकता के चलते 'ग्रीन दिवाली' का संदेश भी तेजी से फैल रहा है।

गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति आभार

दीपावली के अगले दिन 'गोवर्धन पूजा' या 'अन्नकूट' का उत्सव आता है। यह दिन भगवान कृष्ण के गोवर्धन पर्वत उठाने की कथा से जुड़ा है। कहते हैं, बृज के लोगों ने इंद्र से वर्षा के नियंत्रण के लिए कृष्ण की प्रेरणा पर गोवर्धन पर्वत की पूजा की थी। इस पर नाराज होकर इंद्र ने प्रलयंकारी वर्षा की, तब कृष्ण ने अपनी छोटी ऊंगली पर पूरा पर्वत उठा लिया और गांव वालों को सुरक्षा दी।आज भी लाखों लोग इस दिन पर्वत के प्रतीक के रूप में गोबर से गोवर्धन बनाकर उसकी पूजा करते हैं। मथुरा-वृंदावन सहित उत्तर प्रदेश और बिहार के गाँवों में यह पर्व विशेष उत्साह से मनाया जाता है। इस दिन मंदिरों में 'अन्नकूट प्रसाद' के रूप में सैकड़ों पकवानों का भोग लगाया जाता है।

भाई दूज स्नेह और सुरक्षा का बंधन

पांचवें और अंतिम दिन आता है 'भाई दूज', जिसे बहनें अपने भाइयों के प्रति स्नेह और दीर्घायु की प्रार्थना के रूप में मनाती हैं। यह पर्व रक्षाबंधन की तरह भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है।पौराणिक कथा के अनुसार, इस दिन यमराज अपनी बहन यमी (यमुना) के घर गए थे, जहाँ यमी ने भाई का अभिनंदन कर तिलक किया और दीर्घायु का आशीर्वाद माँगा। तभी से यह परंपरा चली आ रही है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को घर बुलाकर तिलक करती हैं, मिठाई खिलाती हैं और भाई उपहार देकर उनके स्नेह का सम्मान करते हैं। इन पांच दिनों में बाजारों की रौनक देखते ही बनती है। दीपक, रंगोली रंग, मिट्टी से बने गणेश-लक्ष्मी के प्रतिमाएं, सजावटी झालरें, मिठाई और वस्त्र सबकी बिक्री में जबरदस्त वृद्धि होती है। देश के बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक सजे गलियारे, रोशन इमारतें और भीड़भाड़ भरे बाजार इस पर्व की लोकप्रियता को दर्शाते हैं। ऑनलाइन खरीदारी का चलन बढ़ने के बावजूद दुकानों पर ग्राहकों की मौजूदगी यह बताती है कि त्योहारों में लोगों का सामाजिक जुड़ाव आज भी बरकरार है। हर साल बढ़ते प्रदूषण और पटाखों के दुष्प्रभावों को देखते हुए इस बार सरकार और समाज दोनों ही पर्यावरण-संवेदनशील दीपावली की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। कई विद्यालयों और नगर निगमों ने 'नो क्रैकर' अभियान चलाया है। लोग मिट्टी के कुल्हड़, पुनः उपयोग योग्य दीप और फूलों से बनी सजावट को प्राथमिकता दे रहे हैं। धार्मिक परंपरा के साथ स्वच्छता और हरियाली का संदेश जोड़ने की यह पहल आने वाले वर्षों में एक नई परंपरा को जन्म दे रही है।

बहरहाल, दीपावली सिर्फ धार्मिक या सांस्कृतिक पर्व नहीं है, यह एक सामाजिक अवसर भी है, जब लोग आपसी मतभेद भूलकर मेल-मिलाप करते हैं। अनेक संस्थाएं इस अवसर पर गरीबों में वस्त्र और मिठाइयाँ बाँटती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से यह समय रिश्तों को जोड़ने और कृषि कार्यों के बाद विश्राम का प्रतीक होता है। किसान अपने नए फसलों की उपज से माता लक्ष्मी को चढ़ावा चढ़ाते हैं और नए वर्ष की समृद्धि की कामना करते हैं। कुल मिलाकर धनतेरस से भाई दूज तक चलने वाला यह पांच दिवसीय पर्व भारत की सांस्कृतिक गाथा का जीवंत स्वरूप है। इसके हर दिन में कुछ न कुछ नया सीखने, अनुभव करने और मन को शुद्ध करने का अवसर छिपा है। आज जब लोग भागदौड़ भरी जिंदगी में सुकून के पलों की तलाश में हैं, दीपावली का यह पर्व प्रकाश, प्रेम और एकता की वह अनुभूति लाता है जो हर हृदय में आशा का दीप जला देती है।

सूडोकु नवताल- 7586

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी

सूडोकु नवताल -7585 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7
1	2	7	3	5	8	6	4
3	4	9	7	2	6	1	5
2	3	6	1	4	5	9	8

गाजा में हमास की क्रूरता के बीच 'रहम' की अपील का औचित्य क्या है?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इजराइल और गाजा के बीच संघर्ष विराम (सीजफायर) की घोषणा के बावजूद हिंसा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। दुनिया भर में शांति और राहत की अपीलें जारी हैं, पर गाजा से आई एक भयावह घटना ने फिर से पूरी मानवता को झकझोर दिया है। 14 अक्टूबर 2025 का एक वीडियो सामने आया, जिसमें हमास के लड़ाके आठ लोगों को आँखों पर पट्टी बाँधकर, घुटनों के बल बिठाकर गोलियों से भून देते हैं। चारों ओर से मजहबी नारे गूंजते हैं और यह दृश्य किसी भी संवेदनशील और लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखनेवाले व्यक्ति के दिल को हिला देता है।

विडंबना यह है कि यह घटना उसी दिन हुई जब अमेरिका, तुर्की, मिस्त्र और कतर की मध्यस्थता में गाजा के लिए शांति प्रस्ताव पारित किया गया था। सवाल उठता है, जब सीजफायर लागू था, तब यह निर्मम हिंसा क्यों? और क्या 'गाजा के लिए शांति' की अपील करने वालों को यह नहीं देखना चाहिए कि स्वयं गाजा में हमास किस तरह का आतंक फैला रहा है? अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की रिपोर्टें इस बात की पुष्टि करती हैं कि हाल के दिनों में हमास ने अपने ही क्षेत्र के कई लोगों को 'इसराइल से सहयोग' के शक में सार्वजनिक रूप से मौत के घाट उतार दिया। इन लोगों को बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के गोली मार दी गई। न अदालत, न सुनवाई, न बचाव का अधिकार। शवों पर बंधे हाथों और पट्टी बंधी आँखों के निशान यह साबित करते हैं कि यह सब योजनाबद्ध था।

युद्धविराम के बाद जब आम नागरिक राहत की उम्मीद कर रहे थे, तब हमास के हथियारबंद दस्ते सड़कों पर उतरे और अपने विरोधियों या संदिग्धों को पकड़कर सरेआम दंडित करने लगे। यह दहशत का शासन है, जहाँ सवाल उठाना गुनाह और असहमति देशद्रोह बन जाती है। क?या यह सही है? भारत समेत पूरी दुनिया में गाजा के समर्थन में आवाजें उठती हैं। सड़कों पर इंसाफ, इंसानियत के नारे गूंजते हैं, लेकिन जब 'रहम' या 'शांति' की बात की जा रही है, तो हमास जैसे सशस्त्र आतंकी समूह लोगों पर अत्याचार करते, हिंसा करते और उन्हें मौंत के घाट उतारते हुए नजर आ रहे हैं?

इन क्रूरता भरे दृश्यों को देखकर तो यही लग रहा है कि शांति की अपील तभी सार्थक है जब वह न्याय के साथ खड़ी हो। हमास जैसे संगठन, जो अपने ही नागरिकों को घुटनों पर बैठाकर गोली मारते हैं, उनके प्रति 'रहम' की अपील वस्तुतः मानवता के साथ अन्याय है। अंतरराष्ट्रीय कानून विशेष रूप से जिनेवा संधियाँ यह स्पष्ट करती हैं कि किसी भी संघर्ष में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिना मुकदमे के हत्या, सार्वजनिक निष्पादन और यातना सीधे-सीधे युद्ध अपराध की श्रेणी में आते हैं। ऐसे में स्वभाविक तौर पर हमास द्वारा किए गए ये सार्वजनिक निष्पादन अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को इन पर स्वतः संज्ञान लेना चाहिए।

हमास को कुछ लोग 'प्रतिरोध संगठन' कहते हैं, लेकिन उसकी कार्यशैली किसी भी आधुनिक राजनीतिक आंदोलन से अधिक क्रूर और सत्तालोलुप है। उसका ढाँचा इस्लामिक महजब की कट्टर व्याख्या और भय के शासन पर आधारित है। हथियार उसके लिए केवल रक्षा का साधन नहीं, सत्ता का प्रतीक हैं। स्थानीय पत्रकारों की रिपोर्टें बताती हैं कि सीजफायर के बाद भी हमास के लड़ाके गश्त पर हैं और जो कोई भी बाहरी संपर्क या आलोचना की कोशिश करता है, उसे 'देशद्रोही' कहकर गायब कर दिया जाता है।

वस्तुतः आज ये सभी को समझना होगा कि जो संगठन इस?लामिक मजहब के नाम पर आतंक और सार्वजनिक निष्पादन को वैध ठहराते हैं, उन पर रहम नहीं, जवाबदेही आवश्यक है। क्योंकि जब अपराधी 'रहम' को अपनी ढाल बना लेते हैं, तब न्याय का हनन होता है। भारत में गाजा के समर्थन में उठती आवाजें यह दशार्ती हैं कि यहाँ के लोग संवेदनशील हैं और विश्व-मानवता के प्रति सहानुभूति रखते हैं। लेकिन संवेदना और यथार्थ के बीच की रेखा को समझना भी जरूरी है। यदि कोई वास्तव में गाजा के नागरिकों की चिंता करता है, तो उन्हें यह भी कहना चाहिए कि 'हमास को हथियार डालने चाहिए, न्यायिक प्रक्रिया बहाल होनी चाहिए और असहमति का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए।' यही सच्चा मानवीय दृष्टिकोण होगा।

हालांकि सोशल मीडिया के इस दौर में गाजा या इसराइल से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सेकंडों में वायरल हो जाते हैं। पर हर दृश्य सत्य नहीं होता। कई वीडियो पुराने या संपादित होते हैं। इसीलिए हर जानकारी को आँख मूँदकर स्वीकार करना खतरनाक है। तथ्यों की जांच और सत्यापन आवश्यक है। फिर भी, जिन घटनाओं की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने की है, जैसे हमास द्वारा किए गए सार्वजनिक निष्पादन; उन्हें किसी प्रचार से नकारा नहीं जा सकता। जब किसी को घुटनों पर बिठाकर सिर में गोली मारी जाती है और भीड़ मजहबी नारे लगाती है, तो यह सीधे- सीधे इस्लामिक मजहबी हिंसा नजर आती है। यह निर्मम हत्याएं हैं, जिसका कोई औचित्य नहीं।

वास्तव में सोचा जाए तो गाजा का संकट आज युद्ध से कहीं अधिक मानवता के दोहरे मापदंडों का भी दर्पण है। एक ओर दुनिया हिंसा रोकने की अपील करती है, दूसरी ओर वही दुनिया अक्सर उन संगठनों को अनदेखा कर देती है जो मजहब की आड़ में निदोर्षों का खून बहाते हैं। यही कारण है कि आज सवाल यह नहीं कि शांति चाहिए या नहीं; बल्कि यह है कि शांति किसके लिए चाहिए? निर्दोष नागरिकों के लिए या हथियारबंद आतंकी गिरोहों के लिए?

दैनिक पंचांग

18 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

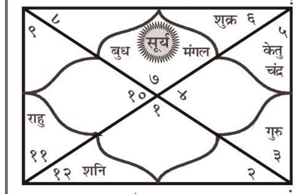

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.59 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृश्चिक	08.14 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.30 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.21 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	15.54 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.25 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.05 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.03 बजे से
		कर्क	23.16 बजे से
		सिंह	01.32 बजे से
		कन्या	03.44 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 291 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 12.20 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 15.42 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 01.48 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 12.20 बजे तदनन्तर गर 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 09° 38' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872501 **जूलियन दिन** 2460966.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 25 **विशेष** धनतेरस, यम दीपम, प्रदोष व्रत, शनि त्रयोदशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पाकुड़ ने फिर रचा इतिहास उपायुक्त को मिला राष्ट्रीय सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : शुक्रवार को पाकुड़ जिले के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है। हमारे अपने उपायुक्त मनीष कुमार को जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'आदिकर्मयोगी अभियान' नेशनल कॉन्क्लेव में माननीय राष्ट्रपति महोदया द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान "Outstanding Performance & Innovative Initiatives in Advancing Inclusive Tribal Development" के साथ 'बेस्ट परफॉर्मेंस जिला' होने का प्रतीक है। यह केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि पाकुड़ की कर्मठ टीम, समर्पित अधिकारियों और सबसे बढ़कर, हमारे जनजातीय बंधुओं के समावेशी विकास के लिए किए गए निस्वार्थ प्रयासों का राष्ट्रीय मंच पर मिला प्रमाण है। यह सम्मान साबित करता है कि सीमित संसाधनों के बावजूद, दृढ़ संकल्प और नवाचार से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। यह उपलब्धि जिले के हर नागरिक के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि न केवल पाकुड़ जिले के लिए, बल्कि पूरे पूरे राज्य के लिए

अत्यंत गर्व का विषय है।

आदि कर्मयोगी अभियान — जनआंदोलन की दिशा में एक सशक्त कदम

आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य जनजातीय समाज में संस्थागत सशक्तिकरण, जनभागीदारी एवं ग्राम स्तर पर सतत विकास को बढ़ावा देना है। इस दिशा में पाकुड़ जिला प्रशासन ने अभियान को केवल एक सरकारी कार्यक्रम न मानते हुए जन से जन तक और घर से घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उपायुक्त के नेतृत्व में इस अभियान को जनजागरूकता, प्रेरणा और सामाजिक नवाचार के माध्यम से एक सामाजिक उत्सव का स्वरूप दिया गया। अभियान को समुदाय से जोड़ने हेतु कई अद्वितीय पहलें की गईं – जैसे आदि रक्तदान दिवस, आदि भोज सह जन्मोत्सव, एवं नन्हे आदि कर्मयोगीह्व कार्यक्रम। इन आयोजनों ने ग्रामीण एवं जनजातीय समुदायों में सहभागिता की भावना को प्रबल किया और अभियान को लोगों की संस्कृति, उत्सव और पहचान से जोड़ने का कार्य किया।

संगठित कार्ययोजना और संस्थागत सशक्तिकरण

पाकुड़ जिले में अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु योजनाबद्ध, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किए गए। डिस्ट्रिक्ट प्रोसेस लैब एवं ब्लॉक प्रोसेस लैब की स्थापना कर प्रशिक्षण की प्रभावी व्यवस्था की गई।स्थानीय अधिकारियों एवं कर्मियों को अभियान की प्रक्रियाओं में दक्ष बनाने हेतु समय पर प्रशिक्षण सम्पन्न कराया गया। ग्राम स्तर पर आदि साथी एवं आदि सहयोगी का चयन कर समुदायिक नेतृत्व को सशक्त बनाया गया। प्रत्येक चयनित आदि ग्राम में आदि सेवा केंद्र स्थापित किए गए, जो संवाद, परामर्श और सहयोग के केंद्र के रूप में कार्य कर रहे हैं। जिले के सभी 400 चयनित आदि ग्रामों में ग्राम सभाओं का आयोजन, नजरी नक्शों का निर्माण एवं विलेज एक्शन प्लान तैयार किए गए, जिससे विकास योजनाएँ ग्राम की जरूरतों के अनुरूप तैयार की जा सकीं। यह पहल यह सुनिश्चित करती है कि विकास की दिशा ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि ग्राम से शासन तक तय हो।

अभियान की पहचान — पारदर्शिता, प्रतिबद्धता और नवाचार

पाकुड़ जिले ने अभियान के अंतर्गत कार्यों की समयबद्धता, पारदर्शिता और गुणवत्ता पर विशेष बल दिया। पोर्टल पर शत-प्रतिशत प्रविष्टियों का कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया गया, जिससे पाकुड़ ने झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश में उदाहरण प्रस्तुत किया। अभियान की जनसुलभ पहचान सुनिश्चित करने हेतु आदि कर्मयोगी किट और टी-शर्ट का शुभारंभ किया गया। इससे प्रत्येक सहभागी में एकता, गर्व और पहचान की भावना उत्पन्न हुई, और सभी ने स्वयं को ह्लआदि कर्मयोगी कहने का गर्व अनुभव किया।

एक नजर

मारपीट करने के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना पुलिस में मारपीट कर घायल करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडे ने बताया कि मामले में दर्ज कांड संख्या 101/25 के प्राथमिकी आरोपी बड़ी कोदरजनना निवासी रामानंद कुमार उर्फ गोलु कुमार को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

तीन तलाक के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : राधानगर थाना पुलिस ने दरगाहडांगा गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए तीन तलाक मामले के प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसे शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के दरगाहडांगा गांव के नजरूल इस्लाम के विरुद्ध तीन तलाक मामले में थाना कांड संख्या 3/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज है। उक्त आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि उक्त आरोपी अपने घर में है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसके घर पर दबिश दी। जिसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। वही शुक्रवार को उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

बरही के अमृतवन फैमिली रेस्टोरेंट में खुला रिलैक्स हेवन स्पाह्व का दूसरा शाखा

बरही : धनबाद रोड, कोनरा, बरही थाना के पास संचालित होटल अमृतवान फैमिली रेस्टोरेंट में रिलैक्स हेवन स्पा के दूसरे शाखा का शुभारंभ किया गया। यह स्पा यसजीत केयर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत संचालित है। पूजा अर्चना के बाद विधिवत शुभारंभ करते हुए एरिया मैनेजर, संजीत कुमार ने बताया कि यहां पर पुरुष एवं महिलाएं दोनों के लिए अलग-अलग अनुभवी थेरेपिस्ट द्वारा फुल बॉडी मसाज, डी-स्ट्रेस थेरेपी, हेड, नेक एंड शोल्डर मसाज, और बॉन एडजस्टमेंट, बोर्न बेबी मदर मसाज जैसी विशेष सेवाएं दी जाएगी । यह स्पा शरीर के दर्द, तनाव, थकान और नींद की कमी जैसी समस्याओं से राहत दिलाने के साथ-साथ मन को शांति और ताजगी देने का एक उत्कृष्ट स्थान है। रिलैक्स हेवन का उद्देश्य है कि बरही और आसपास के लोग भी अब सिटी लेवल का स्पा एक्सपीरियंस अपने ही इलाके में पा सकें।

फायरिंग मामले में पुलिस की कार्रवाई, आरोपित के घर चिपकाया इश्तेहार

धनबाद : बाघमारा थाना क्षेत्र में मंदरा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शंकर बेलदार पर जानलेवा हमला के प्रयास मामले में पुलिस ने निर्णायक कदम उठाते हुए मुख्य आरोपित विश्वजीत चक्रवर्ती उर्फ. विशु के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपित के घर के बाहर कुर्की का इश्तेहार चिपकाकर स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि आरोपित ने न्यायालय में शीघ्र आत्मसमर्पण नहीं किया तो उसकी तमाम संपत्ति जब्त कर ली जाएगी। जानकारी के अनुसार कुछ सप्ताह पूर्व डुमरा स्थित बीसीसीएल क्षेत्रीय कार्यालय के समीप मुखिया प्रतिनिधि शंकर बेलदार पर गोलीबारी की गई थी। इस घटना में मुख्य आरोपी के रूप में विश्वजीत चक्रवर्ती उर्फ.विशु का नाम सामने आया था।

आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण अभियान : डॉ मयंक मुरारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने से परिवार में आय वृद्धि और खुशहाली आती है। इस अभियान के तहत उषा मार्टिन गांवों की युवतियों एवं महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का अभियान चला रही है। अभी तक टाटीसिलवे के इर्द गिर्द के गांवों की 85 से अधिक लोगों को चार रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण से जोड़ा गया है। 25 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को जूट बैग, फोल्डर और कागज का ठोंगा बनाने से जोड़ा गया है। इसके अलावा 20 महिलाएं सोहराई पेंटिंग सीख रही है। अनगड़ा प्रखंड की बेरोजगार युवितयों को बांस के हेडिक्रॉफ्ट बनाने के प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोड़ा गया है। 20 महिलाओं के

समूह को सोहराई पेंटिंग सिखायी जा रही है। एक महिला समूह को मछली पालन से जोड़ा गया है। उषा मार्टिन फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए कई आयामों पर कार्य चल रहा है। हरातू गांव की महिलाओं ने पिछले तीन माह में सोइराई पेंटिंग से 40 हजार की आमदनी की है। इन महिलाओं ने रोशनी स्वयं-सहायता समूह बनायी है। ये समूह अब खुद से पेंटिंग करती है, उसके लिए संसाधन को जुटाती है और उनको बेचती है। इनकी आय को बढ़ाने के लिए उषा मार्टिन फॉउंडेशन की ओर से महिला समूह को ठोंगा निर्माण एवं बिक्री से भी जोड़ा है। अब यह समूह प्रतिदिन कंज्यूमर स्टोर को एक हजार ठोंगा उपलब्ध करायेगी। सुदूर गांव की 15 आदिवासी युवतियों को एकल विद्यालय का शिक्षक बनाया गया है। इन विद्यालयों के माध्यम से वह गांव में शिक्षा का अलख जगाने के साथ जागरण का काम कर रही है। फॉउंडेशन के माध्यम 2024 में तीन सौ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को टेलरिंग, ब्यूटिशियन एवं फैशन डिजाइनिंग, फूड एंड विभरेज, कढ़ाई, कप-प्लेट निर्माण एवं अन्य स्वरोजगार के माध्यम से जोड़ा जा चुका है। इसके अलावा 200 से अधिक महिलाओं को नकदी फसल, मशरूम एवं ग्राफ्टेड सब्जी के व्यवसाय से आमदनी कर रही है।

ईएम ने छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर विभिन्न छठ घाटों का लिया जायजा

बोकारा : शुक्रवार को एसडीओ चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा के निदेर्शानुसार कार्यपालक दंडाधिकारी सत्यबाला सिन्हा ने बी. एस. सिटी क्षेत्र के सेक्टर वन-सी तालाब, सिटी पार्क वन भोज छठ घाट,कैंप टू तिरंगा पार्क छठ घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घाटों पर चल रहे सफाई कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित कर्मियों को समयबद्ध रूप से सभी तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया। कहा कि छठ महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डीसी ने जनता दरबार लगा कर लोगों की सुनी समस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में प्रशासन और जनता के बीच विश्वास का रिश्ता लगातार गहरा होता जा रहा है। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित डीसी-सह-जिला दंडाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार ने एक बार फिर यह साबित किया कि यह पहल अब लोगों की उम्मीदों का केंद्र बन चुकी है। डीसीझ्रसहझ्रजिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में ग्रामीण एवं शहरी नागरिक उपस्थित हुए और अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। भूमि विवाद, पेंशन भुगतान, पेयजल संकट, स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली आपूर्ति, शिक्षा

व्यवस्था सहित विभिन्न विभागीय मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। डीसी ने प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई का निर्देश देते हुए साफ शब्दों में कहा कि - जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है हर नागरिक को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान उपलब्ध कराना। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभागों को अपनी कार्रवाई की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से डीसी कार्यालय को सौंपनी होगी, ताकि मॉनिटरिंग और पारदर्शिता बनी रहे। अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि समस्याओं के निस्तारण में देरी या औपचारिकता स्वीकार्य नहीं होगी। जनता दरबार में जिला नियोजन पदाधिकारी-सह-जन सूचना कोषांग प्रभारी मनोज मनजीत भी उपस्थित रहे। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

चाण्डिल कान्ड्रा मार्ग को अविलंब मरम्मती करने हेतु ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सविनय निवेदन यह हैं कि हम सभी ग्रामीण एवं यातायात करने वालो को धुल का सामना करना पड़ रहा हैं। सड़क की जर्जर हालत से घर से निकालते ही जान हथेली पर लेकर निकले की स्थिति हो गयी हैं। यह भंयकर स्थिति को देखते हुए विषय को गंभीरता से लेते हुए चाण्डिल- कान्ड्रा रोड कि मरम्मती किया जाय। स्थिति दिन ब दिन भयावह होते जा रही और भयानक परिणाम देखने को मिले इससे पहले ही प्रखंड विकास पदाधिकारी को इस विषय पर विशेष ध्यान देकर सड़क की मरम्मती का कार्य प्रारंभ किया जाए एवं इस स्थिति को पैदा करने वाले संबंधित विभाग के पदाधिकारियों पर उचित

कार्रवाई किया जाय। तीन महीना पूर्व ही समाचार पत्र के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुआ था कि चाण्डिल-कान्ड्रा रोक का टेंडर निकाली हैं उसके बाद भी अभी तक सड़क की मरम्मती का कार्य प्रारंभ नही हुआ है। अतः यह सारी समस्याओ को अविलंब समाधान केलिए कार्रवाई किया जाय। अगर सन्तोष पूर्वक कार्रवाई सात दिनों के अंदर नही होती है तो सभी ग्रामीण जनता उग्र आन्दोलन केलिए बाध्य होगे और इसका जवाबदेही संबंधित विभाग के पदाधिकारी होंगे।

मिट्टी के दीयों से रोशन होगी दीपावली पर कुम्हारों की उम्मीदें हो रही धुंधली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : दीपावली पर्व जैसे-जैसे समीप आ रहा है, वैसे-वैसे तैयारियों ने भी रफ्तार पकड़ ली है। साहिबगंज शहर एवं प्रखंडों सहित आसपास के क्षेत्रों में कुम्हार समाज के लोग पारंपरिक मिट्टी के दीये, मटकी, गुल्लक व अन्य बर्तन बनाने में पूरी तन-मन से जुटे हुए हैं। वे आशा करते हैं कि इस वर्ष दीपावली उनके लिए भी रोशनी और खुशियाँ लेकर आएगी। कुम्हार समाज के बबलू पंडित, अमर पंडित और धनेसर पंडित जैसे कारीगरों का मानना है कि मिट्टी के दीपक का धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व होता है। ये दीये पूजा-

पाठ एवं पर्व-त्योहारों में पवित्रता का प्रतीक माने जाते हैं। यह कला उनके पूर्वजों से चली आ रही है और आज भी वे उसी परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। कुम्हारों द्वारा उपयोग में लाया जाने वाला चाक पत्थर के कारीगरों द्वारा बड़ी मेहनत से तैयार किया जाता है, वहीं कुछ लोगों के पास अब विद्युतचालित चाक भी है, जिससे श्रम की बचत होती है। चाक पर अंगुलियों के जादू से दीपक, मटका, करवा, गुल्लक आदि आकार लेते हैं। मुनाफे के बजाय बढ़ रही लागत,मेहनत हो रही बेकार कुम्हारों का कहना है कि एक माह पूर्व से ही वे मिट्टी एकत्र करने, उसे आकार देने, सुखाने और पकाने की प्रक्रिया में जुट जाते हैं। कई बार दीये टूट जाते हैं या खराब हो जाते हैं। फिर भी मेहनत जारी रहती है। एक व्यक्ति एक दिन में लगभग 100 दीये बनाता है, लेकिन इन्हें केवल 2 रुपये प्रति दीया के हिसाब से ही बेच पाता है। ऐसे में उसे दिनभर की मेहनत के बदले केवल 100 रुपये ही मिल पाते हैं, जो बेहद कम है। इस पारंपरिक कुटीर उद्योग को चलाये रखने हेतु कुम्हार समाज को सरकारी सहायता और प्रोत्साहन की सख्त आवश्यकता है। प्लास्टिक और चाइनीज उत्पादों से घट रही मिट्टी के बर्तनों की मांग वर्तमान समय में प्लास्टिक और कांच के सस्ते विकल्पों की अधिकता के कारण मिट्टी के बर्तनों की मांग में भारी गिरावट आयी है। बाजार में चीनी उत्पादों की भरमार और उनकी कम कीमत के चलते लोग पारंपरिक मिट्टी के दीयों की ओर आकर्षित नहीं हो रहे हैं। दीपावली के अवसर पर जहां मिट्टी का दीया दो रुपये में बिक रहा है, वहीं धूपिया 50 रुपये तथा गुल्लक 70 रुपये में बेचे जा रहे हैं। परंतु प्लास्टिक के विकल्पों के सस्ते होने के कारण ग्राहक उन्हीं की ओर रुख कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

बैंक कर्मी के साथ लूट कांड मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बैंक कर्मी लूट कांड के मामले में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसकी जानकारी पुलिस उपाधीक्षक विजय कुशवाहा ने जीरो वाली थाना कार्यालय कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि 10 अक्टूबर 2025 को संध्या 08 बजे करीब जिरवाबाड़ी थाना काण्ड संख्या-191/25 के वादी सह बैंक कर्मी राजेश कर्मकार, पिता स्व कृष्णा कर्मकार, ग्राम फुदकीपुर, थाना-राधानगर, जिला साहिबगंज एवं उनके दोस्त देवराज दास के साथ तीन अपराधकर्मियों द्वारा जिरवाबाड़ी थाना अंतर्गत जलेबिया घाटी के पास मारपीट करते हुए उनके साथ लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह साहेबगंज के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में थाना प्रभारी एवं थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस जवान के साथ एक छापामारी दल का गठन किया गया। जहां 16 अक्टूबर 25 को छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मानवीय एवं तकनिकी साक्ष्यों के आधार पर घटना में संलिप्त एक अपराधी भोला कुमार, उम्र 19 वर्ष, पिता- शिव कुमार सिंह, ग्राम-पुरानी साहिबगंज, कुमरपट्टी को संध्या में गिरफ्तार किया गया है तथा उनकी निशानदेही पर घटना में लुटे गए सामान को बरामद किया गया। कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा दिया गया है। जहां दो अज्ञात अपराधकर्मी के गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है तथा अन्य बिन्दुओं पर अनुसंधान जारी है। छापामारी दल में पुलिस निरीक्षक, नगर प्रभाग, अमित कुमार गुप्ता, थाना प्रभारी शशि सिंह, पुअनि मो. शाहरुख, पुअनि संजय दुबे, पुअनि बमबम यादव, जिरवाबाड़ी थाना, सअनि विक्रम कुमार, सभी जिरवाबाड़ी थाना शामिल थे।

गंगा तट पर मृत गंगा डॉल्फिन मिली, वन विभाग ने कब्जे में लिया शव

साहिबगंज: शुक्रवार को साहिबगंज गंगा तट पर शुक्कर बाजार के निकट एक मृत गंगा डॉल्फि न बहकर किनारे आ गई। यह स्थान उस जगह के पास है जहां बिहार की ओर से गंगा नदी की धारा मिलती है। डॉल्फिन प्रहरी की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुँची और डॉल्फि न के शव को अपने कब्जे में लिया। डॉल्फि न के शरीर पर किसी प्रकार के घाव या चोट के निशान नहीं पाए गए। विभागीय कर्मियों ने बताया कि प्रारंभिक जाँच में किसी बाहरी चोट का संकेत नहीं मिला है। डॉल्फि न की मृत्यु का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।पोस्टमॉर्टम एवं दाह संस्कार की प्रक्रिया वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे, बीडीओ राम सुमन प्रसाद तथा वेटरनरी स्पेशलिस्ट डॉ. शिवेन्द्र प्रताप सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान मौके पर वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे, वनरक्षी पप्पू यादव, सर्प मित्र प्रकाश बाबा, डॉल्फि न वॉचर राजेश चौधरी, संतोष यादव एवं पप्पू शर्मा उपस्थित थे।

एग्री क्लिनिक योजना के अवधि विस्तार को लेकर डीसी ने की समीक्षा बैठक

साहिबगंज: डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ में एग्री क्लिनिक योजना के अवधि विस्तार से संबंधित एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान डीसी ने योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। डीसी ने यह भी निर्देश दिया कि जिले में संचालित एग्री क्लिनिक केंद्रों के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण, परामर्श एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता निरंतर जारी रहे, ताकि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सके। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मिर्जाचौकी थाना में आईआरएडी/ईडीएआर संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज: मिर्जाचौकी थाना में आज आईआरएडी/ईडीएआर पोर्टल से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, त्वरित डाटा प्रबंधन एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ईडीएआर पोर्टल के माध्यम से दुर्घटना पीड़ितों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही यह निर्देश दिया गया कि सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित सभी आंकड़ों का एंट्री आईआरएडी/ईडीएआर पोर्टल पर ससमय एवं ऑन द स्पॉट किया जाए, ताकि डेटा की सटीकता एवं कार्रवाई की गति सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण में एल्कोहल ब्रेथ एनालाइजर मशीन के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की जांच की प्रक्रिया, हिट एंड रन मामलों के प्रबंधन से संबंधित दिशा-निर्देश, तथा (नेक नागरिक) से संबंधित प्रावधानों पर भी विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव, थाना के पुलिस पदाधिकारीगण एवं आईआरएडी मैनेजर मनोज कुमार उपस्थित थे।

यूपी के 28 लाख कर्मचारियों-पेंशनरों को दिवाली का तोहफा

योगी सरकार ने 3 फीसदी महंगाई भत्ता बढ़ाया; एक जुलाई से होगा लागू

उत्तर प्रदेश। दिवाली से पहले यूपी के 28 लाख सरकारी कर्मचारियों को बड़ी खुशखबरी मिली है। योगी सरकार ने कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (DA) और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत (DR) में 3% की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। बढ़ा DA और DR एक जुलाई, 2025 से मिलेगा। राज्य सरकार ने गुरुवार देर शाम इस बाबत आदेश जारी कर दिया है। अब कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 55 फीसदी से बढ़कर 58 फीसदी हो गया है। प्रदेश में 16.35 लाख कर्मचारी और 11.52 लाख पेंशनर्स हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, राज्य सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। महंगाई के प्रभाव से उन्हें राहत पहुंचाना और उनके जीवनस्तर में सुधार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों के प्रति संवेदना और सम्मान का प्रतीक है। इस निर्णय का लाभ सभी कर्मचारियों को मिलेगा, जिनमें सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों के कर्मचारी, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारी, कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी और यूजीसी वेतनमान के कर्मचारी शामिल हैं। सरकार 1960 करोड़ रुपए अधिक खर्च करेगी सीएम योगी ने कहा, बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता एवं राहत का भुगतान अक्टूबर 2025 से नकद रूप में किया जाए। इस निर्णय से मार्च 2026 तक राज्य सरकार पर 1960 करोड़ का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। अक्टूबर, 2025 से नकद भुगतान किए जाने की स्थिति में नवंबर में महंगाई भत्ते पर 161 करोड़ और महंगाई राहत पर 84 करोड़ का बोझ सरकार पर पड़ेगा। जुलाई से सितम्बर, 2025 तक के मंहगाई भत्ता एवं मंहगाई राहत के एरियर के भुगतान पर माह नवम्बर, 2025 में क्रमशः 298 करोड़ एवं 252 करोड़ का अतिरिक्त नकद व्ययभार आएगा। इस प्रकार माह नवम्बर, 2025 में कुल 795 करोड़ का अतिरिक्त नकद व्ययभार आयेगा। ओपीएस से आच्छादित कार्मिकों के जीपीएफ में 185 करोड़ जमा होगा, तत्पश्चात माह दिसम्बर, 2025 से प्रत्येक माह 245 करोड़ का अतिरिक्त व्ययभार आएगा।उत्तर प्रदेश सरकार साल में 2 बार डीए बढ़ाती है। इसकी घोषणा मार्च-अप्रैल में होती है, लेकिन लाभ 1 जनवरी से मिलता है। दूसरी बार डीए बढ़ाने की घोषणा अक्टूबर-नवंबर में होती है, लेकिन लाभ 1 जुलाई से मिलता है। महंगाई से निपटने के लिए दिया जाता है DA महंगाई बढ़ने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों के जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए महंगाई भत्ता यानी, DA दिया जाता है। DA की दरें ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय होती हैं, और यह हर 6 महीने में अपडेट होती है। ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स क्या है? देश में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरा थोक महंगाई। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार साल में 2 बार डीए बढ़ाती है। इसकी घोषणा मार्च-अप्रैल में होती है, लेकिन लाभ 1 जनवरी से मिलता है। दूसरी बार डीए बढ़ाने की घोषणा अक्टूबर-नवंबर में होती है, लेकिन लाभ 1 जुलाई से मिलता है। महंगाई से निपटने के लिए दिया जाता है DA महंगाई बढ़ने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों के जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए महंगाई भत्ता यानी, DA दिया जाता है। DA की दरें ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (AICPI) के आधार पर तय होती हैं, और यह हर 6 महीने में अपडेट होती है। ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स क्या है? देश में दो तरह की महंगाई होती है।

एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरा थोक महंगाई। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं।

अतिथियों की सेवा ही हमारा धर्मः ओमप्रकाश जायसवाल

होटल ओम रीजेंसी के दसवें वर्ष में प्रवेश पर केक काटकर किया गया सेलिब्रेट

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। नगर के गोरखपुर मार्ग पर स्थित होटल ओम रीजेंसी के दसवें वर्ष में गौरवशाली प्रवेश को चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर ओम प्रकाश जायसवाल और मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती शीतल जायसवाल ने सेलिब्रेट किया और केक काटा व सभी अतिथियों, सहयोगियों, शुभ चिंतकों को हृदय से आभार व्यक्त किया। शुक्रवार को होटल ओम रीजेंसी को इस मौके पर प्रकाश, झालरों, फूलों से सजाया गया। संस्थान के कर्म योगियों को उपहार देकर सम्मानित करते हुए सीएमडी श्री जायसवाल ने कहा कि कुशीनगर भगवान बुद्ध की पवित्र निर्वाण स्थली है और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होटल ओम रीजेंसी अतिथियों, पर्यटकों के स्वागत को चौबीसों घंटे तैयार है। कुशीनगर आने वाले अतिथियों की सेवा ही धर्म है। बीते नौ वर्षों में प्रतिष्ठान ने देश विदेश के अतिथियों की पूरी निष्ठा से सेवा की और आगे भी सबका ख्याल रखा जायेगा। इस दौरान श्री जायसवाल के सुपुत्र शुभ जायसवाल, मैनेजर आकाश त्रिभुवन, अन्नू, अखिलेश, सुधीर श्रीवास्तव और स्टाफ मौजूद रहे।

जनता का विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी:मृगांक मणि त्रिपाठी

संवाददाता
कुशीनगर। फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को भाजपा सांसद शशांक मणि त्रिपाठी के अनुज मृगांक मणि त्रिपाठी ने जनसंपर्क अभियान के तहत कई गांवों का दौरा कर न सिर्फ आमजन से संवाद स्थापित किया, बल्कि उनकी जमीनी हकीकतों को भी करीब से जाना। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। लोगों का स्नेह ही मेरी प्रेरणा है और जनसेवा ही मेरे परिवार का संकल्प है। श्री त्रिपाठी ने फाजिलनगर, परसौनी, बड़हरा, लक्षिया, हतवां नकटहां मिश्र, भठहीं एवं सपहां सहित अनेक गांवों में भ्रमण कर विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक प्रतिनिधियों और आम नागरिकों से मुलाकात की। उन्होंने लोगों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। फाजिलनगर में भाजपा नेता बैरिस्टर जायसवाल एवं पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि पशुपतिनाथ जायसवाल, परसौनी में पूर्व ग्राम प्रधान जीरामन गोड़, बड़हरा में प्रेम पांडेय, लक्षिया में महंथ सुभाष चंद्र सिंह, हतवां नकटहां मिश्र में ग्राम प्रधान मनोज पांडेय और भाजपा चौरा मंडल उपाध्यक्ष विनोद पांडेय, भठहीं में सच्चिदानंद शुक्ला तथा सपहां में जयप्रकाश पांडेय और खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां के मंत्री पंकज कुमार पांडेय के आवास पर आमलोगों से भेंट कर उन्होंने जनभावनाएं जानीं।जनसम्पर्क के इस अवसर पर ग्रामीणों ने श्री त्रिपाठी का अंगवस्त्र ओढ़ाकर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान भाजपा के जिला कार्यालय मंत्री एवं पूर्व सांसद लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी के प्रतिनिधि रहे मार्कण्डेय दूबे, मंडल अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह, प्रेम पांडेय, ओमप्रकाश रौनियार, उमेश गुप्ता, दिलीप गुप्ता सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

राग द्वेष से मुक्त होकर विद्यार्थियों को ज्ञान दें शिक्षक: प्रोफेसर विभ्राट चंद कौशिक

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। शिक्षक का पहला कार्य विभिन्न प्रकार के सामाजिक राग द्वेष से मुक्त होकर विद्यार्थियों को ज्ञान देना है। अपने राष्ट्र, समाज और अधिकारों के लिए उनकी मनः स्थिति का निर्माण शिक्षण के प्रमुख आयाम हैं। उक्त बातें बी एड विभाग के अवकाश प्राप्त विभागाध्यक्ष आचार्य प्रो. विभ्राट चंद कौशिक ने कही। वे बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीएड विभाग द्वारा आयोजित विदाई समारोह में बोल रहे थे।
अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विनोद मोहन मिश्र ने कहा कि बीएड विभाग अपनी रचनात्मक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। कौशिक जी का व्यक्तित्व भी बहुत रचनात्मक और विद्यार्थियों का सहयोगी रहा हो गए हैं महाविद्यालय इनके स्नेह को प्राप्त करता रहेगा। विशिष्ट अतिथि प्रो कुमुद त्रिपाठी ने कहा कि जीवन में सामंजस्य को जीवन का मूल सूत्र बनाकर हो सुखी हुआ जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रो विभ्राट का व्यक्तित्व बहुत ही सहज सरल और सहयोग भावना वाला रहा है। राजनीतिज्ञ के रूप में सार्वजनिक जीवन में सक्रिय उपस्थिति के बावजूद आपकी उपस्थिति विद्यार्थियों के लिए सदैव रही है। शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ सौरभ द्विवेदी ने कहा कि संस्थाएं व्यक्तित्वों से बनता है। कार्यक्रम का संचालन बीएड विभागाध्यक्ष डॉ निगम मौर्य ने किया। समारोह में प्रो कौस्तुभ नारायण मिश्र, प्रो गौरव तिवारी, डॉ जितेंद्र मिश्र, डॉ राजेश कुमार जायसवाल, डॉ दुर्ग विजय पाल सिंह, डॉ यज्ञेश नाथ त्रिपाठी, डॉ ज्ञानेश सिंह, डॉ राजीव राय , डॉ आशुतोष तिवारी, डॉ राकेश सोनकर सहित शिक्षक, बीएड के छात्र उपस्थित थे।

कैलफोर्निया में प्रोफेसर पद पर चयनित हुए प्रो उमा शंकर त्रिपाठी

संवाददाता
कुशीनगर। बुद्ध स्नातकोत्तर महा विद्यालय कुशीनगर में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो उमा शंकर त्रिपाठी को अमेरिका के कैलफोर्निया में प्रोफेसर पद पर चयन हुआ है। जिन्हें वेतन और सुविधा कुल तीन करोड़ रुपए का सालाना पैकेज मिला है।
शुक्रवार को महा विद्यालय के प्राचार्य प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र और शिक्षकों ने डॉ त्रिपाठी का माल्यार्पण कर सम्मानित किया और कहा कि प्रो त्रिपाठी का अमेरिका के सन एंटोनियो कालेज ऑफिस ऑफ इंटरनेशनल स्टूडेंट प्रोग्राम, कैलफोर्निया में राजनीति विज्ञान विभाग में चयन पूरे देश को गौरवान्वित करता है। श्री त्रिपाठी ने बताया कि इस पद के लिए पहले नवंबर 24 में इंटरव्यू के बाद 12 दिसंबर 2024 को चयन की सूचना मिली। इसके लिए प्राचार्य प्रो. मिश्रा से तीन मार्च 2025 को सहमति मिल चुकी है। एक अक्टूबर 2025 को अमेरिका के कालेज द्वारा आधिकारिक चयन की पुष्टि, साथ ही मेरा और पत्नी श्रीमती प्रतिमा त्रिपाठी के लिए टिकट और एच वन बी बीजा, अनुमोदन पत्र आदि भेजा गया। कालेज वहां के राज्य सरकार के अधीन संचालित है। मुझे विश्वास नहीं हुआ। तीन नवंबर 2025 को अमेरिका रवाना होंगे। कहा मुझे खुशी है कि मुझे भारत से योग्य पत्र माना गया। प्रथम में यह अवधि तीन वर्ष के लिए है।पैकेज 25 लाख रुपए प्रति माह, सालाना तीन करोड़, हाउस एलाउंस 1 लाख, रहने का पांच लाख, 10 लाख प्रति वर्ष शोध के लिए। श्री त्रिपाठी ने महा विद्यालय में एनसीसी पदभार से भी त्याग पत्र दे दिया। बताया कि दूसरी सूचना है कि बच्ची का चयन कैलफोर्निया में इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में बीते वर्ष बीटेक कंप्यूटर में पारखी त्रिपाठी का चयन हो गया था। उसने वर्ष 2024 में 99.5 प्रतिष्ठा अंक प्राप्त किया था। श्री मिश्रा देवरिया जनपद के ग्राम तेतरी हरदो, पोस्ट पिपरा मिश्र के मूल निवासी हैं और वर्तमान में गोरखपुर में परिवार के साथ रहते हैं। अमेरिका के उक्त कालेज में चयन होने पर प्रो त्रिपाठी को प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र, प्रो ज्ञान प्रकाश मंगलम, प्रो राजेश कुमार सिंह, डॉ जितेन्द्र कुमार मिश्र, डॉ राजेश जायसवाल, डॉ दीपक कुमार, डॉ रामनवल, डॉ आशुतोष तिवारी, डॉ त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, कमलेश प्रसाद,बृजकिशोर दूबे बड़कू, अमित तिवारी आदि ने शुभकामनाएं दी।

भोजपुरी भाषा के उत्थान एवं संवैधानिक दर्जा की मांग

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। भोजपुरी पुनर्जगरण मंच आ एवं बाबू बृजबिहारी सिंह पीजी कॉलेज सहजवलिया, सिकटा कुशीनगर के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार की शाम को राष्ट्रीय संगोष्ठी भोजपुरी भाषा अ माटी,मातृ भाषा क२ सवाल पर राष्ट्रीय संगोष्ठी व भोजपुरी पहरुआ सम्मान और भोजपुरी प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. लारी आजाद द्वारा माँ सरस्वती की चित्र पर माल्यार्पण एवं समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया।इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. राणा प्रताप सिंह, डॉ. सीबी सिंह, मौजूद रहे। संगोष्ठी में भोजपुरी पहरुआ सम्मान से चन्देश्वर शर्मा परवाना, भोजपुरी प्रतिभा सम्मान से डॉ. विनोद सिंह सम्मानित किए गए। इसी क्रम में मुख्य अतिथि श्री आजाद ने मंच से भोजपुरी भाषा के उत्थान एवं संवैधानिक दर्जा देने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि भोजपुरी हमारे देश की अमूल्य धरोहर हैं, इसे संवैधानिक दर्जा मिलना चाहिए। इसके लिए हम निरंतर प्रयास में जुटे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैप्टन वीरेंद्र सिंह व संचालन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बिन्देश्वर मिश्र ने किया।अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्रबंधक देवदत्त सिंह, उप प्रबंधक विष्णु प्रताप सिंह,राजीव श्रीवास्तव, चंदन श्रीवास्तव आदि ने किया । कार्यक्रम में सरस्वती वंदना महाविद्यालय की छात्रा प्रतिभा मिश्र व स्वागत गीत निशा और अल्फिशा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

त्योहार पर बिजली सप्लाई के पुख्ता इंतजाम किये जायें घनश्याम मीणा

संवाददाता
हमीरपुर। (सैय्यद बासित अखतर) कर करेत्तर और राजस्व कार्यों की मासिक बैठक जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की अध्यक्षता में हुई सम्पन्न। बैठक में कर.करेत्तर के मामलों की समीक्षा करते हुए डीएम ने आबकारी, विद्युत,, स्टाम्प, निबंधन, वाणिज्यकर, परिवहन, विद्युत, खनन, नगर निकायों सहित जिम्मेदार अधिकारियों को हिदायत देते हुये कहा कि काम में खास दिलचस्पी लेकर टारगेट के मुताबिक तैय्यारी के साथ जमा करना तय करें। सभी विभाग शासन के तय किये गये टारगेट को पूरा करें, ताकि सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग पर खराब असर न पड़े। वही कर करेत्तर के काम में किसी भी तरह की लापरवाही ना बरती जाय, वरना कार्यवाही होना तय समझा जाय। जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दीपावली के त्यौहार में खोया, की काफी मांग रहती है, जिसमे मिलावट की उम्मीद हो सकती है। इसलिये कड़ी चेकिंग कर मिलावट खोरी करने वालो पर सख्त कार्यवाही करें। बैठक में नगर निकायों को खासतौर पर हिदायत देते हुये कहा कि सभी नगर निकाय त्योहारों पर खास अभियान चलाकर बेहतर तरीके से साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम किये जायें। जबकि बिजली विभाग को बिजली सप्लाई के बेहतर तरीके से पुख्ता इंतिजाम करने की हिदायत दी। इस मौके पर जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के पैंडिंग मामलों की गहराई से समीक्षा कर उनके डिस्पोजल के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एसडीएम राजस्व से जुड़े पैंडिंग मामलों का वख्त पर डिस्पोजल कराना तय करें। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सहित आइजीआरएस से मिली शिकायतों का वख्त पर निपटारा करें। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायत कर्ता को बार-बार कलेक्ट्रेट और तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें, साथ ही असंतुष्ट फीडबैक कम से कम म। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश की रैंकिंग में जिला टॉप 5 में बना रहे, इसलिये सीएम डैशबोर्ड पर किसी तरह की विभागीय पेंडेंसी नहीं रहनी चाहिये। किसान दुर्घटना बीमा योजना के मामले वख्त पर डिस्पोजल किये जायें। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एसडीएम अपने-अपने एरिये के तहत सरकारी जमीन की पहचान कराकर कर उसकी हिफाजत करें, ताकि उस पर अवैध कब्जे न हों। बैठक में एडीएम वित्त,राजस्व विजय शंकर तिवारी, एडीएम न्यायिक रिजवाना शाहिद, एडीएम नमामि गंगे सुरेश कुमार, एसडीएम सदर के डी शर्मा, एसडीएम राठ अभिमन्यु कुमार सहित कर.करेत्तर और राजस्व से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

सड़क दुर्घटना में विश्व हिंदू महासंघ ओबरा नगर सचिव घायल संगठन में खलबली, पदाधिकारी मौके पर पहुंचे

संवाददाता ओबरा, सोनभद्र। विश्व हिंदू महासंघ ओबरा इकाई के नगर सचिव एवं सक्रिय कार्यकर्ता रोहित गुप्ता एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं। दुर्घटना की खबर मिलते ही पूरे विश्व हिंदू महासंघ संगठन में खलबली मच गई। हालांकि, प्रभु के आशीर्वाद से रोहित गुप्ता को गंभीर चोट नहीं आई है और वह बाल-बाल बच गए हैं, लेकिन उनके पैर में चोट लगी है।रोहित गुप्ता विश्व हिंदू महासंघ के एक अत्यंत सक्रिय कार्यकर्ता माने जाते हैं जो हिंदू सनातन धर्म को लेकर लगातार कार्य करते रहते हैं। ऐसे में उनकी दुर्घटना की सूचना ने संगठन के पदाधिकारियों को चिंतित कर दिया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही जिले से लेकर नगर तक के तमाम पदाधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल रोहित गुप्ता से मुलाकात की। उन्होंने रोहित गुप्ता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और उन्हें अपना आशीर्वाद एवं ढाढ़स दिया। मौके पर पहुंचने वाले प्रमुख पदाधिकारियों में शामिल थे। जिला अध्यक्ष विजय कुमार चौबे,जिला संरक्षक ओम प्रकाश सिंह,नगर अध्यक्ष (ओबरा) सर्वेश दुबे ,जिला मीडिया प्रभारी अजीत सिंह, पदाधिकारियों ने रोहित गुप्ता के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके इलाज में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। पदाधिकारियों ने कहा कि रोहित गुप्ता जैसे सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ता का सुरक्षित होना संगठन के लिए राहत की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रोहित गुप्ता जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ होकर फिर से संगठन के कार्यों में सक्रिय होंगे।विश्व हिंदू महासंघ ने दुर्घटना के बावजूद रोहित गुप्ता के साहस की सराहना की है और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

बकाये मजदूरी पर दूसान के अधिकारियो पर सीएमडी की लगी फटकार

संवाददाता
ओबरा (सोनभद्र)। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम के प्रबन्ध निदेशन डा रूपेश कुमार को जैसे ही पता चला कि कोरिया की दूसान कम्पनी के अधीनस्त कार्य कर रहे मजदूरो की मजदूरी कई महीनो से बकाया है आगामी दीपावली के पर्व पर भी उन्हे मजदूरी नही मिली है। इसपर वे आग बबूला हो गये और तत्काल दूसान के अधिकारियो को तलब कर लिया। दीपावली पर किसी भी हाल में भुगतान करने की हिदायत देते हुये जमकर फटकार लगायी। कार्य में सुस्ती पर भी चेतावनी देते हुये कहा कि मार्च तक अगर परियोजना का कार्य पूर्ण नही हुआ तो दुसान के खिलाफ कडी से कडी कार्यवाही की जायेगा।

एमडी ने किया अनपरा तापीय परियोजना दौरा

संवाददाता
अनपरा सोनभद्र । उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम के प्रबंध निदेशक डॉ रूपेश कुमार, निदेशक तकनीकी इं अश्विनी त्रिपाठी तथा निदेशक नव परियोजना, इं एसके दत्ता ने बुधवार देर शाम को अनपरा तापीय परियोजना का दौरा किया। एनसीएल में कोयले से संबंधित मुद्दों पर बैठक लेने के बाद अनपरा तापीय परियोजना का निरीक्षण कर इकाइयों के परिचालन एवं अनुरक्षण का जायजा लिया फिर परियोजना के अधिकारियों में मुख्य महाप्रबंधक इं जेपी कटियार,महाप्रबंधक अ एवं ब इं दूधनाथ,महाप्रबंधक द इं प्रशांत त्रिपाठी,महाप्रबंधक प्रशासन इं निखिल चतुर्वेदी,सीएमओ डॉ एएन बरनवाल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्बाध विद्युत आपूर्ति में आ रही तकनीकी समस्याओं,इकाइयों के वार्षिक अनुरक्षण,सुरक्षा, चिकित्सा इत्यादि मुद्दों पर विस्तृत चर्चा किया तथा दीपावली व छठ पर्व के द्दष्टिगत निर्बाध रूप से विद्युत उत्पादन जारी रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। प्रबंध निदेशक को सीआईएसएफ के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी।वहीं दामिनी अथितिगृह में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति से जुड़े विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने एमडी को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया और इस दौरान प्रतिनिधियों ने उन्हें मांगपत्र देकर विगत मार्च 2023 में सांकेतिक हड़ताल के दौरान निलंबित कार्मिकों के विरुद्ध प्रचलित जांच को जल्द समाप्त कराने,वर्ष 2009 एवं बाद के सहायक अभियंताओं की सीनियरिटी लिस्ट जारी कराने,अधिशासी अभियंता, टेक्नीशियन तथा अन्य सभी संवर्ग के कार्मिकों के रिक्त पड़े पदों के विरुद्ध लंबित प्रमोशन प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने,लंबित समयबद्ध वेतनमान,पाली भत्ता का आदेश जारी करने,हॉस्पिटल में बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के द्दष्टिगत विशेषज्ञ चिकित्सकों में सर्जन,येनेस्थेसिया,कॉर्डियोलॉजिस्ट,गायनो,फिजियोथेरेपिस्ट की भर्ती कराने तथा अल्ट्रासाउंड और प्रोत्साहन भत्ता के साथ सभी भत्तों को पुनरीक्षित करने इत्यादि मांगो पर विस्तृत चर्चा किया। वार्ता मे मुख्य रूप से इं अदालत वर्मा,इं मनोज यादव,अभिषेक सिंह,वीके आनंद,मुकेश जायसवाल,श्याम बिहारी सिंह,महबूबअहमद, सूरज गुप्ता,नीरज जायसवाल,अभय सिंह,विरेंद्र वर्मा,योगेंद्र मिश्रा,राजकुमार यादव,सीलियम मसीह,जितेंद्र जायसवाल,विकाश कन्नौजिया,प्रभाकर सिंह,रविकांत गौंड,इंद्रेश सिंह, अखिलेश कुमार,एल पी शुक्ल,सुनील देव, प्रमोद मिश्र समेत अधिकांश संगठनों के प्रतिनिधि एवं दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

साइकिल से नामांकन करने पहुंचे मंत्री जीवेश मिश्रा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज के नामांकन का आज आखिरी दिन है। सभी पार्टियों के तमाम बचे हुए नेता आज यानी शुक्रवार को नामांकन कर रहे हैं। दरभंगा की जाले सीट से नामांकन करने मंत्री जीवेश मिश्रा साइकिल से पहुंचे। इधर, बेगूसराय में बीजेपी कैंडिडेट कुंदन कुमार ने नॉमिनेशन से पहले रोड शो किया। इसमें महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए। इस दौरान जेसीबी से फूल बरसाए गए। महाराष्ट्र सीएम ने बिहार में एनडीए की सरकार बनने का दावा किया।इधर, अलीनगर से बीजेपी प्रत्याशी लोक गायिका मैथिली ठाकुर नॉमिनेशन करेंगी। मैथिली ने तीन दिनों पहले ही बीजेपी की सदस्यता ली है।वहीं, जदयू से चेतन आनंद भी नवीनगर से नामांकन भरेंगे। राघोपुर से बीजेपी प्रत्याशी सतीश कुमार यादव भी अपना नॉमिनेशन करेंगे। सतीश से के तेजस्वी यादव का टक्कर होगा। लालू यादव के करीबी भोला यादव भी आज नामांकन करेंगे।इसके अलावा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम कुटुंबा, कदवा से कांग्रेस प्रत्याशी शकील अहमद खान समेत बीजेपी के कई मंत्री आज नामांकन करेंगे।भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन में कई राज्य के सीएम, डिप्टी सीएम समेत केंद्रीय मंत्री और सांसद शामिल होंगे। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मंत्री सबानंद सोनोवाल, सांसद अन्नपूर्णा देवी, रवि किशन, मनोज तिवारी शामिल होंगे। जमालपुर विधानसभा सीट से नामांकन करने आईआईपी पार्टी के प्रत्याशी नरेन्द्र कुमार पहुंचे हैं।छपरा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी छोटी किमरी नामांकन को पहुंचीं।मधेपुरा विधानसभा सीट से जदयू प्रत्याशी कविता कुमारी साहा ने शुक्रवार को नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने 4 सेट में नामांकन भरा। मधेपुरा सीट पर जदयू ने पहली बार गैर यादव महिला प्रत्याशी को खड़ा किया है। कविता साहा मधेपुरा नगर परिषद की मुख्य पार्षद हैं।मांझी विधानसभा सीट से जदयू के प्रत्याशी रणधीर सिंह पर्चा भरने पहुंचे। इस दौरान भारी भीड़ जुट गई। रणधीर सिंह बाहुबली पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के बेटे हैं। इस दौरान समर्थक में धक्कामुक्की हुई। जनसुराज से बगावत कर बांकीपुर विधानसभा सीट से रवि नारायण सिंह ने निर्दलीय नामांकन दाखिल किया। उनके साथ जनसुराज के नेता बबन यादव भी मौजूद रहे।गयाजी शहरी सीट से मंत्री और 8 बार के विधायक रहे डॉ. प्रेम कुमार नामांकन करने पहुंचे हैं। नौवीं बार चुनाव लड़ रहे हैं। एमपी के सीएम मोहन यादव नामांकन कार्यक्रम में शामिल हुए।औरंगाबाद सदर विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर दो बार से विधायक रह चुके आनंद शंकर सिंह तीसरी बार नामांकन करने पहुंचे हैं। पैदल ही अपने आवास से समाहरणालय तक पहुंचे। इस दौरान उनके साथ समर्थकों का हुजूम देखने को मिला। बेगूसराय में महाराष्ट्र के सीएम ने कहा, 'बिहार में एनडीए जीतेगी, नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार पर सबका भरोसा है। लोग बहुत बड़ा मैंडेट देने जा रहे हैं। बिहार फिर एनडीए के साथ चलेगा। बिहार में एक ही नारा चल रहा है, बिहार ने पकड़ी है रफ्तार, एनडीए सरकार फिर एक बार। महागठबंधन नहीं महाठगबंधन है, इन्होंने जिंदगी भर ठगा है, कुछ नहीं किया है। यहां से बिहार में एनडीए ही जीतेगी।' बेगूसराय सदर सीट से भाजपा प्रत्याशी कुंदन कुमार नामांकन करने जा रहे हैं। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहुंचे हैं। बीजेपी प्रत्याशी के साथ शहर में रोड शो कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भी मौजूद हैं। नामांकन के बाद शालिनी मिश्रा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार की जनता इस बार भी NDA पर विश्वास जता रही है। मोतिहारी में शुक्रवार को केसरिया विधानसभा क्षेत्र से खउब्र प्रत्याशी शालिनी मिश्रा ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने निवार्ची पदाधिकारी सह DDC प्रदीप कुमार के समक्ष पहुंचकर पर्चा भरा। नामांकन के बाद शालिनी मिश्रा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार की जनता इस बार भी NDA पर विश्वास जता रही है। एकमा से चर्चित नेता मनोरंजन सिंह धूमल नामांकन पत्र दाखिल करने छपरा मुख्यालय पहुंचे हैं।बक्सर के राजपुर सुरक्षित सीट से नामांकन के लिए जदयू के नेता और पूर्व मंत्री संतोष निराला जा रहे हैं। उनके साथ समर्थकों की भीड़ है।मुंगेर विधानसभा से जदयू प्रत्याशी नचिकेता मंडल आज नामांकन कर रहे हैं। नामांकन से पहले 2 किमी लंबा रोड शो कर रहे हैं। जिसमें NDA घटक दल के नेता भी शामिल हैं। जुलूस में एनडीए के कार्यकर्ता ढोल-नगाड़े और निशान यात्रा के साथ चल रहे हैं।

पौआखाली डाकघर में भीड़ से कामकाज हुआ प्रभावित

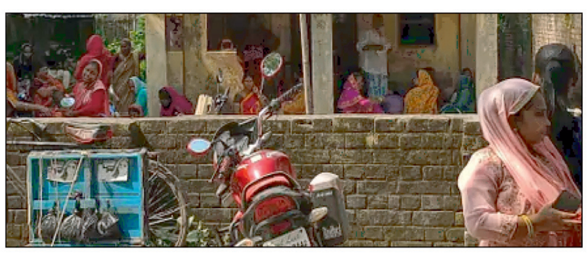

किशनगंज। के पौआखाली डाकघर में आज सुबह से ही भारी भीड़ उमड़ रही है, जिससे पोस्टमास्टर मोहम्मद नाकीब अनवर को नियमित कामकाज में परेशानी हो रही है। इस समस्या को लेकर उन्होंने पौआखाली पुलिस प्रशासन को मौखिक सूचना दी है।पोस्टमास्टर नाकीब अनवर का कहना है कि भीड़ के कारण उन्हें खाताधारकों से बहसबाजी और कभी-कभी हाथापाई जैसी स्थितियों का भी सामना करना पड़ता है। कई लोग सुबह 6 बजे से ही आकर बैठ जाते हैं और शाम तक काम न होने पर निराश होकर लौट जाते हैं।भीड़ का मुख्य कारण यह है कि पौआखाली क्षेत्र के अलावा अन्य डाकघर क्षेत्रों के खाताधारक भी विभिन्न कार्यों के लिए यहां आते हैं। पोस्टमास्टर ने बताया कि कई ग्राहक ऐसे कार्यों के लिए भी आ जाते हैं जो इस डाकघर में नहीं होते, जिससे अनावश्यक भीड़ बढ़ती है। नाकीब अनवर ने पुलिस प्रशासन से सहयोग की उम्मीद जताई है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। उन्होंने सभी ग्राहकों से अपील की है कि वे केवल उन्हीं कार्यों के लिए डाकघर आएं जो यहां उपलब्ध हैं, ताकि उन्हें समय पर सेवा मिल सके और निराशा न हो।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष समेत 20 कार्यकताओं का इस्तीफे का ऐलान

बांका। के अमरपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में जितेंद्र सिंह को टिकट दिए जाने के बाद पार्टी में जोरदार विरोध शुरू हो गया है। गुरुवार की संध्या को कांग्रेस जिला अध्यक्ष कंचन कुमारी सिंह समेत 20 से अधिक कार्यकताओं ने टिकट बंटवारे में पक्षपात और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सामूहिक इस्तीफे ऐलान कर दिया है।

कार्यकताओं का कहना है कि टिकट चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी रही और जमीनी कार्यकताओं की अनदेखी की गई। उनका आरोप है कि पार्टी नेतृत्व ने स्थानीय भावना की उपेक्षा कर बाहरी उम्मीदवार को टिकट देकर समर्पित कार्यकताओं के वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया। इस फैसले से संगठन में गहरा असंतोष फैल गया है।

कांग्रेस के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है बगावत

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले यह बगावत कांग्रेस के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है। अमरपुर सीट पर पहले से ही प्रतिस्पर्धा कड़ी है, ऐसे में अंदरूनी कलह पार्टी की स्थिति को कमजोर कर सकती है।वरिष्ठ नेता मामले को सुलझाने में लगे अगर कांग्रेस नेतृत्व ने समय रहते नाराज नेताओं को मनाने और संवाद स्थापित करने की कोशिश नहीं की, तो यह असंतोष जिले की अन्य सीटों पर भी असर डाल सकता है। फिलहाल, जिला कांग्रेस में मचे घमासान से कार्यकताओं में मायूसी का माहौल है। कांग्रेस दल के वरिष्ठ नेता मामले को सुलझाने में लगे हुए हैं। कांग्रेस जिला अध्यक्ष कंचन कुमारी सिंह ने कहा की टिकट चयन प्रक्रिया में प्रदर्शिता की कमी रही है और जमीनी कार्यकर्ता की अनदेखी की गई है। इसे कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रामायण मंदिर में स्थापित होगा 210 मीट्रिक टन का शिवलिंग

पटना। पूर्वी चंपारण के चकिया में विराट रामायण मंदिर बन रहा है। जिसमें 33 फीट के शिवलिंग को जल्द ही स्थापित किया जाएगा। इस शिवलिंग का निर्माण तमिलनाडु के महाबलीपुरम में हो रहा है। वर्तमान में इस शिवलिंग पर कलाकृति और पॉलिश का अंतिम काम हो रहा है।210 मीट्रिक टन के इस शिवलिंग को महाबलीपुरम से सड़क मार्ग से विराट रामायण मंदिर लाया जाएगा। यह देश में किसी भी मंदिर में स्थापित सबसे बड़ा शिवलिंग माना जा रहा है। अगले साल जनवरी में शिवलिंग स्थापित होने की उम्मीद की जा रही है। विराट रामायण मंदिर का निर्माण महावीर मंदिर न्यास समिति की ओर से कराया जा रहा है। विराट रामायण मंदिर का प्रवेश द्वार, गणेश स्थल, सिंह द्वार, नंदी, शिवलिंग, गर्भ गृह का पाइलिंग का काम पूरा हो चुका है।आकार में यह मंदिर 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। इसमें कुल 18 शिखर और 22 मंदिर होंगे और मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट, चार शिखर की ऊंचाई 180 फीट, एक शिखर की ऊंचाई 135 फीट, आठ शिखर की ऊंचाई 108 फीट और एक शिखर की ऊंचाई 90 फीट होगी। विराट रामायण मंदिर विश्व का सबसे बड़ा मंदिर होगा बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्य सायन कुणाल के मुताबिक मंदिर का निर्माण कार्य निर्धारित समय के तहत जल्द से जल्द पूरा कराया जा सके इसके लिए हर संभव कोशिश की जा रही है। विराट रामायण मंदिर का निर्माण हो जाने पर यह विश्व का सबसे बड़ा मंदिर होगा। जब भी दुनिया में सबसे बड़े मंदिर की चर्चा होगी तो उसमें विश्व के पटल पर बिहार का नाम पहले स्थान पर होगा। बिहार बड़े धार्मिक पर्यटन स्थलों में भी शुमार हो जाएगा। दो साल पहले हुआ था शिलान्यास 20 जून 2023 को शिलान्यास के बाद विराट रामायण मंदिर का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। विराट रामायण मंदिर का निर्माण बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया और चकिया के बीच जानकीनगर में हो रहा है। पटना से इस मंदिर की दूरी लगभग में 120 किलोमीटर है।

किशनगंज में कोचाधामन पुलिस ने नशा तस्करी का बड़ा खुलासा

किशनगंज। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के मद्देनजर किशनगंज के कोचाधामन पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 22.575 किलोग्राम गांजा के साथ दो अंतर जिला तस्करों को गिरफ्तार किया।सघन वाहन जांच अभियान में मिली सफलता पुलिस अधीक्षक किशनगंज के निर्देशन में चलाए जा रहे सघन वाहन जांच अभियान के तहत मिली जानकारी के आधार पर चरघरिया चेक पोस्ट पर दो बसों की तलाशी ली गई। तलाशी में दो व्यक्तियों के पास काले टेप में लिपटे गांजा के पैकेट और दो मोबाइल फोन बरामद हुए।गिरफ्तार तस्करों की पहचानगिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान हरेराम कुमार (25 वर्ष), निवासी टरबा मगरपाल, थाना दरियापुर, सारण और अर्जुन कुमार (21 वर्ष), निवासी पतरघट, थाना पतरघट, सहरसा के रूप में हुई। दोनों के खिलाफ कोचाधामन थाना में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।पुलिस की सतर्कता और चुनावी सुरक्षापुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने बताया कि चुनाव के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के लिए जिले में जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।संदेश और जनता का विश्वासयह कार्रवाई न केवल नशा तस्करों को चेतावनी देती है, बल्कि आम जनता में पुलिस की सक्रियता और सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता को लेकर विश्वास भी जगाती है।

बिहार में योगी ने बुर्के पर क्यों उठाए सवाल

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पटना पहुंचे। उन्होंने दानापुर और सहरसा में दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया। आरजेडी और कांग्रेस उनके निशान पर रहे।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, 1990 से 2005 तक बिहार का जंगलराज और परिवारवाद कौन नहीं जानता है। आपने देखा होगा कि वो कौन लोग थे, जिन्होंने बिहार की आध्यात्मिक ज्ञानभूमि को परिवारवाद और अपराध की भूमि बनाकर हमारे नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था।अपने भाषण के दौरान योगी ने 56 बार राजद और 4 बार लालू यादव का नाम लेकर जंगल राज की याद दिलाई। जबकि 57 बार कांग्रेस का जिक्र कर बुर्का विवाद को हवा दी। वहीं, सीएम नीतीश कुमार का नाम 12 बार पुकारा तो पीएम मोदी का नाम 25 बार लिया।सीएम योगी ने कहा कि, कांग्रेस-राजद को फर्जी वोट डलवाने हैं, इसलिए बुर्का हटाकर चेहरा दिखाने का विरोध किया जा रहा है। इस तरह उन्होंने सीमांचल में हिंदू वोट बैंक एकजुट करने की कोशिश की। यूपी के सीएम ने अपने भाषण में 56 बार राजद का नाम लेकर जंगल राज की याद दिलाई। 57 बार कांग्रेस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि, बिहार की छवि धूमिल करने के लिए राजद और कांग्रेस ने एक सगूफा छोड़ा है। उन्हें विकास नहीं, बुर्का चाहिए, ताकि वे फर्जी वोट डालकर यहां के गरीबों के हकों पर फिर से डकैती डाल सकें। भाजपा के फायर ब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ ने दानापुर और सहरसा में चुनाव प्रचार किया। दानापुर से रामकृपाल यादव और सहरसा से आलोक कुमार रंजन चुनाव लड़ रहे हैं। दोनों जगह उन्होंने भाजपा कैंडिडेट के नॉमिनेशन के बाद रैली की। दानापुर से पूर्व केंद्रीय मंत्री राम कृपाल यादव और सहरसा से आलोक कुमार रंजन चुनावी मैदान में हैं।दानापुर में चुनावी जंग दो यादव नेताओं के बीच है। भाजपा के राम कृपाल यादव को राजद के रीतलाल यादव टक्कर दे रहे हैं। रीतलाल की छवि दबंग की है। उनपर दर्जनों केस दर्ज हैं। जेल आना-जाना लगा रहता है। दानापुर में सीएम योगी ने लालू के जंगल राज पर निशाना साधा। वहीं, सहरसा में बुर्का विवाद पर तीखे बयान देकर हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण की कोशिश की।दानापुर में योगी आदित्यनाथ ने कही ये बड़ी बातें1. योगी ने साधा रीतलाल यादव पर निशाना, लालू राज की दिलाई याद दानापुर में सीएम योगी ने रीतलाल यादव पर निशाना साधते हुए लालू राज की याद दिलाई। आदित्यनाथ ने कहा कि, लालू राज में बिहार का जंगलराज और परिवारवाद कौन नहीं जानता है। आपने देखा होगा कि वो कौन लोग थे, जिन्होंने बिहार की आध्यात्मिक भूमि को अपराध की भूमि बना दिया। योगी ने यूपी मॉडल से गुंडों को निपटाने की बात कही। उन्होंने माफियाओं को बुलडोजर एक्शन का संदेश देते हुए बिहार से गुंडाराज खत्म करने की बात कही। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार का संबंध केवल एक संबंध नहीं है, एक साझी विरासत है। एक आत्मा का संबंध है, एक संस्कृति का संबंध है और एक संकल्प का भी संबंध है। यह संबंध उसी प्रकार से अटूट है, जैसे भगवान राम और मां जानकी का संबंध अटूट है।3. डबल इंजन की सरकार ने बिहार में विकास किया- योगीयोगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बिहार में फिर से स्थापित हो और डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में बिहार की विकास गति तेजी से आगे बढ़ती दिखाई दे। जो काम पिछले 20 साल में नीतीश कुमार के नेतृत्व में NDA की सरकार ने किया है वह गति इसी प्रकार से बनी रहे, इसके लिए अपने बिहार के बहनों-भाइयों का आह्वान करने के लिए आया हूं।'

योगी आदित्यनाथ दानापुर में रैली करने के बाद सहरसा पहुंचे और पटेल मैदान में सभा को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ को बड़ी समझदारी से बिहार बुलाया गया।

संक्षिप्त डायरी

किशनगंज में नवविवाहिता ने की आत्महत्या

किशनगंज। के कुलीकोर्ट थाना क्षेत्र के जामनीगुड़ी गांव में एक विवाहिता ने आत्महत्या कर ली। कुछ महीने पहले मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार निकाह हुआ था। वहीं मृतका का उसी पंचायत के लड़के से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।मृतका की पहचान नूरजहां बेगम (22) के रूप में हुई है, जो जामनीगुड़ी गांव निवासी मोहम्मद मगलू की बेटी थी। सूचना मिलते ही कुलीकोर्ट थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।मृतका युवती का पहले से नसीम के साथ प्रेम प्रसंग था। जिसके बाद परिजनों ने नसीम को समझाया और वो मान गया। परिजनों ने अपने बेटी की निकाह कही और करवा दी। मगर नसीम निकाह के बाद भी युवती से बात करने लगा और उसे शादी का झांसा देने लगा।थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि परिजनों के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने की बात सामने आई है, आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।पंचायत के लड़के से प्रेम-प्रसंग चल रहा था मृतका के चचेरे भाई मोहम्मद जलाल ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि नूरजहां बेगम का निकाह कुछ महीने पहले मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था। उसका उसी पंचायत के एक लड़के से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। जलाल के अनुसार, प्रेमी द्वारा विवाहिता को लगातार मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।मृतका को शादी का झांसा देता रहाउन्होंने बताया कि शादी के बाद भी प्रेमी ने मृतका को शादी का झांसा देता रहा, जबकि वह पहले से विवाहित थी। इस दोहरे व्यवहार से नूरजहां बेगम मानसिक रूप से टूट गई थीं। निकाह के बाद से वह अपने मायके में रह रही थीं और अक्सर उदास रहती थीं। युवक की हरकतों की शिकायत कीपरिजनों ने बताया कि नूरजहां बेगम ने कई बार परिवार वालों से युवक की हरकतों की शिकायत की थी। घरवालों ने सामाजिक मान-सम्मान और रिश्ते की मयार्दा को देखते हुए मामले को सुलझाने का प्रयास किया। लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ और युवक द्वारा लगातार उपेक्षा व प्रताड़ना जारी रहने के कारण,वह अंततः मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या करने के लिए विवश हो गईं। थाना-अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। जांच में उत्पीड़न-धो

बांका में रोड एक्सीडेंट में एक की मौत

बांका। के फुल्ली डूमर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम एक सड़क हादसा हुआ। बांका-बेलहर मुख्य मार्ग पर सलैया गांव के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवार 2 युवकों को टक्कर मार दी। इस घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद परिजनों में मचा कोहराम। मृतक की पहचान मोथाबारी पंचायत के अड़रा गांव निवासी विजय दास (पिता किरण दास) के रूप में हुई है। घायल युवक सिंटू कुमार है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद मायागंज अस्पताल, भागलपुर रेफर किया गया है। घटना के सूचना के बाद घटनास्थल पर पुलिस ने पहुंच कर जांच पड़ताल किया। घायलों को तत्काल बांका सदर अस्पताल पहुंचाया स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल बांका सदर अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां चिकित्सकों ने विजय दास को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक धावावरण गांव में अपनी बहन के घर से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।स्कॉर्पियो ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार घटना के बाद स्कॉर्पियो ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर फुल्लीडुमर थानाध्यक्ष गुलशन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और पुलिस फरार वाहन चालक की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

फुलवारी शरीफ के जनप्रतिनिधियों ने जनता को ठगा है

पटना। जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी प्रोफेसर शशिकांत प्रसाद ने फुलवारी शरीफ विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन से पहले उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधा। प्रोफेसर शशिकांत प्रसाद ने आरोप लगाया कि पिछले 30 वर्षों में फुलवारी शरीफ के जनप्रतिनिधियों ने जनता को ठगा है। उन्होंने कहा कि लगातार विधायक और मंत्री रहने के बावजूद भी इन प्रतिनिधियों ने लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए कोई कार्य नहीं किया। गुरुवार को अपने नामांकन से पहले, पार्टी प्रत्याशी ने फुलवारी शरीफ में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया। यह जनसभा साकेत विहार से शुरू होकर पेठिया बाजार, चौराहा, चुनौटी कुआं, शहीद भगत सिंह चौक और थाना गोलंबर होते हुए पटना एम्स के पास पहुंची। इसके बाद वे नामांकन के लिए पटना रवाना हुए। किसी भी पार्टी ने मुसलमानों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया इस अवसर पर, फुलवारी शरीफ के हारून कॉलोनी निवासी अनवारूउल हक ने जन सुराज पार्टी का सक्रिय सदस्य बनने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में किसी भी पार्टी ने मुसलमानों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया और सभी पार्टियां उन्हें केवल वोट बैंक समझती हैं।नया टोला से आईं सबीना खातून ने अपनी गरीबी का जिक्र करते हुए बताया कि उनके पति और बेटा बाहर कमाने जाते हैं, लेकिन उन्हें आज तक राशन कार्ड नहीं मिला है।

वहीं, गुलिस्तान मोहल्ला की कुरेशा खातून ने शिकायत की कि जीविका योजना के तहत सभी के फॉर्म भरे गए, लेकिन उनका फॉर्म नहीं भरा गया और न ही उन्हें सरकार से मिलने वाली 10,000 रुपए की सहायता राशि मिली। उन्होंने जन सुराज पार्टी से काफी उम्मीदें जताईं।

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है।

भगवान धनवंतरी व यम पूजन का दिन
धनतेरस

हिन्दू धर्म में धनवंतरी देवताओं के वैद्य माने गए हैं। धनवंतरी महान चिकित्सक थे। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनवंतरी भगवान विष्णु के अवतार समझे गए हैं। समुद्र मंथन के दौरान धनवंतरी का पृथ्वी लोक में अवतरण हुआ था। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय, त्रयोदशी को धन्वंतरी, चतुर्दशी को काली माता और अमावस्या को भगवती लक्ष्मी जी का सागर से प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिए दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धनवंतरी का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है।

कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस कहते हैं। यह त्योहार दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है। इस दिन नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज और भगवान धनवंतरी की पूजा का महत्व है।

क्यों मनाया जाता है धनतेरस

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना जाता रहा है। यह कहावत आज भी प्रचलित है कि पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है। जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल अनुकूल है। शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरी अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। मान्यता है कि भगवान धनवंतरी विष्णु के अंशावतार हैं। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धनवंतरी का अवतार लिया था। भगवान धनवंतरी के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

धनतेरस की कथा

धनतेरस से जुड़ी कथा है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं के कार्य में बाधा डालने के कारण भगवान विष्णु ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। कथा के अनुसार, देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और राजा बलि के यज्ञ स्थल पर पहुंच गए।
शुक्राचार्य ने वामन रूप में भी भगवान विष्णु को पहचान लिया और राजा बलि से आग्रह किया कि वामन कुछ भी मांगे उन्हें इंकार कर देना। वामन साक्षात भगवान विष्णु हैं जो देवताओं की सहायता के लिए तुमसे सब कुछ छीनने आए हैं। बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी। वामन भगवान द्वारा मांगी गई तीन पग भूमि, दान करने के लिए कमंडल से जल लेकर संकल्प लेने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में लघु रूप धारण करके प्रवेश कर गए। इससे कमंडल से जल निकलने का मार्ग बंद हो गया। वामन भगवान शुक्रचार्य की चाल को समझ गए। भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे हुए कुशा को कमण्डल में ऐसे रखा कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। शुक्राचार्य छटपटाकर कमण्डल से निकल आए।
इसके बाद बलि ने तीन पग भूमि दान करने का संकल्प ले लिया। तब भगवान वामन ने अपने एक पैर से संपूर्ण पृथ्वी को नाप लिया और दूसरे पग से अंतरिक्ष को। तीसरा पग रखने के लिए कोई स्थान नहीं होने पर बलि ने अपना सिर वामन भगवान के चरणों में रख दिया।
बलि दान में अपना सब कुछ गंवा बैठा। इस तरह बलि के भय से देवताओं को मुक्ति मिली और बलि ने जो धन-संपत्ति देवताओं से छीन ली थी उससे कई गुणा धन-संपत्ति देवताओं को मिल गई। इस उपलक्ष्य में भी धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

क्या खास करें इस दिन

इस दिन अपने सामर्थ अनुसार किसी भी रूप में चांदी एवं अन्य धातु खरीदना अति शुभ है। धन संपत्ति की प्राप्ति हेतु कुबेर देवता के लिए घर के पूजा स्थल पर दीप दान करें एवं मृत्यु देवता यमराज के लिए मुख्य द्वार पर भी दीप दान करें।

धनतेरस से आरंभ करें मां लक्ष्मी की आराधना

धनतेरस के शुभ दिन से मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के उपाय किए जाने चाहिए। इसके लिए धनतेरस विशेष तंत्र पूजन का विधान शास्त्रों में मिलता है। प्रस्तुत है मंत्र-तंत्र विधि –

ऊँ ह्रीं ह्रीं ह्रीं महालक्ष्मी धनदा लक्ष्मी कुबेराय मम गृह स्थिरो ह्रीं ऊँ नमः।

विधि – सबसे पहले सामने लक्ष्मी जी का चित्र रखें तथा उनके सामने लाल रंग का वस्त्र बिछाकर उस पर दक्षिणावर्ती शंख रख दें। उस पर केसर से स्वास्तिक बना लें तथा कुमकुम से तिलक कर दें। बाद में स्फटिक की माला से मंत्र की 7 माला करें। तीन दिन तक ऐसा निरंतर करें। इतने से ही मंत्र-साधना सिद्ध हो जाती है। मंत्र जप पूरा होने के पश्चात् लाल वस्त्र में शंख को बांधकर घर में रख दें। जब तक वह शंख घर में रहेगा, तब तक घर में निरंतर उन्नति होती रहेगी।

क्यों मनाई जाती है धनतेरस

धनतेरस, धनवंतरी त्रयोदशी या धन त्रयोदशी दीपावली से पूर्व मनाया जाना महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन आरोग्य के देवता धनवंतरी, मृत्यु के अधिपति यम, वास्तविक धन संपदा की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी तथा वैभव के स्वामी कुबेर की पूजा की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के पीछे मान्यता है कि लक्ष्मी के आह्वान के पहले आरोग्य की प्राप्ति और यम को प्रसन्न करने के लिए कर्मों का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक है।

- कुबेर भी आसुरी प्रवृत्तियों का हरण करने वाले देव हैं।
- धनवंतरी और मां लक्ष्मी का अवतरण समुद्र मंथन से हुआ था। दोनों ही कलश लेकर अवतरित हुए थे।
- श्री सूक्त में लक्ष्मी के स्वरूपों का विवरण कुछ इस प्रकार मिलता है।
  धनमग्नि, धनम वायु, धनम सूर्यो धनम वसु
  अर्थात् प्रकृति ही लक्ष्मी है और प्रकृति की रक्षा करके मनुष्य स्वयं के लिए ही नहीं, अपितु निःस्वार्थ होकर पूरे समाज के लिए लक्ष्मी का सृजन कर सकता है।
- श्री सूक्त में आगे यह भी लिखा गया है– 'न क्रोधो न मात्सर्यम न लोभो ना अशुभा मति'
  तात्पर्य यह कि जहां क्रोध और किसी के प्रति द्वेष की भावना होगी, वहां मन की शुभता में कमी आएगी, जिससे वास्तविक लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होगी। यानी किसी भी प्रकार की मानसिक विकृतियां लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधक हैं।
- आचार्य धनवंतरी के बताए गए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी उपाय अपनाना ही धनतेरस का प्रयोजन है।
- श्री सूक्त में वर्णन है कि, लक्ष्मी जी भय और शोक से मुक्ति दिलाती हैं तथा धन-धान्य और अन्य सुविधाओं से युक्त करके मनुष्य को निरोगी काया और लंबी आयु देती हैं।

अकाल मृत्यु से रक्षा करता है
धनतेरस का दीपदान

धनतेरस के दिन खरीदारी में इतने व्यस्त न हो जाएं कि शाम के समय दीपदान करना भूल जाएं। धनतेरस की शाम में दीपदान का बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में बताया गया है कि धनतेरस के दिन संध्या के समय दीपदान जरूर करना चाहिए। इससे यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु से बचाव होता है।
इस संदर्भ में कथा है कि, एक बार यमराज ने यमदूतों से कहा लोगों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी दु:ख हुआ है अथवा नहीं। इस पर यमदूत ने कहा कि एक बार एक राजकुमार के प्राण हरते समय हमें बहुत दु:ख हुआ था। राजकुमार की शादी के चार ही दिन हुए थे। राजकुमार की मृत्यु से राजमहल में चित्कार और हाहाकार मच गयी। नववधू का विलाप देखकर हमारा हृदय हमें धिक्कारने लगा। इसके बाद यमदूतों ने यमराज से पूछा कि हे यमदेव कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे प्राणी की अकाल मृत्यु न हो। यमराज ने कहा कि जो व्यक्ति धनतेरस के दिन मेरे नाम से दीप जलाकर मुझे स्मरण करेगा उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं सताएगा। यमदीप के संदर्भ में एक अन्य कथा भी प्रचलित है कि, प्राचीन काल में एक हिम नामक राजा हुए। विवाह के कई वर्षों बाद इन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब राजकुमार की कुण्डली देखी तो कहा कि विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु हो जाएगी। राजा रानी इस बात को सुनकर दु:खी हो गये। समय बितता गया और राजकुमार की शादी हो गयी। विवाह का चौथा दिन भी आ गया। राजकुमार की मृत्यु होने के भय से सभी लोग सहमे हुए थे। लेकिन राजकुमार की पत्नी चिंता मुक्त थी। उसे मां लक्ष्मी की भक्ति पर पूरा विश्वास था। शाम होने पर राजकुमार की पत्नी ने पूरे महल को दीपों से सजा दिया। इसके बाद मां लक्ष्मी के भजन गाने लगी। यमदूत जब राजकुमार के प्राण लेने आये तो मां लक्ष्मी की भक्ति में लीन राजकुमार की पतिव्रता पत्नी को देखकर महल में प्रवेश करने का साहस नहीं जुटा पाये। यमदूतों के लौट जाने पर यमराज स्वयं सर्प का रूप धारण करके महल में प्रवेश कर गये। सर्प बने यमराज जब राजकुमारी के कक्ष के समाने पहुंचे तब दीपों की रोशनी और लक्ष्मी मां की कृपा से सर्प की आंखें चौंधिया गयी और सर्प बने यमराज राजकुमारी के पास पहुंच गये। राजकुमारी के भजनों में यमराज ऐसे खोये की उन्हें पता ही नहीं चला कि कब सुबह हो गयी। राजकुमार की मृत्यु का समय गुजर जाने के बाद यमराज को खाली हाथ लौटना पड़ा और राजकुमार दीर्घायु हो गया। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन से धनतेरस के दिन यमदीप जलाने की परंपरा शुरू हुई।

कुबेर मंत्र के जाप से होगी लक्ष्मी प्रसन्न

कुबेर देव को धन का देवता माना जाता है। वे देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं, इनकी कृपा से किसी को भी धन प्राप्ति के योग बन जाते हैं। कुबेर को प्रसन्न करने का सुप्रसिद्ध मंत्र इस प्रकार है–
कुबेर देव का मंत्र–
ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय, धन धन्याधिपतये धन धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।
यह देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव का अमोघ मंत्र है। इस मंत्र का तीन माह तक रोज 108 बार जप करें। जप करते समय अपने सामने एक कौड़ी (धनलक्ष्मी कौड़ी) रखें। तीन माह के बाद प्रयोग पूरा होने पर इस कौड़ी को अपनी तिजोरी या लॉकर में रख दें। ऐसा करने पर कुबेर देव की कृपा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा। हमेशा उसमें धन भरा रहेगा। अब मन को एकाग्र करके हनुमान चालीसा का पाठ करें। यदि हनुमान चालीसा का पूर्ण पाठ नहीं कर पा रहे हों तो इन पंक्तियों का पाठ करें–
जम कुबेर दिगपाल जहां ते।
कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।
इन पंक्तियों के निरंतर जप से हनुमानजी तो प्रसन्न होंगे ही साथ ही यम, कुबेर आदि देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होगी।

छोटी दीपावली-नरक चतुर्दशी

कार्तिक माह के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है. नरक चतुर्दशी को नरक चौदस, रुप चौदस, रूप चतुर्दशी, नर्क चतुर्दशी या नरका पूजा के नाम से भी जानते हैं. मान्यता है कि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन मुख्य रूप से मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है.

नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहा जाता है. दीपावली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी के दिन संध्या के पश्चात दीपक प्रज्जवलित किए जाते हैं. नरक चतुर्दशी का पूजन कर अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यमराज जी की पूजा उपासना की जाती है. इस रात्रि के पूजन एवं दीप जलाने की प्रथा के संदर्भ में पौराणिक कथाएं तथा कुछ लोक मान्यताएं प्रचलित हैं जो इस पर्व के महत्व को परिलक्षित हैं.

नरक चतुर्दशी पर्व से जुड़ीं कथाएं

नरक चतुर्दशी के पर्व के साथ अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं. एक पौराणिक कथा के अनुसार रन्ति देव नामक एक राजा हुए थे. वह बहुत ही पुण्यात्मा और धर्मात्मा पुरूष थे सदैव धर्म कर्म के कार्यों में लगे रहते थे. जब उनका अंतिम समय आया तो यमराज के दूत उन्हें लेने के लिए आते हैं. और राजा को नरक में ले जाने के लिए आगे बढते हैं. यमदूतों को देख कर राजा आश्चर्य चकित हो उनसे पूछते हैं कि मैंने तो कभी कोई अधर्म या पाप नहीं किया है तो फिर आप लोग मुझे नर्क में क्यों भेज रहे हैं. कृपा कर मुझे मेरा अपराध बताएं जिस कारण मुझे नरक का भागी होना पड़ रहा है. राजा की करूणा भरी वाणी सुनकर यमदूत उनसे कहते हैं कि, हे राजन एक बार तुम्हारे द्वार से एक ब्राह्मण भूखा ही लौट गया जिस कारण तुम्हें नरक जाना पड़ रहा है. यह सुनकर राजा यमदूतों से विनती करते हुए कहते हैं कि वह उसे एक वर्ष का और समय देने की कृपा करें. राजा का कथन सुनकर यमदूत विचार करने लगते हैं और राजा की आयु एक वर्ष बढ़ा देते हैं. यमदूतों के जाने पर राजा इस समस्या के निदान के लिए ऋषियों के पास जाता हैं, उन्हें सारा वृतान्त सुनाता है. ऋषि राजा से कहते हैं कि यदि राजन कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का व्रत करें. ब्रह्मणों को भोजन करवा कर उनसे अपने अपराधों के लिए क्षमा याचना करें तो वह इस पाप से मुक्त हो सकते हैं. ऋषियों के कथन अनुसार राजा कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी का व्रत करता है और इस प्रकार राजा पाप मुक्त हो कर विष्णु लोक में स्थान पाता है. तभी से पापों एवं नर्क से मुक्ति हेतु कार्तिक चतुर्दशी व्रत प्रचलित है. एक अन्य कथा अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह को कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन नरकासुर का वध करके, देवताओं व ऋषियों को उसके आतंक से मुक्ति दिलवाई थी. इसके साथ ही साथ श्री कृष्ण भगवान ने सोलह हजार कन्याओं को नरकासुर के बंदी गृह से मुक्त करवाया था. इस उपलक्ष पर नगर वासियों ने नगर को दीपों से प्रकाशित किया और उत्सव मनाया तभी से नरक चतुर्दशी का त्यौहार मनाया जाने लगा.

रूप चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं. रूप चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए ऐसा करने से रूप सौंदर्य की प्राप्ति होती है. रूप चतुर्दशी से संबंधित एक कथा भी प्रचलित है मान्यता है कि प्राचीन समय पहले हिरण्यगर्भ नामक राज्य में एक योगी रहा करते थे. एक बार योगीराज ने प्रभु को पाने की इच्छा से समाधि धारण करने का प्रयास किया. अपनी इस तपस्या के दौरान उन्हें अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा. उनकी देह पर कीड़े पड़ गए, बालों, रोओं और भौंहों पर जुएँ पैदा हो गई. अपनी इतनी विभत्स दशा के कारण वह बहुत दुखी होते हैं. तभी विचरण करते हुए नारद जी उन योगी राज जी के पास आते हैं और उन योगीराज से उनके दुख का कारण पूछते हैं. योगीराज उनसे कहते हैं कि, हे मुनिवर मैं प्रभु को पाने के लिए उनकी भक्ति में लीन रहा परंतु मुझे इस कारण अनेक कष्ट हुए हैं ऐसा क्यों हुआ? योगी के करूणा भरे वचन सुनकर नारदजी उनसे कहते हैं, हे योगीराज तुमने मार्ग तो उचित अपनाया किंतु देह आचार का पालन नहीं जान पाए इस कारण तुम्हारी यह दशा हुई है. नारद जी के कथन को सुन, योगीराज उनसे देह आचार के विषय में पूछते हैं इस पर नारदजी उन्हें कहते हैं कि सर्वप्रथम आप कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन व्रत रखकर भगवान की पूजा अराधना करें क्योंकि ऐसा करने से आपका शरीर पुनः पहले जैसा स्वस्थ और रूपवान हो जाएगा. तब आप मेरे द्वारा बताए गए देह आचार को कर सकेंगे. नारद जी के वचन सुन योगीराज ने वैसा ही किया और उस व्रत के फलस्वरूप उनका शरीर पहले जैसा स्वस्थ एवं सुंदर हो गया. अतः तभी से इस चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी के नाम से जाना जाने लगा.

नरक चतुर्दशी पूजा विधि

नरक चतुर्दशी के दिन सुबह के समय आटा, तेल और हल्दी को मिलाकर उबटन तैयार किया जाता है. इस उबटन को शरीर पर लगाकर, अपामार्ग (चिचड़ी) की पत्तियों को जल में डालकर स्नान करते हैं. इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें. इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें. पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं. इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है. विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है.

धनतेरस पर कुबेर पूजा का महत्व

भगवान कुबेर विसराव के पुत्र और ब्रह्मदेव के पोते हैं। उन्हें धनपति और स्वर्ग के बैंकर भी कहा जाता है। कुबेर भगवान के कोषाध्यक्ष हैं। भगवान कुबेर का निवास स्थान कैलाश पर्वत है। वह अष्ट दिकपाला का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि उत्तर दिशा में है। इसी वजह से उन्हें उत्तर दिशा के तौर पर भी जाना जाता है। हिन्दू धर्म में उन्हें राजाओं के राजा माना जाता है।
आमतौर पर उन्हें उन्हें बौना, गौरा और बड़ी-सी तोंद वाला दिखाया जाता है। उनकी तीन टांगें, आठ दांत, एक आंख है और वह हमेशा बहुत से गहने पहने रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो कुबेर देवता धरती में गड़े हुए धन की रक्षा करते हैं। वह सोने, चांदी और नौ सिद्धियों के खज़ाने की रखवाली करते हैं। कुबेर के विमान का नाम पुष्पक है जिसपर सवार होकर वह पूरे विश्व का भ्रमण करते हैं। उनके पास हमेशा एक पर्स रहता है जिसमें पैसे और अन्य कीमती सामान रहता है। भगवान कुबेर की पूजा करने से घर में समृद्धि आती है।
समृद्धि प्राप्ति के लिए धनतेरस पर कुबेर पूजा कुबेर पूजा में पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रों का जाप किया जाता है। यह पूजा धनतेरस के दिन की जाती है। यह पूजा गवग्रह मदिर खरगौन में भी की जाती है, अगर आप चाहें तो उसमें शामिल हो सकते हैं। यहां पर पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न की जाती है ताकि सभी को भगवान कुबेर का आशीर्वाद मिले और सबके जीवन में समृद्धि बनी रहे। अगर कुबेर प्रसन्न हो जाते हैं तो वह अपने भक्तों को समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।
कुबेर पूजा का महत्व और लाभ समृद्धि और धन प्राप्ति के लिए कुबेर की पूजा और हवन किया जाता है। जिन लोगों के जीवन में पैसे या कारोबार संबंधी परेशानी हो उन लोगों को तांत्रिक पूजन करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें भगवान कुबेर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। एक पुराने, शक्तिशाली और पूरा यंत्र को कुबेर यंत्र कहा जाता है। धनतेरस के दिन इस यंत्र की पूजा करने से भी विशेष लाभ होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान कुबेर जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। कुबेर पूजा का बहुत महत्व है और इसे करने से विशेष लाभ होते हैं–
–यह पूजा करने से घर में धन-धान्य बना रहता है। –कर्ज से मुक्ति मिलती है। –गरीबी से छुटकारा मिलता है और जीवन में समृद्धि आती है। –व्यापार-कारोबार में लाभ होता है। –आपका बैंक बैलेंस बढ़ता है। –किसी भी प्रकार के श्राप से मुक्ति मिलती है।

धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।
निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें–
कुबेर मंत्र –
ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये
धन-धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा।'

ऑस्ट्रेलिया सीरीज में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने उतरेंगे शुभमन गिल, 3000 वनडे रन पूरे करने से मात्र इतने रन दूर

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारत के नवनियुक्त वनडे कप्तान शुभमन गिल रविवार से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम की कमान संभालने के साथ ही एक और उपलब्धि हासिल करने की ओर अग्रसर हैं। यह स्टाइलिश दाएं हाथ का बल्लेबाज वनडे में 3,000 रन पूरे करने से सिर्फ 225 रन दूर है।

गिल ने अब तक ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सिर्फ एक वनडे खेला है जिसमें उन्होंने 33 रन बनाए हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका कुल रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उनके खिलाफ 8 वनडे मैचों में उन्होंने 35 की औसत से 280 रन बनाए हैं जिसमें एक अर्धशतक और एक शतक शामिल है। रोहित शर्मा की जगह लेने के बाद वनडे कप्तान के रूप में गिल का यह पहला कार्यकाल होगा। भारत तीन वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रहा है।

श्रृंखला रविवार को 50 ओवरों के मैचों के साथ शुरू होगी और दूसरा और तीसरा वनडे 23 और 25 अक्टूबर को खेला जाएगा। पांच टी20 मैच 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक खेले जाएंगे। आगामी श्रृंखला गिल की कप्तानी यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण होगी क्योंकि वह बल्ले से अपने निरंतर प्रदर्शन को जारी रखते हुए भारत के नए वनडे कप्तान के रूप में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

मई के बाद से गिल के लिए नेतृत्व की जिम्मेदारियां तेजी से बढ़ी हैं। रोहित द्वारा एक संक्षिप्त संदेश के साथ टेस्ट प्रारूप को अलविदा कहने के बाद 26 वर्षीय गिल को इंग्लैंड के 5 मैचों के कठिन टेस्ट दौरे के लिए भारत का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया जो 2-2 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। उन्होंने अपनी बात पर अमल करते हुए 75.40 की औसत से रिकॉर्ड तोड़ 754 रन बनाए, जिसमें करियर का सर्वश्रेष्ठ 269 रन भी शामिल था, जिससे श्रृंखला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत की वनडे टीम :

शुबमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल।

तन्वी 17 साल में विश्व जूनियर पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी, हुड्डा चूकी

गुवाहाटी (एजेंसी)। तन्वी शर्मा बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में पदक पक्का करने वाली 17 साल में पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई जिन्होंने एक गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जापान की साकी मत्सुमोतो को हराकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई। सोलह वर्ष की तन्वी ने मत्सुमोतो को 47 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 13.15, 15.9, 15.10 से हराया।

वहीं आठवीं वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की अन्यापत फिचित्फोन से 12.15, 13.15 से हारकर बाहर हो गई। उन्नति ओडिशा ओपन सुपर 100 खिताब जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बनी थी और भारत की 2022 उबेर कप टीम का भी हिस्सा थी। भारत की भव्या छाबड़ा और विशाखा टोप्पो की जोड़ी चीनी ताइपै के हुंग बिंग फू और चोउ युन अन से 9.15, 7.15 से हारकर बाहर हो गई।

आखिरी बार विश्व जूनियर चैम्पियनशिप पदक जीतने वाली भारत की महिला खिलाड़ी साइना नेहवाल थी जिन्होंने 2008 में पुणे में स्वर्ण पदक जीता था। साइना ने 2006 में रजत पदक जीता था जबकि अर्पणा पोपट ने 1996 में रजत पदक हासिल किया था। लड़कों के एकल क्वार्टर फाइनल में ज्ञान दत्तू को चीन के तीसरी वरीयता प्राप्त लियू यांग मिंग यू ने 15.11, 15.13 से हराया।

रोहित,विराट सहित भारतीय टीम ने किया अभ्यास

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहुंचने ही भारतीय क्रिकेट टीम ने अभ्यास शुरु कर दिया है। भारतीय टीम यहां 19 अक्टूबर से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इस सत्र में सभी की नजरें अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर रहेंगी। ये दोनो बल्लेबाज करीब सात महीने बाद मैदान पर वापसी कर रहे हैं। दोनो ही इस सीरीज का महत्व जानते हैं। ऐसे में दोनो को अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी करते देखा गया। विराट और रोहित फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही खेल से दूर हैं।

इन दोनो ने ही नेट्स में करीब 30 मिनट तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया। की। टीम के अभ्यास के दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर भी पूरे समय उपस्थित थे।

विराट और रोहित ने टी20 और टेस्ट से संन्यास ले लिया है। ऐसे में अब दोनो एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। जिस प्रकार से युवाओं को अवसर मिल रहा है। उससे हो सकता है ऑस्ट्रेलिया दौरा इन दोनो दिग्गजों का अंतिम दौरा हो। अगर ये दोनो इस सीरीज में विशेष प्रदर्शन करते हैं तभी भविष्य के लिए ये टीम में रह पायेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में सभी की निगाहें रोहित और कोहली के प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी। इसलिए यह सीरीज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इन दोनों के भविष्य को लेकर सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इन दोनो का ही लक्ष्य विश्व कप 2027 खेलना है पर बढ़ती उम्र को देखते हुए अभी ये संभव नहीं दिख रहा है। नए कप्तान शुभमन गिल ने दोनों के लंबे अनुभव को टीम के लिए महत्वपूर्ण बताय है पर कोच और चयनसमिति ने भी तक इनको लेकर कोई सकारात्मक संकेत नहीं दिये हैं।

मोहम्मद शमी को क्यों नहीं मिली ऑस्ट्रेलियाई सीरीज में जगह, अजीत अगरकर ने तोड़ी चुप्पी

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सीनियर तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी और चयन समिति के बीच हाल के दिनों में छिड़े विवाद पर अब बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने सफाई दी है। उन्होंने साफ कहा कि अगर शमी फिट होते, तो टीम में जरूर होते। दरअसल, शमी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे की टीम से बाहर किए जाने पर बीसीसीआई चयनकर्ताओं पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए खेलकर अपनी फिटनेस साबित कर दी थी और चयनकर्ताओं को खुद उनसे अपडेट लेने चाहिए थे।

शमी बोले : मैं फिट हूं, मुझे बाहर क्यों किया गया?

35 वर्षीय मोहम्मद शमी पिछले साल से चोटों से जूझ रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार जून 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए खेला था। इसके बाद से वह टखने और घुटने की चोटों के कारण टीम से बाहर हैं, और 2023 विश्व कप के बाद उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी।

हाल ही में शमी ने कहा, 'मैं रणजी ट्रॉफी में खेल रहा हूं, इसका मतलब मैं फिट हूँ। चयनकर्ताओं को खुद मुझसे अपडेट लेना चाहिए। खिलाड़ियों का काम फिट रहना है, रिपोर्ट भेजना नहीं।' उनके इस बयान के बाद क्रिकेट हलकों में खलबली मच गई थी और सोशल मीडिया पर ''शमी बनाम चयन समिति' की चर्चा तेज हो गई थी।

वह फिट नहीं थे, इसलिए चयन नहीं हुआ : अगरकर

अजीत अगरकर ने शमी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी। अगरकर ने कहा, 'अगर वह मुझसे ऐसा कहते हैं, तो शायद मैं जवाब दूंगा। मुझे नहीं पता उन्होंने सोशल मीडिया पर क्या कहा, लेकिन मेरा फोन सभी खिलाड़ियों के लिए हमेशा चालू रहता है। शमी भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। अगर वह फिट होते, तो इंग्लैंड दौरे या ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए ज़रूर विमान में होते। दुर्भाग्य से वह पूरी तरह फिट नहीं थे, और हमारा घरेलू सीज़न अब शुरू ही हुआ है।'

सेलेक्टर और खिलाड़ी - बातचीत ही है समाधान

अगरकर ने यह भी संकेत दिया कि शमी के साथ उनकी व्यक्तिगत बातचीत होती रहती है और किसी भी गलतफहमी को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका संवाद है। उन्होंने कहा, 'मैं यहाँ कोई हेडलाइन नहीं बनाना चाहता। अगर कुछ कहना है, तो मैं सीधे उन्हें कॉल करूँगा। पिछले कुछ महीनों में हमारी कई बार बात हुई है।'

टीम इंडिया की नजर अब फिट शमी पर

टीम इंडिया की तेज़ गेंदबाज़ी यूनिट में शमी की वापसी का इंतज़ार लंबे समय से है। जसप्रीत बुमराह, सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज़ अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन बड़े टूर्नामेंट्स के लिए शमी जैसा अनुभव अमूल्य है। अगर वह अगले कुछ महीनों में पूरी तरह फिट हो जाते हैं, तो उनकी वापसी तय मानी जा रही है।

नाओमी ओसाका के लगी चोट, जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल से हटीं

ओसाका (एजेंसी)। नाओमी ओसाका बाएं पैर में चोट के कारण शुक्रवार को यहां जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल से हट गईं। मैच से पहले ओसाका के हटने से जैकलिन क्रिस्टियन को वाकओवर मिला और वह सेमीफाइनल में पहंच गईं। WTA टूर ने यह जानकारी दी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा कि शीर्ष वरीय ओसाका दूसरे दौर के मैच के दौरान लगी चोट से नहीं उबर पाईं। क्रिस्टियन ने इस साल तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। चोट के कारण बाहर होने से पहले ओसाका ने वकाना सोनोबे और 2024 की चैंपियन सुजेन लेमेन्स को हराया। जापान ओपन के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता लेला फर्नांडिज ने रेबेका रैमकोव को 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

कैंसर को हरा कर इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने की दमदार वापसी, अपने दर्द भरे सफर को किया बयां

स्पोर्ट्स डेस्क : ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और टी20 क्रिकेटर निक मेडिनसन एक जानलेवा बीमारी से जूझ रहे थे जिसके बाद उन्होंने उसे मात देकर वापसी की है। मेडिनसन ने बताया है कि उन्हें टैस्टिकुलर कैंसर था जिसे वह मात देने में सफल रहे लेकिन इस दौरान उनका सफर बेहद दर्द भरा रहा। मेडिनसन ने बताया है कि उन्होंने टेस्टिकुलर कैंसर को हराने के लिए कितनी कठिन लड़ाई लड़ी। उन्होंने बताया कि सर्जरीऔर कई हफ्तो की कीमोथेरेपी के बाद उन्होंने इस बीमारी को मात दी। आखिरी बार मार्च में शेफील्ड शील्ड में खेलने वाले मेडिनसन की जांच में कैंस का पता चलने के बाद उनका ट्यूमर हटाने के लिए ऑपरेशन किया गया। लेकिन उनकी असली लड़ाई तो इसके बाद शुरू हुई। 2014 से 1015 के बीच आरसीबी के लिए खेलने वाले मेडिनसन ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से बात करते हुए बताया कि जब उन्हें अपने कैंसर के बारे में बताया तो वह डरावना पल था। उन्होंने कहा कि, जब मुझे पता चला कि मुझे कीमो करवानी है तो ये मेरे लिए बहुत मुश्किल पल था। कैंसर मेरे पेट के लिए लिम्फ नोड्स और फेफड़ों तक फैल चुका था। वह पल मेरे लिए सबसे डरावना था। मेडिनसन ने स्वीकार किया कि कीमोथेरेपी के वो 9 हफ्ते उनके जीवन के सबसे चुनौतीपूर्ण हफ्ते थे। कीमोथेरेपी के साइड इफेक्ट्स को कम करने के लिए उन्हें स्टेरॉइड्स दिए गए, लेकिन उनके भी गंभीर असर हुए। उन्होंने कहा कि, दूसरे या तीसरे हफ्ते करते थे लेकिन वे मुझे रात में सोने नहीं देते थे। मैं 1 बजे तक तो सो जाता, लेकिन फिर सुबह 6 बजे तक जागता रहता। ये बहुत कठिन था। मैं पूरी तरह थक चुका था और ऐसा लगता था कि मैं 24 घंटे सोता ही रहूं।

भारत ने मलेशिया को हराया, सुल्तान जोहोर कप 2025 के फाइनल में पहुंचा

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुल्तान जोहोर कप 2025 के अपने अंतिम पूल-स्टेज मैच में मलेशिया को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है, जहा उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय टीम के लिए गुरजोत सिंह ने (22वें मिनट) के गोल से शुरुआत की, जबकि सौरभ आनंद कुशवाहा ने (48वें मिनट) ने विजयी गोल किया।

मलेशिया के लिए नवीनेश पनिकर ने (43वें मिनट) में गोल किया। भारतीय टी ने मलेशिया के खिलाफ आक्रामक शुरुआत की। भारतीय फॉरवर्ड तेज और लगातार हमले कर रहे थे, जिससे मेजबान टीम दबाव में आ गई। इस दौरान भारत ने अपने डिफेंस को मजबूत रखा। हालांकि पहले क्वार्टर के अंत तक कोई भी टीम गतिरोध को तोड़ नहीं पाई। दूसरे क्वार्टर का पहला हमला मलेशिया ने शुरुआत में ही कर दिया, लेकिन उसके तुरंत बाद भारत ने कई हमले किए और भारतीय टीम ने एक बार फिर दबाव बनाया और अंततः दबाव का फायदा हुआ, जब गुरजोत सिंह (22वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड पर गोल दागा।

इसके बाद भारत ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा। हाफ-टाइम तक भारत 1-0 की बढ़त के साथ था। ब्रेक के बाद भारत ने अच्छी गति से शुरुआत की, लेकिन मेजबान मलेशिया ने वापसी का प्रयास किया। भारत ने क्वार्टर के अधिकांश समय खेल की गति पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन मलेशिया के प्रयासों ने खेल का रुख पलट दिया और स्कोर 1-1 से कर दिया। अंतिम क्वार्टर में सौरभ आनंद कुशवाहा के गोल से भारत ने एक बार फिर बढ़त बनाई और स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद, मलेशियाई टीम ने बराबरी के गोल की तलाश में एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया। लेकिन भारत ने उनके प्रयासों को सफल नहीं होने दिया और मुकाबला 2-1 से जीत लिया। भारत फाइनल मुकाबले में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

महिला विश्व कप में आज पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल के लिए संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी न्यूजीलैंड

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में शनिवार को पाकिस्तान की टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। पाक टीम पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत के साथ वापस जाना रहेगा। पाक टीम अभी तक विश्वकप में एक भी मैच नहीं जीती है।

वह चार मैच में तीन हार और एक मैच रद्द होन से वह अंक तालिका में सबसे नीचे है। वहीं न्यूजीलैंड तीन मैच में तीन अंक के साथ शीर्ष चार से बाहर है। वहीं ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो मैच हारने के बाद न्यूजीलैंड टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ वापसी की है। हालांकि श्रीलंका के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द होने से उसे नुकसान हुआ था। भारत और इंग्लैंड के खिलाफ 23 और 26 अक्टूबर को होने वाले कड़े मुकाबलों को देखते हुए न्यूजीलैंड की टीम इस मैच को जीतकर सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना चाहेगी।

उसके पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण से सावधान रहना होगा। पाक को पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाजी क्रम को रोकने के लिए गेंदबाजी में एक और ऑलराउंड की जरुरत रहेगी। न्यूजीलैंड की ओर से अबतक कप्तान सोफी डिवाइन ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने तीन पारियों में 86.66 की औसत से रन बनाए हैं।

हालांकि कीवी टीम के शीर्ष क्रम में निरंतरता की कमी से टीम को नुकसान हुआ है। जीत के लिए अनुभवी सूजी बेट्स, जॉर्जिया प्लिमर और अमेलिया केर को अच्छी शुरुआत करनी होगी जिससे डिवाइन पर पारी को संभालने का अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

न्यूजीलैंड की गेंदबाजी अब तक अच्छी रही है। डिवाइन और ब्री इलिंग ने अपने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाकिस्तानः फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, ऐमान फातिमा, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमस, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज और सैयदा अरूब शाह।

न्यूजीलैंडः सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंगलिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमेरी मायर, जॉर्जिया प्लिमर और ली ताहुहु।

फीफा को लेकर फैंस में भारी क्रैज, विश्व कप 2026 के 10 लाख से अधिक टिकट बिके, ये हैं शीर्ष 10 देश

मियामी। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने इस महीने की शुरुआत में आधिकारिक तौर पर टिकट बिक्री शुरू होने के बाद से अपने पहले अपडेट में बताया कि अगले साल होने वाले विश्व कप के 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं। उम्मीद के मुताबिक सबसे अधिक मांग अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के खरीदारों की ओर से रही। ये तीन देश इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। फीफा ने कहा कि 212 अलग-अलग देशों और क्षेत्रों के लोग पहले ही टिकट खरीद चुके हैं जबकि अभी टूर्नामेंट के लिए 48 में से केवल 28 ही टीम तय हुई हैं। फीफा ने कहा कि टिकट खरीदने के मामले में शीर्ष 10 देश में इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील, स्पेन, कोलंबिया, अर्जेंटीना और फ्रांस भी शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक चलेगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने विज्ञप्ति में कहा, 'दुनिया भर की राष्ट्रीय टीमें ऐतिहासिक फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और मुझे खुशी है कि इतने सारे फुटबॉल प्रेमी भी उत्तरी अमेरिका में इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय प्रतिक्रिया है और एक अद्भुत संकेत है कि इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे समावेशी फीफा विश्व कप दुनिया भर के समर्थकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है।' फीफा ने यह भी घोषणा की कि उसकी 'रीसेल' साइट खुल गई है और न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में विश्व कप फाइनल के टिकट बृहस्पतिवार दोपहर तक 9,538 डॉलर से लेकर 57,500 डॉलर प्रति सीट की कीमत पर उपलब्ध थे।

टेम्बा बावुमा की कप्तानी में भारत दौरे पर आयेगी दक्षिण अफ्रीकी ए टीम

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की ए टीम इस माह भारत का दौरा करेगी। इसकी कप्तानी टेम्बा बावुमा करेंगे। दक्षिण अफ्रीकी ए टीम इस दौरे में 2 टेस्ट और 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलेगी। ये टेस्ट सीरीज इसी माह 30 अक्टूबर से शुरु होगी। बावुमा इस सीरीज से वापसी करेंगे। वह पिंडली में चोट के इससे पहले हुए पाकिस्तान दौरे से बाहर थे। उन्हें सितंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के इंग्लैंड दौरे में चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें इस माह की शुरुआत में पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ से बाहर रखा गया था। बावुमा को भारत ए टीम की इसलिए कप्तानी दी गयी है। जिससे वह भारत की सीनियर टीम के खिलाफ होने वाली सीरीज से पहले पूर्ण मैच फिटनेस और फॉर्म हासिल कर सकें। दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत दौरे पर 14 नवंबर से 19 दिसंबर तक दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका ए टीम के भारत दौरे में दो चार दिवसीय मैच और तीन मैचों की एक एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। वह 6 से 9 नवंबर तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में खेलेंगे। टीम उनकी वापसी को लेकर उत्साहित है। एक शीर्ष क्रम के बल्लेबाज और एक कप्तान के रूप में वह काफी सफल रहे हैं। टीम को उनके अनुभवों का भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

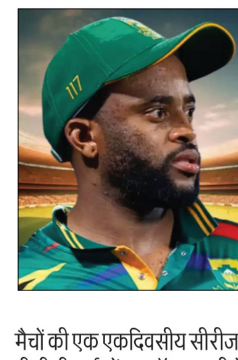

दक्षिण अफ्रीका ए टीम– टेम्बा बावुमा (कप्तान), मार्केस एकरमैन, ओकुहले सेले, जुबैर हमजा, जॉर्डन हरमन, रुबिन हरमन, रिवाल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली मपोंगवाना, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायेन, काइल सिमंड्स, त्सेपो नदवांडवा, जेसन स्मिथ, तियान वान वुरेन, कोडी यूसुफ।

रोहित, कोहली की मौजूदगी में गिल को कप्तान के तौर पर बेहतर होने का मौका मिलेगा: अक्षर पटेल

पर्थ (एजेंसी)। बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल ने शुक्रवार को यहां कहा कि भारतीय वनडे टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी शुभमन गिल को एक कप्तान के तौर पर बेहतर होने में मदद करेगी। भारतीय टीम रविवार को तीन मैचों की श्रृंखला के पहले वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। टीम के यहां पहुंचने के बाद दूसरे अभ्यास सत्र के बाद अक्षर ने कहा कि मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार भारत के लिए खेलने को तैयार रोहित और कोहली पहले की तरह ही चुस्त दिख रहे हैं।

भारत ने रोहित की अगुवाई में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। इसके बावजूद गिल को इस दौरे पर वनडे टीम की कमान सौंपी गयी है। अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड के साथ एक संयुक्त बातचीत में कहा, ''गिल के लिए यह एकदम सही है। रोहित भाई और विराट भाई मौजूद हैं और इसके साथ ही वे कप्तान भी रहे हैं। इसलिए वे अपना योगदान भी दे सकते हैं। ऐसे में कप्तान के तौर पर गिल का अच्छा विकास होगा। गिल की कप्तानी में अब तक जो अच्छी बात रही है, वह यह है कि उन पर दबाव हावी नहीं हुआ है।'

रोहित और कोहली को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेले हुए काफी समय हो गया है लेकिन अक्षर ने कहा कि वह पहले की तरह ही फिट और चुस्त दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वे दोनों विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। उनके फॉर्म (लय) के बारे में हमें शुरुआती वनडे मैच के बाद पता चलेगा। वे पेशेवर हैं, इसलिए उन्हें पता है कि क्या करना है। वे बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) में अभ्यास कर चुके हैं, इसलिए मुझे लगता है कि वे खेलने के लिए तैयार हैं।'

एक दशक पहले भारतीय खिलाड़ी के रूप में पहली बार ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाले इस हरफनमौला ने कहा, 'वे अभ्यास सत्र के दौरान अपने खेल और फिटनेस दोनों में बहुत अच्छे दिख रहे हैं।' अक्षर सहित अधिकांश भारतीय क्रिकेटरों ने ऑस्ट्रेलिया में काफी क्रिकेट खेला है। ये खिलाड़ी परिस्थितियों को लेकर मानसिक रूप से सहज महसूस करते हैं। अक्षर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में बातचीत विपक्षी टीम के खिलाफ रणनीति बनाने पर ज्यादा केंद्रित होती है। हम पिचों की उछाल और प्रकृति के बारे में ज्यादा बातचीत नहीं करते है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 2015 (ऑस्ट्रेलिया में उनका पहला दौरा) के बाद से काफी बदलाव हुए हैं। उस समय हमें ऑस्ट्रेलिया का ज्यादा अनुभव नहीं था ऐसे में हम पिचों, परिस्थितियों और उछाल के बारे में बात करते थे।' उन्होंने कहा, '2015 विश्व कप के बाद हमने नियमित रूप से खेलना शुरू किया और श्रृंखला लंबी होने लगी। उसके बाद बल्लेबाजों ने और बेहतर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।' उन्होंने कहा, 'हमें यहां अब ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों जैसा महसूस नहीं होता। हमें ज्यादा बेहतर तरीके से तैयार रहना पड़ता है।

अक्षर ने कहा, 'हम अब इस बारे में सोच रहे हैं कि हम कहां रन बना सकते हैं, इसलिए हम रणनीति और टाइमिंग पर बात कर रहे हैं। हम पिच की नहीं, बल्कि इस बारे में बात कर रहे हैं कि हम कैसे रणनीति बना सकते हैं।' रविंद्र जडेजा की गैरमौजूदगी से इस श्रृंखला में अक्षर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होंगी। उन्होंने कहा, 'मैं इस श्रृंखला को लेकर बहुत आश्वस्त हूं। एशिया कप में मैंने बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। लंबे समय (2022 टी20 विश्व कप) के बाद मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलूंगा। मैं इस चुनौती के लिए तैयार हूं।'

आईपीएस वाई पूरन की पीएम रिपोर्ट आई सामने, गोली लगने से इंटरनल ऑर्गन फट गए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा आईपीएस वाई पूरन कुमार की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गई है। चंडीगढ़ पीजीआई की ओर से एसआईटी को सौंपी गई रिपोर्ट में सामने आया हैं कि गोली लगने से पूरन के इंटरनल ऑर्गन फट गए थे।नाक, कान और मुंह से खून निकला। इससे उनकी मौत हो गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद अब पुलिस ने अपनी जांच को और तेज कर दिया है। बता दें कि आईपीएस वाई पूरन कुमार के सुसाइड के नौवें दिन बुधवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया था। गुरुवार को परिवार ने हरिद्वार में उनके अस्थि-विसर्जन की रस्म हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार पूरी की। उधर, मामले में अभी तक अमनीत पी कुमार की ओर से कोई सार्वजनिक बयान नहीं आया है। वहीं अभी तक चले गतिरोध में उनके विधायक भाई अमित रतन या 31 सदस्यीय (बाद में 51 सदस्यीय की) कमेटी ने भी मीडिया को कुछ जानकारियां नहीं दीं। बुधवार को अंतिम संस्कार के बाद अमनीत पी कुमार से बात करने की कोशिश की तब परिवार ने उन्हें रोक लिया। इस बीच रोहतक में एएसआई संदीप लाठर के सुसाइड के बाद माहौल काफी बदल गया है। अभी तक मुखर दिख रहे संगठन भी नरम पड़े हैं। यहां लगातार सभी की निगाह रोहतक में चल रहे घटनाक्रम पर लगी रही।

बहराइच में अवैध कफ सिरप और दर्द निवारक दवाओं के गोदाम में छापेमारी

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में अवैध कफ सिरप और दर्द निवारक दवाओं की बरामदगी से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मामला सामने आया है। बहराइच के दरगाह इलाके में सहायक आयुक्त औषधि, देवीपाटन मंडल, मुकेश जैन ने टीम के साथ छापेमारी कर प्रतिबंधित कोडीन युक्त सिरप और दर्द निवारक कैप्सूल बड़ी मात्रा में बरामद किए। इनकी कीमत लाखों में आंकी गई है। छापेमारी रॉयल फार्मा द्वारा बेचे जा रहे अवैध स्टॉक पर की गई। जहां मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सिरप कोल्ड्रिफ के कारण बच्चों की मौत के मामले में जांच के दायरे का बढ़ना, जिसके बाद कोडीन युक्त सीरप की अवैध सप्लाई की शिकायतें मिली थीं। सभी जब्त दवाओं के नमूने (सैंपल) जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। दवा विक्रेता को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दवा विक्रेता के पास से एक लखनऊ नंबर की गाड़ी बरामद हुई है, जिस पर विधायक का सचिवालय पास लगा हुआ था। सहायक आयुक्त औषधि मुकेश जैन ने कहा है कि दवाओं के नमूने की जांच की जाएगी और यह भी जांच की जाएगी कि सचिवालय का पास कैसे जारी हुआ। यह एक ओपिओइड एनाल्जेसिक है, जिसका उपयोग मध्यम से गंभीर दर्द कम करने के लिए किया जाता है। यह दर्द संकेतों को रोककर काम करता है। इसे डॉक्टर की सलाह के बिना लेना घातक हो सकता है। ओपिओइड दर्द निवारक दवा है, जिसका उपयोग अल्पकालिक दर्द से राहत के लिए होता है। कुछ लोग इसे संसाधित नहीं कर पाते हैं।

50 यात्रियों से भरी बस एक्सप्रेसवे पर बन गई आग का गोला, लोगों ने कूदकर बचाई जान

गौतमबुद्ध नगर (एजेंसी)। जिले के दनकौर थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार रात एक चलती लग्जरी बस में आग लग गई। जैसे ही यात्रियों को पता चला कि बस में आग लगी है तभी कई यात्री कूदने लगे। गनीमत रही इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। बता दें कि राजस्थान जैसा कांड यूपी में भी हो सकता था। मंगलवार को राजस्थान के जैसलमेर में एक एसी बस में आग लग जाने से 21 यात्रियों की दर्दनाक तरीके से मौत हो गई तो एक दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए थे।गनीमत रही कि आग अंदर तक नहीं पहुंची और करीब 50 यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि निजी बस पंजाब के लुधियाना से आगरा जा रही थी और उसमें करीब 50 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा कि बस जब यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते ग्रेटर नोएडा से गुजर रही थी, तभी उसकी छत पर रखे सामान में भीषण आग लग गई। चालक ने आग का पता चलते ही बस रोक दी और यात्री बाहर आ गए। अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक, दिवाली से पहले की जा रही आतिशबाजी की वजह से चिंगारी चलती बस की छत पर गिरी जिसके कारण आग लग गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग इसके साथ राजस्थान में हुए हादसे का जिक्र करते हुए यात्रियों की जान बचने पर ऊपरवाले का आभार जता रहे हैं।

तेलंगाना में अब दो से ज्यादा बच्चे वाले भी लड़ सकेंगे स्थानीय निकाय चुनाव

हैदराबाद (एजेंसी)। आने वाले समय में तेलंगाना में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव में उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जिनके दो से ज्यादा बच्चे हैं और वे चुनाव लड़ने की इच्छा रखते हैं। अब ऐसे लोग भी चुनाव लड़ सकेंगे। तेलंगाना कैबिनेट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवारों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने की अनुमति देने पर सिद्धांत रूप से सहमति जताई। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। राजस्व मंत्री रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने पर 1 से 9 दिसंबर तक 'प्रजा पालन-प्रजा विजयोत्सव'मनाया जाएगा। इस दौरान राज्य में सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा जाएगा। राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि जनसंख्या नियंत्रण उपायों के सख्ती से लागू होने के बावजूद इस नियम को बनाए रखना अब जरूरी नहीं है। कैबिनेट ने विचार-विमर्श के बाद इसे हटाने का फैसला किया है ताकि अधिक लोगों की लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। बैठक में तीन नए कृषि महाविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जो हुजूरनगर, कोडंगल और निजामाबाद में स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा, हैदराबाद मेट्रो रेल के विस्तार कार्यों को भी तेज करने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने एक वरिष्ठ अधिकारियों की समिति गठित करने का फैसला किया है, जो मेट्रो रेल प्रोजेक्ट फेज-1 को एलएंडटी से अधिग्रहण करने की संभावनाओं का अध्ययन करेगी। कैबिनेट ने एनएएलएसएआर लॉ यूनिवर्सिटी को 7 एकड़ अतिरिक्त भूमि देने का निर्णय लिया है।

पाकिस्तानी सेना निर्दोषों पर हमला करके अपनी नाकामियों को छुपाती है: पश्तीन

-हमले में अफगान संपत्तियों को नुकसान पहुंचा, घर टूटे, स्कूल ढहे, तनाव बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के साथ लड़ाई में दर्जनों सैनिकों मौत के बाद पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि अफगानिस्तान ने भारत के इशारे पर उस पर हमला किया, क्योंकि ये हमले तब हुए जब अफगानिस्ता के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी दिल्ली में थे। वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ अब टू फ्रंट वॉर की बात कर रहे हैं। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत फिर से जंग छेड़ सकता है और पाकिस्तान इसके लिए तैयार है।

वहीं अफगानिस्तान पर हमले के लिए पाकिस्तान के कई संगठनों ने अपनी ही सरकार को घेरा है। पश्तून तहफुज़ मूवमेंट के नेता मंजूर पश्तीन ने काबुल पर पाकिस्तानी सेना के हालिया हवाई हमलों की निंदा की है और नागरिकों को निशाना बनाने को युद्ध अपराध बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना बार-बार निर्दोष लोगों पर हमला करके में अपनी नाकामियों को छुपाती है। एक्स पर पोस्ट में पश्तीन ने लिखा- युद्ध अपराधों की सबसे बड़ी अपराधी पाकिस्तानी सेना हमेशा युद्ध के मैदान में खाली हाथ आम लोगों पर अपना गुस्सा और हार का उतारती है।

पूर्व अफगान राजनयिक अजीज महाराज ने कहा कि दुर्भाग्य से पाकिस्तान नागरिकों को निशाना बनाकर हमले करके सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों जैसे हस्तक्षेप न करने के सिद्धांत, आपसी सम्मान, क्षेत्रीय अखंडता, मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा का उल्लंघन कर रहा है। इससे किसी को कोई फायदा नहीं। इन हमलों और बढ़ते तनाव के मद्देनजर काबुल और इस्लामाबाद के बीच 48 घंटे का युद्धविराम स्थापित किया गया है।

ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान अब अफगानिस्तान और भारत से एक साथ युद्ध की तैयारी कर रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की ताजा जंग हाल के दिनों में दोनों मुल्कों के बीच सबसे भयंकर खूनी टकराव है। इस लड़ाई में पाकिस्तान के दर्जनों सैनिक मारे गए हैं। बौखलाए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई शहरों में एयर स्ट्राइक की। इससे संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। घर टूट गए हैं, स्कूल ढह गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट में तालिबान के मुताबिक 12 से ज्यादा नागरिक मारे गए, जबकि 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। 15-20 तालिबानी लड़ाकों की मौत भी खबरें आई है। कंधार के स्पिन बोल्डक में पाकिस्तान-अफगानिस्तान का फ्रेंडशिप गेट बुरी तरह ढह गया है। अभी भले ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ है लेकिन तनाव अभी भी जारी है। शहबाज ने चुनौती भरे अंदाज में कहा है कि यदि यह सीजफायर केवल समय लेने के लिए किया गया है, तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। शरीफ ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान भारत की शह पर हमले कर रहा है, और ये हमले तब हो रहे हैं जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत में थे।

शहबाज शरीफ भारत का आरोप लगा रहे थे तो पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ दो मोर्चे पर जंग की तैयारी कर रहे थे। आसिफ ने माना कि पाकिस्तान संभावित दो मोर्चों पर संघर्ष की तैयारी कर रहा है।

22 अक्टूबर को सबरीमला मंदिर जाएंगी राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली के बाद 22 अक्टूबर को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू सबरीमला मंदिर जाएंगी जहां भगवान के दर्शन करेंगी। वह केरल पुलिस के वाहन से पहाड़ी पर स्थित इस तीर्थस्थल तक जाएंगी। सबरीमला के विशेष आयुक्त ने केरल उच्च न्यायालय को यह जानकारी दी, जिसने बृहस्पतिवार को मंदिर में वीवीआईपी काफिले की आवाजाही की अनुमति दे दी।

अदालत ने त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) को राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर भीड़ प्रबंधन की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। विशेष आयुक्त के अनुसार, केरल पुलिस के पांच चार-पहिया वाहन राष्ट्रपति के काफिले का हिस्सा होंगे, जिनके साथ एक एम्बुलेंस भी होगी। यह काफिला 4.5 किलोमीटर लंबे स्वामी अय्यप्पन मार्ग और सन्निधानम तक के पारंपरिक मार्ग पर जाएगा। टीडीबी के एक अधिकारी ने बताया कि आपातकालीन स्थितियों और मंदिर तक सामान पहुंचाने के लिए टीडीबी और वन विभाग द्वारा एम्बुलेंस और ट्रैक्टर उपलब्ध हैं। राष्ट्रपति मुर्मू चार दिवसीय दौरे के तहत 21 अक्टूबर को केरल पहुंचेंगी।अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि व्यवस्थाएं वीवीआईपी सुरक्षा के लिए 'ब्लू बुक' प्रोटोकॉल के अनुरूप होनी चाहिए। पथनमथिट्टा के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा की तैयारियां की जा रही हैं। पारंपरिक रूप से श्रद्धालु पैदल या डोलियों (पालकी) में बैठकर मंदिर जाने के लिए चढ़ाई करते हैं। टीडीबी अधिकारियों ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति वी। वी गिरि 1970 के दशक में सबरीमला आए थे और वह डोली में सवार होकर मंदिर पहुंचे थे।

किसानों ने पूछा सवाल, अभी फसल कटी हीं नहीं... फिर कैसे दिल्ली में हवा की गुणवत्ता खराब होने लगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में दिवाली से पहले ही प्रदूषण का स्तर बढ़ने और पंजाब में कम पराली जलाने की घटनाओं के बावजूद हवा की गुणवत्ता खराब होने पर पंजाब के किसानों ने सवाल उठा दिए हैं। किसानों का कहना है कि अभी उनके खेतों में कटाई भी शुरू नहीं हुई है, इसलिए पराली जलाने का सवाल ही नहीं है, फिर भी दिल्ली की हवा प्रदूषित हो गई है। पटियाला के किसान सुखविंदर सिंह के अनुसार, हमारे किसी खेत में अभी आग नहीं लगी है, और दिल्ली में पहले ही प्रदूषण आ गया। तब यह प्रदूषण कहाँ से आ रहा है? वे इस मौसम में दिल्ली को घेरने वाले जहरीले प्रदूषण के अन्य स्रोतों पर सवाल उठा रहे हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के सैटेलाइट डेटा के अनुसार, 15 सितंबर से अब तक पंजाब में रोज केवल 6-7 पराली जलाने की घटनाएँ सामने आई हैं, जो दिखाता हैं कि वर्तमान पराली जलाना प्रदूषण का मुख्य कारण नहीं है। किसानों का कहना है कि वे पराली प्रबंधन के लिए पर्यावरण के अनुकूल और सस्ते विकल्पों पर विचार करने को तैयार हैं, लेकिन इससे उन पर, खासकर छोटे किसानों पर, अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ना चाहिए। किसानों को बेलर मशीनों से पराली प्रबंधन पर लगभग 1100-1200 रुपये प्रति एकड़ खर्च करना पड़ता है, और फिर जैव-ऊर्जा संयंत्र/उद्योग उसे समय पर उठाते भी नहीं हैं। किसानों ने कहा है कि यदि सरकार उन्हें वैकल्पिक तरीके अपनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करे, तो वे पराली नहीं जलाएँगे। इसके अलावा, किसानों ने फसल अवशेष मशीनें (सीआरएम) उपलब्ध कराने में देरी की भी शिकायत की है, जबकि पंजाब सरकार ने इस साल लगभग 2.5 लाख मशीनें उपलब्ध कराने का वादा किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि तापमान में गिरावट और दिवाली पर पटाखों का असर दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति को और गंभीर बना सकता है, जबकि अभी से एक्यूआई लगातार बढ़ रहा है। यह स्थिति लोगों के लिए साँस लेने में दिक्कत पैदा कर रही है।

महागठबंधन में एक और दल हुआ शामिल, तीन सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में विपक्षी दलों के महागठबंधन में 7वें दल की एंट्री हो गई है। पान समाज (तांती, ततवा जाति) की राजनीति करने वाले आईपी गुप्ता ने दावा किया है कि उनकी इंडियन इंक्लूसिव पार्टी को महागठबंधन में 3 सीटें मिल गई हैं। आईपी गुप्ता ने गुरुवार रात को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि उनकी पार्टी महागठबंधन का हिस्सा बन गई है। हम घर वाले नहीं बल्कि गोतिया बने हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के इतिहास में पहली बार तांती, तता, पान समाज की अपनी पार्टी चुनावी मैदान में उतरेगी। इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के चीफ आईपी गुप्ता बीते कई दिनों से महागठबंधन के शीर्ष नेताओं से संपर्क में थे।

बिहार वोटर अधिकार यात्रा के दौरान उनकी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात भी हुई थी। इसके बाद पिछले सप्ताह उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव के साथ बैठक का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था। आईपी गुप्ता खुद सहरसा सीट से अपनी पार्टी के करनी छाप चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे। उन्होंने शुक्रवार को अपना पर्चा दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि 3-4 सीटों पर उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को राजद और कांग्रेस के सिंबल पर लड़ाने पर सहमति बनी है। हालांकि, महागठबंधन के प्रमुख दल राजद या कांग्रेस की ओर से अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

अखिल भारतीय पान महासंघ के अध्यक्ष आईपी गुप्ता ने कांग्रेस छोड़कर नई पार्टी बनाई थी। इसी साल अप्रैल महीने में उन्होंने पटना के गांधी मैदान में पान समाज की बड़ी रैली करके सबका ध्यान खींचा था। बिहार में हुए जाति आधारित सर्वे के आंकड़ों के अनुसार तांती-ततवा जाति के लोगों की आबादी लगभग 2 प्रतिशत है। ऐसे में कम मार्जिन से हार-जीत वाली सीटों पर पान समाज के मतदाता निर्णायक भूमिका में रह सकते हैं। बताया जा रहा है कि लालू-तेजस्वी की आरजेडी ने अपने कोटे की सहरसा सीट आईपी गुप्ता को लड़ने के लिए दी है। 2020 में जेडीयू की मौजूदा सांसद लवली आनंद ने सहरसा से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के आलोक रंजन झा से हार गई थीं। एनडीए में भाजपा ने 2025 में फिर से मौजूदा विधायक को ही टिकट दिया है। बता दें कि महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, सीपीआई-माले, सीपीएम, सीपीआई और मुकेश सहनी की वीआईपी को मिलाकर 6 पार्टियां पहले से है। आईपी गुप्ता की इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के आने से कुल 7 दल हो गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी महागठबंधन का हिस्सा नहीं बन पाई और 25 सीटों पर अलग से अपने प्रत्याशी उतार दिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो के भी बिहार महागठबंधन में सीटें मिलने पर अभी सस्पेंस है।

नक्सली आत्मसमर्पण: सीएम नायडू पर हमले की साजिशकर्ता बम बहादुर राव भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दो से तीन दिनों में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में 405 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। बीते कुछ समय में केंद्र के एक्शन और अपील का असर अब नक्सल हिंसा प्रभावित इलाकों में साफ दिख रहा है। गुरुवार को छत्तीसगढ़ में सीएम विष्णुदेव साय के सामने 170 नक्सलियों ने सरेंडर किया। खास बात है कि सरेंडर करने वाले नक्सलियों में खास बम बहादुर नक्सली भी शामिल है। इस नक्सली की पहचान बम बनाने वाले एक्सपर्ट के रूप में रही है। यह व्यक्ति है टी वासुदेव राव उर्फ रूपेश।

माओवादियों के बम बनाने वाले के रूप में मशहूर 59 वर्षीय वासुदेव राव उर्फ रूपेश के बारे में पता चला है कि वे आखिरी बार अबूझमाड़ इलाके से अपनी गतिविधियां चला रहे थे। उनके साथ, आत्मसमर्पण करने वाले विद्रोहियों में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेजेडसी) की माड़ संभाग प्रभारी रनिता भी शामिल थीं।

बताया जाता हैं कि तेलंगाना के मुगुलु निवासी रूपेश ने 2 दिसंबर 2000 को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर हमले की साजिश रची थी। ऐसा माना जाता है कि वे 1999 में आंध्र प्रदेश के तत्कालीन गृह मंत्री ए माधव रेड्डी और युवा आईपीएस अधिकारी उमेश चंद्र की हत्या में भी शामिल था। वासुदेव राव ने आईटीआई से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद 1991 में पीपल्स वॉर ग्रुप में शामिल हुआ। इसके बाद राव को 1999 में हैदराबाद एक्शन टीम का प्रमुख नियुक्त किया गया। साल 2010 में राव को सीपीआई (माओवाद) की सेंट्रल कमिटी में शामिल किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ पुलिस सूत्रों ने बताया कि रूपेश को प्रतिबंधित सीपीआई(माओवादी) की केंद्रीय समिति में प्रोमोट किया गया है, लेकिन खुफिया सूत्रों के अनुसार, उन्होंने अभी तक यह पद ग्रहण नहीं किया है। एक खुफिया सूत्र ने बताया कि वह केंद्रीय समिति की किसी भी बैठक में शामिल होने से पहले ही सरेंडर करने का फैसला किया।

इन बड़े हमलों का मास्टरमाइंड

2007: पूर्व मुख्यमंत्री एन. जनार्दन रेड्डी की हत्या के प्रयासों से जुड़ा

2019: गढ़चिरौली में हुए आईईडी विस्फोट में संदिग्ध, जिसमें 15 महाराष्ट्र पुलिसकर्मी मारे गए

ट्रंप का बढ़ेगा टेंशन: भारत की आकाश मिसाइलों का मुरीद हुआ ब्राजील का यह देश, जल्द होगी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ जंग के मैदान में भारत के मिसाइल डिफेंस सिस्टम्स की ताकत पूरी दुनिया ने देखी। इस दौरान भारत के स्वदेशी डिफेंस सिस्टम आकाश की भूमिका भी बेहद अहम रही थी। यही वजह है कि दुनिया के कई देश आकाश मिसाइलों के मुरीद हो गए हैं और इसे खरीदने की दिलचस्पी दिखाई है। इस कड़ी में अब ब्रिक्स के साथी ब्राजील का नाम भी जुड़ गया है।

बता दें कि 'आकाश' मिसाइल सिस्टम को डीआरडीओ ने तैयार किया है। इसका मकसद फाइटर एयरक्राफ्ट, क्रूज मिसाइल, ड्रोन और हेलीकॉप्टर जैसे हवाई खतरों से जरूरी ठिकानों और संसाधनों की सुरक्षा करना है। यह पूरी तरह मोबाइल सिस्टम है यानि इस कहीं भी ले जाया जा सकता है। वहीं यह एक साथ कई टारगेट पर हमला कर सकता है। जानकारी के मुताबिक भारत जल्द ही ब्राजील को आकाश मिसाइलों को ब्राजील भेजने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए दिनों देशों के बीच जल्द ही एक बड़ी डिफेंस एक्सपोर्ट डील की तैयारियां भी चल रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ब्राजील के उपराष्ट्रपति और रक्षा मंत्री के बीच हुई बातचीत के दौरान ब्राजील ने इसे खरीदने में खास दिलचस्पी दिखाई है और दोनों देशों ने बातचीत जारी रखने का फैसला किया है। इससे समझौते की संभावना और बढ़ गई है।

इस सौदे से ब्रिक्स के दोनों साझेदार देशों के रणनीतिक रिश्ते और मजबूत होने की उम्मीद है। वहीं यह सौदा भारत की डिफेंस में आत्मनिर्भरता के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है। यह सिर्फ एक व्यावसायिक समझौता नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदारी भी होगी। इससे दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मजबूती मिलेगी और भारत की पहचान एक भरोसेमंद वैश्विक डिफेंस एक्सपोर्टर के रूप में और मजबूत होगी। भारतीय सेना के मुताबिक आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हवाई खतरों और ड्रोन हमलों को लगातार नाकाम किया। इस दौरान इसकी जैमिंग इम्यूनिटी और तेज प्रतिक्रिया की क्षमता सबसे अधिक मददगार साबित हुई। इस बैटल-टेस्टेड सिस्टम ने खुद को एक किफायती और भरोसेमंद विकल्प के रूप में साबित किया है, खासकर उन देशों के लिए जो अपनी एयर डिफेंस टेक्नोलॉजी को आधुनिक बना रहे हैं।

देश में बढ़ती 'डिजिटल अरेस्ट' की घटनाओं पर चिंतित सुप्रीम कोर्ट...केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के अंबाला में अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेशों के आधार पर एक बुजुर्ग दंपति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर बुजुर्ग से 1.05 करोड़ की उगाही की घटना पर चिंता जाहिर की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर चिंता जता दी है। इतना ही नहीं 73 वर्षीय महिला द्वारा प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई को लिखे पत्र पर स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज किए गए मामले में केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा है। पीठ ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों सहित निर्दोष लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने के लिए सुप्रीम कोर्ट, उच्च न्यायालय के आदेशों और न्यायाधीशों के हस्ताक्षरों की जालसाजी करना न्यायिक संस्थाओं में लोगों के विश्वास और आस्था पर कुठाराघात है।

बात दें कि 'डिजिटल अरेस्ट' ऑनलाइन धोखाधड़ी है, जिसमें जालसाज खुद को फर्जी तरीके से किसी सरकारी एजेंसी या अधिकारी बताकर लोगों पर कानून तोड़ने का आरोप लगाकर धमकी देकर गलत तरह से धन वसूली करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, ''न्यायाधीशों के जाली हस्ताक्षरों वाले न्यायिक आदेश तैयार करना, कानून के शासन के अलावा न्यायिक व्यवस्था में जनता के विश्वास की नींव पर कुठाराघात करता है।

पीठ ने कहा कि इस तरह के गंभीर आपराधिक कृत्य को धोखाधड़ी या साइबर अपराध के सामान्य या एकल अपराध के रूप में नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा, ''हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेने के लिए भी इच्छुक हैं कि यह मामला एकमात्र मामला नहीं है। मीडिया में कई बार ये खबरें आई हैं कि देश के विभिन्न हिस्सों में इसतरह के अपराध हुए हैं। इसलिए, हमारा मानना ??है कि न्यायिक दस्तावेजों की जालसाजी, निर्दोष लोगों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों से जबरन वसूली/लूट से जुड़े आपराधिक उपक्रम का पूरी तरह से पर्दाफाश करने के लिए केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयासों और कार्रवाई की आवश्यकता है।''

पीठ ने अटॉर्नी जनरल से सहायता मांगी और हरियाणा सरकार तथा अंबाला साइबर अपराध विभाग को बुजुर्ग दंपति के मामले में अब तक की गई जांच पर स्थिति रिपोर्ट देने का आदेश दिया। यह मामला शिकायतकर्ता महिला द्वारा अदालत के संज्ञान में लाया गया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि घोटालेबाजों ने 3 से 16 सितंबर के बीच दंपति की गिरफ्तारी और निगरानी की बात करने वाला स्टाम्प और मुहर लगा एक जाली अदालती आदेश पेश किया और कई बैंक लेनदेन के माध्यम से एक करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902